हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

23 फरवरी, 1989

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 23 फरवरी, 1989

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3)1
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(3)24
बिल (इन्ट्रोडयूस्ड सदन की अनुमति से)–	
दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोडयूस मार्किट्स (हरियाणा अमैन्डमैंट) बिल, 1989	(3) 24
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव–	
समितियों के गठन सम्बन्धी नियमों का निलम्बन	(3)25
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)26
नेमिंग औफ मैम्बर	(3)27
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)28

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 23 फरवरी, 1989

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब क्वैशचंज होंगे।

By-Pass at Narnaul

***760 Shri Kailash Chand Sharma :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to construct a by-pass at Narnaul on the Nangal Chaudhry road upto Mohindergarh road togetherwith the length of the road ; and

(b) if so, the time by which the scheme as referred to in part (a) above is likely to materialize ?

लोक निर्माण मन्त्री (श्री ओम प्रकाश भारद्वाज):

(क) जी नहीं।

(ख) उपरोक्त (क) के दृष्टिगत प्रश्न ही नहीं उठता।

श्री कैलाश चन्द शर्मा: स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी नारनौल गए थे और वहां पर बाई पास बनाने की बात कही गई थी। क्या मन्त्री महोदय बताने कि कृपा करेंगे कि ऐक्सीयन ने कोई प्रोपोजल इस बारे में बनाकर भेजी है?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाज: अध्यक्ष महोदय, अगस्त 1988 में मुख्य मन्त्री महोदय को इस बारे में एक प्रार्थना पत्र दिया गया था। इस बाई–पास की लम्बाई आठ किलोमीटर है और इस पर लगभग अस्सी लाख रूपया खर्च होगा। हमारे पास पहले भी काफी ऐसी सड़के हैं जो स्वीकृत हैं और धनाभाव के कारण नहीं बन पाई हैं। इसलिए इस बाई–पास को चालू करना अभी सम्भव नहीं हो सकेगा।

श्री कैलाश चन्द शर्मा: स्पीकर साहब, अगर नांगल चौधरी रोड को नैशनल हाई–वे नम्बर वन से जोड़ दिया जाए तो पंजाब को जाने वाली गाड़ियों का रास्ता काफी कम हो जाएगा और दिल्ली आने वाला टैरफिक जो हरियाणा से गुजरता है उसका फासला भी काफी कम हो जाएगा। क्या मन्त्री महोदय नांगल चौधरी रोड को नैशनल हाई–वे नम्बर वन से जोड़ने पर विचार करेंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाज: स्पीकर साहब, यह सारी बात ठीक है लेकिन हमने बजट की ओर भी देखना है। जब भी हमारे

पास पर्याप्त साधन हो जाएगें तब इस बाई–पास को कंसिडर कर लिया जाएगा।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, कुछ गांव ऐसे हैं जहां की सड़कें मन्जूरशुदा हैं। अगर उनको बना दिया जाए तो उन गांवों से हैडक्वार्टर का फासला पन्द्रह बीस किलोमीटर कम हो जाता है। उन सड्कों पर अर्थ वर्क दो साल पहले हो चुका है। क्या मन्त्री महोदय, जनहित को दृष्टि में रखते हुए और सरकार का जो पैसा लगा हुआ है उसको ध्यान में रखते हुए कि वह बेकार न जाए, डन सड्कों को बनाने में प्राथमिकता देंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, जो गैप्स पडे हुए हैं उनको प्राथमिकता दी जाएगी।

Special Grant from Centre for Drought/Floods Relief

***821. Shri Ranjit Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the special grant of Rs. 42 crores as announced by the Prime Minister for drought/flood relief to be given to the State of Haryana during the current financial year has been received by the State Government ; and

(b) if not, the steps taken or proposed to be taken by the Government to procure the said grant during the above said period ?

राजस्व मंत्री (श्री सूरज भान):

(क) 4214 करोड़ रूपये जिसमें 10.00 करोड़ रुपये का गृह ऋण शामिल हैं, की केन्द्रीय सहायता की सीमा में से अब तक चालू वित्त वर्ष में 20.99 करोड़ रुपये केन्द्रीय सहायता के रूप में तथा 4.67 करोड़ रुपये गृह ऋण के रुप में प्राप्त हो चुके हैं।

(ख) केन्द्रीय सरकार से शेष राशि को प्राप्त करने के लिए पग उठाये जा रहैं हैं।

श्री रणजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, राजस्थान को सूखा राहत के लिए 480 करोड़ रुपया दिया गया और गुजरात को 350 करोड़ रुपया दिया गया लेकिन हरियाणा को केवल 42 करोड़ रुपया दिया गया। जबकि यह पिछले दस साल में सब से भयंकर सूखा था। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इसके लिए कोई क्राईटेरिया रखा हुआ हैं?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, यह बात तो सही है कि हरियाणा के साथ सौतेली मां जैसा व्यवहार किया गया है। जो यह 42.14 करोड़ रुपया दिया गया इसके बारे में मैं असलियत बता देता हूं। इस 42.14 करोड़ में से दस करोड़ रुपया तो हाउसिंग के लिए लोन है, कर्जा है ग्रान्ट नहीं एं। उस कर्ने में से अभी 4. 67 करोड़ रुपया वसूल हुआ है। दस करोड़ रुपया जो लोन का है अगर वह निकाल दें तो 32.14 करोड़ रह जाता है। यह 32.14 करोड़ भी मिलना नहीं है, यह सीलिंग है। मिलना है सिर्फ 23.48

करोड़ रुपया और इसमें से अभी तक 20.99 करोड़ रुपया मिला है। बाकी 2.49 करोड़ रुपया रहता है।

श्री मंगल सैनः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि शेष राशि को लेने के लिए क्या कदम उठाए जा रहैं हैं?

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, 2. 49 करोड़ रुपए के बारे में उनसे लिखा पढ़ी हो रही है।

श्री मंगल सैनः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय सहायता राशि को लेकर सैन्टर के मन्त्री महोदय हरियाणा में जो बयानबाजी करते रहैं हैं उसकी सदाकत क्या है?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, उनकी बयानबाजी का जवाब मैंने दे दिया था। उनको यह पता नहीं कि सैन्टर ने कितना अनाऊंस किया है, कितना देना हैं और कितना दे दिया है? उनका बयान गल्त था, उसको मैंने रिफ्यूट कर दिया था।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, अभी उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार हमारे साथ भेद भावपूर्ण नीति बरत रही है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इसके लिए हमारी सरकार क्या कदम उठाने जा रही है? क्या इस सम्बन्ध में हमारी सरकार ने केन्द्र सरकर से कोई पत्न–व्यवहार किया है? अगर किया है तो उसका क्या जवाब आया है? दूसरी बात यह है कि जो रकम हरियाणा को दी गयी है क्या वह प्लानिग के हिसाब से दी गई है?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, इसमें प्लान और नौन–प्लान दोनों ही शामिल हैं लेकिन अभी तक जो उन्होंने सीलिंग अनाउस की है उस में से भी 2.49 करोड़ बाकी है।

श्री हीरा नन्द आर्यः सर, मेरे सवाल का जवाब तो इन्होंने दिया नहीं। (शोर)

Mr. Speaker : You can put another question. Please take your scat. You will get another opportunity.

श्री आत्मा राम गोदाराः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्र सरकार हरियाणा सरकार के साथ इस असिसटैन्स के मामले में जो भेदभाव की नीति बरत रही है उस सम्बन्ध में हरियाणा सरकार क्या कदम उठा रही है और हमारे जो कांग्रेस पार्टी के भाई इस सदन में मौजूद हैं और केन्द्र में भी एक मन्त्री बैठे हैं उन्होंने इस बारे में क्या भूमिका निभायी हैं?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, हमने समय–समय पर प्रोटैस्ट लौंज किया है। बाकी कांग्रेसी भाईयों की भूमिका के बारे में तो चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंह ही बता सकते हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि हमारी सरकार ने इस विषय में केन्द्र सरकार से जो लिखत पढ़त की है उसका केन्द्र सरकार ने कोई जवाब दिया है? अगर दिया है तो क्या जवाब दिया है?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार ने हमारी लिखत का कोई जवाब नहीं दिया है।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः क्या मन्त्री महोदय, बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्र सरकार से जो 20.99 करोड़ रुपया हरियाणा को मिला है, उस पैसे को कहां– कहां खर्च किया गया है और जिला कुरुक्षेत्र में कितना दिया गया है ?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, यह पैसा अलग–अलग विभागो में खर्च किया गया है और अगर जिलावाईज औनरेबल मैम्बर डिटेल पूछना चाहते हैं तो इसके लिये अलग से नोटिस दें, हम बता देंगे।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने अभी कहा कि कांग्रेसियों की भूमिका के बारे में मैं बता सकता हूं।

.....

.....

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए। आप केवल सवाल पूछिए।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि हरियाणा सरकार को 42 करोड रुपये की राहत केन्द्र सरकार ने दी है और उसमें से 20 करोड़ के लगभग राशि मिली है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उसमें से

जिलावाईज कहां–कहां कितना कितना खर्च हुआ, सरकार ने अपनी तरफ से क्या खर्च किया और उनका यह पैसा खर्च करने का क्रायटेरिया क्या रहा है?

Mr. Speaker : Mahender Partap Ji, you are creating confusion by mixing different questions, take your seat. You can not expect their reply .

Shri Mangal Sein : Sir, it is a very sorry state of affair that the Hon' ble Member has raised such a matter during the question hour. आपने उसे रिकार्ड न करवा कर बहुत अच्छा किया। स्पीकर साहब, सैट्रल गवर्नमैंट का हरियाणा के बारे में सव से ज्यादा भेद भाव पूर्ण रवैया क्यों है क्या इसके बारे मे मुख्य मन्त्री जी की बात प्रधान मन्त्री जी से हुई हैं?

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल): अगली इलैक्शन में होगी। (हंसी)

Appointments made in Faridabad Complex

***771. Shri Yogesh Chand Sharma : Will** the Minister of State for Local Government be pleased to state the category-wise details of appointments; if any, made in the Faridabad Complex during the period from 1987-88 to date togetherwith their complete addresses and mode of their appointment ?

श्री अध्यक्षः इस प्रश्न के लिए गवर्नमैंट ने ऐक्सटैशन मांगी है। जोकि ग्रान्ट कर दी गई है। इस बारे में सम्बन्धित मन्त्री से आया पत्र इस प्रकार हैः –

Interim reply

डी. ओ नं० 26/1/89–3 सी 11

''अवतार सिंह भडाना राज्य मन्त्री,

स्थानीय शासन विभाग, हरियाणा,

चण्डीगढ़।

दिनांक 21–2–1989

विषयःविधान सभा तारांकित प्रश्न सं० 771 जो श्री योगेश चंद शर्मा, विधायक द्वारा पूछा गया है, के बारे सूचना उपलब्ध करने संबंधी।

आदरणीय,

मैं आपको सूचित करता हूं कि तारांकित विधान सभा प्रश्न सं० 771 जो श्री योगेश चन्द शर्मा, विधायक द्वारा पूछा गया है, उत्तर देने के लिए हरियाणा विधान सभा अधिवेशन में दिनांक 23–2– 89 को देय है, किन्तु इस प्रश्न का उत्तर देने संबंधी जो सूचना वांछित है, वह मुख्य प्रशासक, फरीदाबाद मिश्रित प्रशासन' फरीदाबाद से प्रतिक्षित है जिसको एकत्रित करने में समय लगेगा।

अतः इस प्रश्न का उत्तर दिनांक 23– 2–89 को देना सम्भव न होगा। इन परिस्थितियों में, मैं आपका आभारी हूगा यदि आप इस प्रश्न का उत्तर तैयार करने हैंतु कम से कम 15 दिन की बढ़ौतरी दे देंगे।

आपका,

हस्ता–

(अवतार सिंह भडाना)

श्री एच. एस. चट्ठा,

अध्यक्ष

हरियाणा विधान सभा

चण्डीगढ़।''

तारांकित प्रश्न संख्या 736

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य, श्री जग सिंह राणा इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।

Technical College, Uttawar

***746. Shri Bhagwan Sahai Rawat :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open Technical College at

Uttawar in Hathin, District Faridabad; and

(b) if so, the time by which it is likely to be opened ?

Irrigation & Power Minister (Shri Verender Singh) :

(a) Yes, Sir.

(b) The construction work of the new Government Polytechnic at Uttawar has been taken in hand by the P. W. D. (B&R) recently and the Institution will be opened as soon as the building is completed.

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि पौलिटैक्निक खोलने का क्या क्राइटेरिया है? दूसरे क्या मन्त्री जी यह भी बताएंगे कि 1977 में आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने लोहारू में पौलिटैक्निक खोलने की घोषणा की थी, उसके बारे में भी सरकार कोई विचार कर रही है कि उसको कब तक खोल दिया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, इसके लिए कोई क्राइटेरिया विशेष नही है। इसके लिए स्टेट गवर्नमैंट अलग अलग इलाकों में देखती है और कोशिश करती है कि हरियाणा के बच्चों को टैक्नीकल ऐजूकेशन मिले। जहां तक 1977 में उस समय के मुख्य मन्त्री जी की लोहारु में पौलिटैक्निक खोलने की घोषणा का संबंध है उसके बारे मैं मुझे तो कोई ज्ञान नही है।

श्री भगवान सहाय रावतः मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हू कि इसके भवन निर्माण के लिए कितनी राशि निर्धारित की गई है और इसको कम्पलीट करने के लिए कितनी अवधि निश्चित की गई है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसके लिए 2 करोड़, 56 लाख 41 हजार 500 रुपए की राशि की आवश्यकता होगी। फिलहाल दो लाख रुपए की राशि से इसका काम शुरू किया गया है।

श्री योगेश चन्द शर्माः फरीदाबाद एक इंडस्ट्रियल टाउन है। वहां पर बच्चों के लिए टैक्नीकल ऐजूकेशन की बहुत जरूरत है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इस बात को ध्यान में रख कर वहां भी पौलिटैक्निक खोलेगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, वहां तो एक बहुत अच्छा वाई०एम०सी०ए० वालों का पालिटैक्निक है। परन्तु लड़कियों के लिए एक नए पौलिटैक्निक की शुरुआत की जानी है।

श्री भगवान सहाय रावतः स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने अभी फरमाया है कि फरीदाबाद में पहले से वाई० एम० सी० ए० का पौलिटैक्निक है। लेकिन वह डिप्लोमा लैवल तक का है। क्या मन्त्री महोदय उसे डिग्री इजीनिर्यीरंग कालेज में परिर्वातत करने के प्रस्ताव पर विचार करेंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, दरअसल यह इंस्टीच्यूशन प्राइवेट है लेकिन गवर्नमेंट एडिड है। यह डिप्लोमा से०पर है और डिग्री से नीचे है। इसको डिग्री तक अपग्रेड करने का कोई विचार नहीं है।

श्री उदय भानः मै मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि 2 करोड़ 56 लाख रुपए के अगेंस्ट चूँकि अभी दो लाख रुपए इसके लिए दिए गए हैं इसलिए इसको कब तक कम्पलीट कर दिया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, वहां पर काम शुरू हो गया है। बी० एंड आर० विभाग ने काम अपने हाथ में ले लिया है। यह सवाल चूँकि रावत साहब का था इसलिए मैं उनकी इन्फर्मेशन के लिए बता दूँ कि हमारी पूरी कोशिश होगी कि जुलाई, 1990 से वहां पर क्लासिज शुरू कर दी जाएं।

सेठ लछमन दास बजाजः मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वे करनाल में भी कोई टैक्तीकल कालेज खोलेंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, करनाल में खोलने की अभी कोई प्रोपोजल नहीं हैं।

श्री कैलाश चन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, नारनौल में पोलिटैक्निक की चार दीवारी वन चुकी है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या उसके लिए 1988– 89 में कुछ पैसा दिया गया है, अगर हां, तो उसे कब तक पूरा करने की योजना है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पैसे का अभाव काफी ज्यादा हैं। लेकिन जो पौलिटैक्निक निर्माणाधीन हैं उनको प्रायर्टी दे कर पूरा किया जाएगा।

श्री योगेश चन्द शर्माः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने फरीदाबाद में महिलाओं के लिए पौलिटैकनिक खोलने के बारे में बताया है। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उसकी बिल्डिग बनाने का काम कब तक शुरू कर दिया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, उसकी गवर्नमैंट औफ इंडिया से सैंक्शन मिल गई है और नैक्सट फाईनैशियल ईयर में उसको बनाने का कुछ काम शुरू करेगे।

श्री आत्मा राम गोदाराः स्पीकर साहब, कई बार देखने में आया है कि टैक्नीकल कालेजों में ऐडमिशन लेने के बारे में कुछ दिक्कतें आती हैं। हरियाणा के टैक्नीकल कालेजों में हरियाणा के लडकों की बजाय बाहर के लड़कों को ज्यादा ऐडमिशन मिलती है। क्योंकि दूसरी स्टेटस के ऐजूकेशन बोर्ड बगैरह उनको ज्यादा नम्बर देते हैं इसलिए हरियाणा के लड़के ऐडमिशन से महरूम रह जाते हैं। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इसको ठीक करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरे ख्याल में आनरेबल मैम्बर इजीनिरिंग कालेजों की ऐडमिशन के बारे में पूछना चाहते

हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जब से मौजूदा सरकार आई है तब से हमने पूरी तरह से इसका ध्यान रखा है कि जो लोग हरियाणावासी हैं और जिनके पास हरियाणा का जैनुअन डौमिसाइल सर्टिफिकेट हो उनको ही उन कालेजों में दाखिला मिले। हमने इस बारे में पीछे डी०सी० से वैरीफिकेशन करवाई थी उस दौरान दो लडके ऐसे पाए गए जिनके पास हरियाणा का जैनुअन डोमिसाइल सर्टिफिकेट नहीं था उनके खिलाफ ऐक्शन लिया गया और उनको ऐक्सपैल कर दिया गया। इंजीनियोंरग कालेजों में दाखिले की जो हमारी नई नीति है वह निर्धारित कर दी है। अब हमने नई नीति में यह रखा है कि हरियाणा के इंजीनियरिंग कालेजों में 80 परसेंट लड़के हरियाणा के एडमिशन लेंगे और वे लड़के होंगे जिन्होंने हरियाणा के स्कूलों और कालेजों में ऐजूकेशन ली होगी। इसके अलावा 20 परसेंट लड़के वे होगें जैसे हरियाणा के लोग यहां चण्डीगढ़ में नौकरी कर रहैं हैं, दिल्ली में नौकरी कर रहैं हैं या किसी और स्टेट में नौ करी कर रहैं हैं और वे हरियाण के रहने वाले हैं तथा जिनके पास हरियाणा का जैनुअन डोमिसाइल सर्टिफिकेट हैं उनके लिए 20 परसेंट रिजर्वेशन कर दी गई है।

श्री नरवीर सिंहः स्पीकर साहब, गुड़गांवा जिले में माणेसर गांव के लोग पौलिटैकनिक खोलने के लिए एक करोड़ रुपया देने के लिए तैयार हैं। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता कि क्या वहां पर पौलिटैकनिक खोला जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यदि उस गांव के लोग पौलिटैकनिक के लिए एक करोड़ रुपया देने के लिए तैयार हैं तो हमारे मुख्य मंत्री जी भी उतना ही पैसा उनको देंगे और वहां पर पौलिटैकनिक खोल दिया जाएगा।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, कर्नाटक में कई प्राइवेट इंजीनियरिंग कालेज खुले हुए हैं, जिनमें हरियाणा के बहुत लड़के जा कर दाखिला लेते हैं। मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या कर्नाटक की तरह हरियाणा प्रदेश में भी प्राइवेट इंजीनियरिंग कालेजों को एन्क्रेज करने के लिए सरकार विचार करेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह बात सही हैं कि जहां तक टैक्नीकल ऐजूकेशन का ताल्लुक है, उसमें हरियाणा बहुत पीछे है। अगर पर–कैपिटा के हिसाब से रेशो निकाली जाए तो हरियाणा प्रदेश टैक्नीकल ऐजूकेशन में बहुत पिछड़ा हुआ है। जहां तक प्राइवेट इंजीनियरिंग कालेजों को ऐन्क्रेज करने की बात है उस बारे में डाक्टर साहब को पता ही होगा कि जो लोग कर्नाटक प्रदेश के प्राइवेट इंजीनियरिंग कालेजों में दाखिला लेते हैं, उनको बड़ी भारी कैपीटिशन फीस देनी पड़ती है। वहां पर दाखिले के लिए लड़कों को दो–दो लाख रुपए फीस देनी पड़ती है। इंजीनियरिंग कालेजों की फीस दो लाख रुपए तक पहुंच गई है और मैडीकल कालेजों की तो पांच–पांच लाख रुपए फीस पहुंच चुकी है। इसलिए मैं डाक्टर साहब को बताना चाहूंगा कि हम

कर्नाटक की तरह यहां हरियाणा प्रदेश में प्राइवेट इंजीनियरिंग कालेजों को बढ़ावा नहीं देंगे। हिसार में एक इंजीनियरिंग कालेज खोलने की तजवीज की जा रही है और एक मैडीकल कालेज अग्रोहा में खोलने की तजवीज की जा रही है!

श्री मंगल सैनः क्या संसदीय कार्य मन्त्री जी बताने की कृपा करेंगे कि जिस प्रकार से हिसार में ये इंजीनियरिंग कालेज खोलने जा रहैं हैं, उसी प्रकार से रोहतक में भी कोई इंजीनियरिंग कालेज खोलने की कृपा करेंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, रोहतक तो सारे हरियाणा का सरमौर है। (विघ्न) वहाँ पर तो डाक्टर साहब, यूनिवर्सिटी कायम कर रखी है।

श्री मंगल सैनः मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि मुख्य मन्त्री जी भी रोहतक जिले से एम० एल० ए० हैं।

डा० बृज मोहनः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि पिछले दिनों कुरुक्षेत्र में होम मिनिस्टर साहब आए थे। उस समय उन्होंने बहां पर अनाउन्समेंट की थी कि यहां पर एक मैडिकल कालेज खोला जाएगा। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वहां की जरूरत को मद्दे नजर रखते हुए वहां पर सरकार मैडिकल कालेज खोलने का विचार रखती है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय सरकार ने, अग्रोहा में जो हम मैडिकल कालेज खोलना चाहते हैं, उसकी भी इजाजत नहीं दी है। हम मुख्य मंदी जी के साथ प्लानिंग कमीशन के सामने अपनी प्लान फाईनेलाईज करवाने और डिस्कस करने के लिए गए थे। उस डिस्कशन के दौरान प्लानिंग कमीशन ने हमें बताया कि आप इस प्लान की बात तो छोड़िए हम तो अगली प्लान में भी देश में कोई मैडिकल कालेज खोलने की इजाजत नहीं देंगे। अग्रोहा में हम मैडिकल कालेज खोल रहैं हैं, वह नौन प्लान से खोल रहैं हैं।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार ने पड़ौसी राज्यों में कई मैडिकल कालेज और इंजीनियरिंग कालेज खोलने की इजाजत दी हुई है। कहीं भारत सरकार इस मामले में भी तो हमारे साथ सौतेला व्यवहार नहीं कर रही? मैं कहना चाहता हूं कि अनुपातिक दृष्टि से यहां पर एक नहीं दो और मैडिकल कालेज और इंजीनियरिंग कालेज खोले जा सकते हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार पड़ौसी राज्यों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा में एक नहीं बल्कि दो और मैडिकल कालेज व इंजीनियरिंग कालेज खोलने के लिए भारत सरकार से खतो–किताबत करेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः मैं इनकी जानकारी के लिए फिर बताना चाहता हूं कि भारत सरकार जब अग्रोहा में ही हमें मैडिकल

कालेज खोलने की इजाजत नहीं दे रही तो फिर अब भारत सरकार के साथ इस मामले में कोई खतो–किताबत करना फिजूल है।

Providing seryices of lady doctor/nurse/trained dai in rural areas

***710 Shri Durga Dutt Attri :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether any population limit has been prescribed for providing the services of Lady Doctor/Nurse/Trained Dai in the rural areas in the State; and

(b) if so, the detailts thereof ?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, रस प्रश्न का जवाब मैं दे रहा हूँ क्योंकि स्वास्थ्य मल्टी महोदया बीमार हैं।

(a) (i) Lady Doctor, Staff Nurse and Multipurpose Worker (Female) — Yes

(ii) Trained Dai — No

(b) (i) One Lady Medical Offrcer and Staff Nurse for a population of 30,000.

(ii) One Multipurpose Worker (Female) earlier designated as Auxiliary Nurse Midwife for a population of

5000.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि आज के हरियाणा राज्य में ऐसे कितने गांव हैं जिन्हें अभी तक किसी भी प्रकार की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रान्त में 6500 के करीब गांव हैं। यह तो सभी माननीय सदस्यों को मालूम है कि सभी गांवों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। हैल्थ डिपार्टमैंट का जो सबसे छोटा यूनिट है, उसे सब–सैन्टर कहा जाता है, उससे बड़े यूनिट को पी० एच० सी० कहा जाता है, उससे बड़े यूनिट को सी० एच० सी० कहा जाता है और अर्बन इलाकों में जो यूनिट होते हैं उनको हम हौस्पिटल के नाम से पुकारते हैं। मैं सदस्यों की जानकारी के लिए बता देता हूं कि हरियाणा में टोटल सब–सैटर्ज 2179, पी० एच० सीज० 304 और सी० एच० सीज० 31 हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या सी० एच० सी०, पी० एच० सी० वगैरा को भी हस्पताल ही कहते हैं? लोहारू में कई साल से हस्पताल में पूरे डाक्टर नही हैं। वहां पर डाक्टरों की पांच पोस्ट्स सैक्शंड हैं लेकिन वहां पर केवल एक ही डाक्टर है। क्या सरकार डाक्टरों के इन खाली पदों को भरने का कोई प्रावधान करेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैंने गुजारिश की थी कि सब–सैन्टर्ज 2170 है, प्राईमरी हैल्थ सैंटर 304 और कम्युनिटी हैल्थ सैंटर्ज 31 है। यह बात सही है कि बहुत से अस्पतालों में, प्राईमरी हैल्थ सैंटर्ज तथा कम्युनिटी हैंल्थ सैटंर्ज में स्टाफ की बहुत कमी है। हैल्थ डिपार्टमैंट हर प्रकार से तथा एंडहौक एप्वायंटमैट्स करके भी इन पदों को भरने की कोशिश करता है। जो डाक्टर्ज सिलैक्ट हो जाते हैं मोस्टली उनमें से ज्वायन नहीं करते। यह दिक्कत बनी हुई है। इसका कारण यह है कि डाक्टरों को सरकारी तौर पर जो तनख्वाहें मिलती हैं, उनसे कहीं ज्यादा वे बाहर कमा लेते हैं।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि हमारी सरकार के आने के बाद देहात में कितने ऐसे गांव हैं जहां हम मैडिकल की सुविधा उपलब्ध करवा पाए हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अलग–अलग गांव का ब्यौरा तो इस समय मेरे पास नहीं है। इसके लिए इन्हैं अलग नोटिस देना पड़ेगा।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने लिखित उत्तर के भाग (ख) में लिखा है कि एक महिला चिकित्सा अधिकारी तथा स्टाफ नर्स 30,000 की आबादी पर लगाते

हैं। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि स्टाफ नर्स गांव में नहीं जाती हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्टाफ नर्स गांव में नहीं जाती हैं।

डा० बृज मोहनः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने जवाब में बताया है कि पी० एच० सीज० में डाक्टर्ज की पोस्ट्स खाली हैं। मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या डाक्टर्ज का पे–स्केल कम है इसलिए वे ज्वायन नहीं करते? मैं समझता हूं कि उनके स्केल सैटर से कम है और सैंट्रल स्केल के लिए आजकल पंजाब में जबरदस्त ऐजीटेशन चल रहा है। क्या हरियाणा सरकार डाक्टरों को सैटर का पे–स्केल देने के लिए कोई विचार कर रही है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः पेस्केल का जो इशू है, उसके लिए बाबू मूल चन्द जैन की अध्यक्षता में एक कमीशन कांस्टीच्यूट किया हुआ है। इस कमीशन की रिपोर्ट अभी अवेटिड है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि पिछले साल कितने सब–सैटंर्ज, पी० एच० सीज० में और कितने पी० एच० सीज०, सी० एच० सीज०, में अपग्रेड किये गये हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः जुलाना का नाम अपग्रेडेशन के लिए शामिल है।

श्री दुर्गा दत्त अत्री: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या आगामी वित्त वर्ष में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने का विशेष ध्यान रखा जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंह: बिल्कुल ध्यान रखा जाएगा। सरकार इस बात की अजहद कोशिश कर रही है कि सभी सी० एच० सीज०, पी० एच सीज० और सब–सैटंर्ज में सैंक्शंड स्टाफ मुहैया करवाया जाए। लेकिन यह दिक्कत जरूर है कि डाक्टर्ज नौकरी के लिए चुने जाने पर भी ज्वायन नहीं करते।

10.00 बजे।

कामरेड हरपाल सिंह: .....

श्री अध्यक्ष: यह रिकार्ड न किया जाये because he is not putting a question.

श्री मंगल सैन: मंत्री महोदय ने फरमाया है कि गांवों में पी० एच० सीज० और दूसरे हस्पतालों में डाक्टर्ज की कमी है। क्योंकि डाक्टर्ज की बाहर प्रेक्टिस ज्यादा है और सरकार की नौकरी में तन्खाह कम है इसलिए वे आना नहीं चाहते। मैं जानना चाहता हूं कि क्या डाक्टर्ज ने सरकार को कोई मांग पद दे रखा है कि हमारी तन्खाहैं बढ़ायी जायें और अगर उनकी तन्खाहैं नहीं बढ़ायी गई तो वे हड़ताल पर जायेंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः हरियाणा में ऐसी कोई बात नहीं है। पे–स्केल के रिविजन के बारे में उन्होंने जरूर डिमान्ड की है।

Allotment of Plots by H.U.D.A.

***793. Shri Shiv Lal :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any decision has been taken that not more than one plot for residential purposes be allotted by HUDA to a family in Urban Estates in the State; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to check the contravention of the said decision ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) :

(a) Yes. A decision has been taken by HUDA that an allottee of general category should not have more than one residential plot in the particular Urban Estate in his/her name or in the name of his/her spouse or in the name of his/her dependent family members, whereas in the case of an applicant of any of the reserved categories the applicant or his/her spouse or dependent family members should not have any plot in any of the Urban Estates in Haryana .

(b) An affidavit is taken from a general category allottee to ascertain that he/she does not have any plot/house in his/her name or in the name of his/her dependent family members in that particular Urban Estate. In the case of reserved categories like Defence Personnel, Govt. Servants, Scheduled Castes, Backward Classes etc., a similar affidavit is

taken in respect of any Urban Estate in Haryana.

श्री शिव लालः क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि यह डिसीजन कब लिया और कब से इम्पलीमेंट किया जा रहा है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः यह डिसीजन सन् 1988 का है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि जिस को प्लाट दिया जाता है उसके डिपैन्डेन्ट के पास कोई प्लाट नहीं होना चाहिए। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पीछे जिन लोगों को प्लाट अलाट किये गये, उस विषय में कोई जांच पड़ताल की है, अगर जांच पड़ताल की है तो इस प्रकार की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ क्या कोई ऐक्शन लिया हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः जब भी कोई इस प्रकार की शिकायत मिलती है तो कार्यवाही की जाती है। अगर अब भी कोई ऐसी शिकायत मिलेगी तो उस पर भी कार्यवाही की जायेगी।

श्री शिव लालः स्पीकर साहब, दो तरह से प्लाट अलौट होते हैं एक तो ड्रा आफ लाटरी से और दूसरे आक्शन से। क्या लाटरी निकालने से पहले एफिडैविट की वैरेसिटी और जैनविननैस टैस्ट की जाती है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः Affrdavit itself is a check. जो ऐफिडेविट देता है उसे मालूम है कि अगर वह गलत ऐफिडेविट

देगा तो he can be prosecuted. His plot can he cancelled or resumed. जब कोई शिकायत आती है तभी हुड्डा ऐक्ट करता है। जब शिकायत ही नहीं आयेगी तो हुड्डा कैसे ऐक्ट करेगा?

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, पिछले रिजीम के दौरान पंचकूला और फरीदाबाद में जो प्लौट अलौट किये गये थे उनके बारे में शिकायत आई थी और उनमें से सरकार ने प्लौट कैसिल भी किये थे। क्या मन्की महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उनके बारे में क्या गलत बात पाई गई थी और अगर ऐसी कोई बात थी तो उस पर सरकार ने क्या ऐक्शन लिया है?

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मेरे मित आर्य साहब डी० क्यू० के प्लौट के बारे में पूछ रहैं हैं। स्पीकर सर, सारे हाउस के मैम्बरान को पता है कि मौजूदा गवर्नमेंट ने आते ही सन 1977 से ले कर 20 जून, 1987 तक जितने भी डिस्क्रिशनरी कोटे से प्लौटस अलौट किये गये थे, उन्हैं कैंसिल कर दिया था। इस मामले को लेकर लोग हाईकोर्ट में गये। हाईकोर्ट ने एक जजमेंट दी और उस जजमेंट के खि लाफ गवर्नमेंट और बहुत सारे लोग सुप्रीम कोर्ट में गए। केस सुप्रीम कोर्ट में पैडिंग है। उम्मीद है मार्च में उसकी सुनवाई हो जायेगी।

Opening of a hranch of Land Deyelopment Bank

***778. Shri Udai Bhan :** Will the Minister of State for Cooperation be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under

consideration of the Government to open a branch of Haryana State Cooperative Land Development Bank Limited at Hodel ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid branch is likely to be opened ?

Minister of State for Cooperation (Dr. Raghuvir Singh) :

(a) There is a proposal to set up Primary Cooperative Land Development Bank at Hodel.

(b) As soon as the viability of the proposed branch is established.

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय सें यह जानना चाहता हूं कि इस पी०एल० डी०बी० के होडल में स्थापित होने में क्या कोई वित्तीय अड़चन है या और कोई दूसरी अड़चन भी है? अगर कोई अड़चन नहीं है तो यह कब तक स्थापित कर दिया जाएगा?

डा० रघुवीर सिंहः स्पीकर सर, जहां तक नया पी०एल० डी०बी० खोलने की बात है, उसके लिए तीन कंडीशन्ज हमारे सामने होती हैं। पहली लोन आउट– स्टैंडिग कितना है. दूसरी वायेबिलिटी है या नहीं है और तीसरी स्कोप फार ऐक्सपैंशन है या नहीं है। यह जो पी० एल० डी० बी० खुलेगा यह पल वल के पी० एल० डी० बी छ से अलग होगा। पलवल के बैक में जो लोन आउटस्टैडिंग है, वह 7 करोड़ के करीब है। उसमें से होडल

एरिया जो इस बैक से अलग होना है, का लोन एडवांस 1. 62 करोड़ रुपया है। बाकी कंडीशन्ज तो पूरी है लेकिन इस बैक की रिकवरी 11 प्रतिशत है। उदय भान जी इस रिकवरी को जरा बढ़ा देगें तो इसकी वायेबिलिटी हो जाएगी और यह बैंक वहीं पर खुल जाये गा।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, यह जो एक करोड़ कुछ लाख रुपया इन्होंने बताया है, यह होडल एरिया का बताया हैं। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि यह होडल सब–तहसील का बताया है या किस आधार पर यह बताया है? मेरे ख्याल में पलवल एरिया का लोन होडल एरिया से ज्यादा आउटस्टैडिंग है?

डा० रघुवीर सिंहः पलवल पी०एल०डी०बी० के अन्दर होडल का जो एरिया पड ता है और जहाँ बैंक खुलना है, उस एरिया की जो डिमारकेशन की गई है, उस में पलवल पी०एल० डी०बी० में जी सोसाइटी के मैम्बर्ज हैं, उनके अगेस्ट लोन एडवांसिंज 1.82 करोड़ रुपए के हैं।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, इस बैक के सम्बन्ध में मैं भी एक प्रश्न के रूप में इसका विश्लेषण करना चाहता हूं।

Mr Speaker : Mr. Rawat, you should put the supplementary and not explain the details.

श्री भगबान सहाय रावतः बहुत अच्छा जी, मैं प्रश्न पूछ लेता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि होडल में यह प्राईमरी लैड डिवैल्पमैंट रैंक खोलने के लिए केवल एरिया औफ औपरेशन तहसील या ब्लौक रखने की ही समस्या है या कोई और दिक्कत है?

डा० रघुवीर सिंहः एरिया यानि सब–डिवीजन या तहसील कोई औब्सटैक्ल नहीं है। मैं स्पीकर साहब, आपके माध्यम से आनरेबल मैंम्बर को यह बताना चाहता हूं कि होडल एरिया में जो यह बैंक खोलने की नई तजवीज है, उस एरिया के जो सोसाइटी के मैम्बर्ज हैं, उनके खिलाफ लोन ऐडवांसिच 1. 62 करोड़ रुपए है। इस वजह से बैक की वायेविलिटी नहीं बनती। जब यह वायेविलिटी की कंडीशन पूरी बना देंगे तो यह बैक वहाँ पर खुल जाएगा।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि होडल एरिया सें इनका क्या मतलब है? क्या? उसकी यह स्पष्ट व्याख्या करेंगे क्योंकि यह अभी तक ऐसा नहीं कर पाए हैं कि होडल एरिया से इनका क्या तात्पर्य है?

डा० रघुवीर सिंहः स्पीकर साहब, इस समय मेरे पास रिकार्ड नहीं है कि होडल एरिया के कितने गांव इस बैक में कवर होते हैं। जब होडल एरिया में बैंक खोलने की तजवीज बनाई गई है तो इसमें चारों तरफ के गांव काउन्ट किए गए हैं।

श्री सतबीर सिंह कादयानः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि गन्नौर तहसील में कोई बैंक खोलने की तजवीज हैं?

डा० रघुवीर सिंहः स्पीकर साहब, गन्नौर में भी बैक खोलने का विचार है लेकिन यह सोनीपत से अलग होना है और वहां 3.90 करोड़ का लोन दिया हुआ हैं। इसकी रिकवरी 34.4 परसैंट है। यह बैक 44 लाख लौस में है। जब यह वायेबल हो जाएगा तो खोल दिया जाएगा।

श्री मंगल सैनः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि गन्नौर में बैक न खोलने का कारण कहीं यह तो नहीं कि किसी एम०एल०ए० ने मना कर दिया हो?

डा० रधुवीर सिंहः स्पीकर साहब, ऐसी कोई बात नही है।

श्री महा सिंहः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या नारनौंद में भी कोई बैंक खोलने का विचार हैं?

डा० रघुवीर सिंहः स्पीकर साहब, नारनौंद बैक हांसी से अलग होना है। इसकी नेबाड और रजिस्ट्रार से भी ऐप्रूवल मिल चुकी है। इसमें 4. 64 करोड़ रुपए का लोन एडवान्स हैं। ऐक्यूम्लेटिव लौसिज 55 लाख के हैं। जब यह रिकवरी हो जाएगी तो यह बैक भी खोल दिया जाएगा।

श्री सतवीर सिंह कादयानः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि गन्नौर में बैक के खोलने में देरी के क्या कारण हैं?

डा० रघुवीर सिंहः स्पीकर साहब, गन्नौर में बैंक खोलने में देरी का कारण यह है कि रिकवरी कम हैं यानी सोनीपत बैंक की रिकवरी 34 परसैन्ट है।

श्री वेद सिंह मलिकः स्पीकर साहब, पिछले सैशन के दौरान यह कहा गया था कि गन्नौर में बैक जल्दी खोल दिया जाएगा लेकिन इस बार मन्त्री महोदय का जवाब उलट है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इसका क्या कारण है?

डा० रघुवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने महान साथी को बताना चाहता हूं कि मैं यह समझता था कि गन्नौर के लोग चुस्त हैं और मलिक साहब रिकवरी में मदद करेंगे। लेकिन इसके बावजूद रिकवरी 34 परसैन्ट रही है। सोनीपत के बैक में 44 लाख का लौस है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, कोआप्रेटिव के लौन्ज को सरकार ने माफ करना था। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वे इसको माफ ही क्यों नही कर देते?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नहीं है।

डा० रघुवीर सिंहः स्पीकर साहब, जब दिल्ली की सरकार हमारी होगी सो माफ कर देंगे।

I.T.I. Building in Tohana Mandi

***713. Comrade Harpal Singh :** Will the Minister for Industrial Training be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a building for I.T.I. in Tohana Mandi Township ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid building is likely to be constructed ?

औद्योगिक प्रशिक्षण मन्त्री (राव लक्ष्मी नारायण):

(क) जी हां, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, टोहाना मण्डी नगर क्षेत्र के लिए भवन बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

(ख) यह भवन वर्ष 1992 तक तैयार हो जाने की सम्भावना है।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सब से पहले तो मैं मन्त्री महोदय का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। दूसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इसके लिए जमीन ऐक्वायर कर ली गई है?

राय लक्ष्मी नारायणः जरूर कर ली गई है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मेरे काबिल मन्त्री महोदय ने बड़ी जल्दी ही आश्वासन दे दिया कि 1992 तक बिल्डिंग बनकर तैयार हो जाएगी। मैं उनसे यह जानना चाहता हूं कि जिला गुड़गांव में, गांव मोजाबाद, तहसील पटौदी में पिछले साल पंचायत वालों ने सरकार को जो जमीन वगैरह दे दी थी, क्या वहां पर कोई बिल्डिग बनाने का सरकार का विचार है?

राव लक्ष्मी नारायणः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मन्त्री महोदय ने अपने जवाव में बताया कि टोहाना के अन्दर 1992 तक भवन तैयार हो जाने की संभावना है। क्या वे बताने का कष्ट करेंगे कि वह बिल्डिंग बननी कब शुरू हुई है?

राव लक्ष्मी नारायणः अध्यक्ष महोदय, अभी मामला विचाराधीन है।

श्री कैलाश चन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, इन्हीं के इलाके में, एक गांव सुरजापुर है। क्या मन्त्री जी बताएंगे कि वहां पर बिल्डिग बनाने का काम कब तक आरम्भ हो जाएगा क्योंकि वहां की पंचायत ने आई० टी० आई० बनाने के लिए जमीन भी दे रखी है?

राव लक्ष्मी नारायणः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

New General Hospital, Sonipat

"**752. Shri Devi Dass :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the number of houses, if any, constructed for residential purposes for doctors and other employees of the New General Hospital, Son ipat togetherwith the details of the allotment of the houses to the employees, separately ;

(b) the number of Beds provided for patients in the said Hospital ;

(c) the names of new machines, if any, provided in the said Hospital ; and

(d) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open a dispensary in the building of old Hospital ?

Irrigation & Power Minister (Shri Verender Singh) :

(a) 25 (3 for doctors, 10 for Class-III and 12 for Class-IV Employees). List of quarter allotment is enclosed.

(b) 100 beds.

(c) Sucron machine, intermittent traction table, wax bath, diathermy machine, shadowless lights, Hydraulic Operation tables.

(d) No.

ANNEXURE—A

List showing the names of the medical and paramedical staff to whom the residences have been allotted in the premises of new General Hospital, Sonipat .

1. Dr. S. K . Puri, Medical Superintendent.
2. Dr. R.N. Talhan, —do-
3. Dr. R.R. Mittal, I/C Gyane.
4. Smt. Nirmal Devi, Matron.
5. Smt. Rajwant Bhuller, Nursing Sister.
6. Smt. Asha Lamba, Nursing Sister
7. Smt. Sumitra Devi, Staff Nurse.
8. Sh. Jagdish Dua, Pharmacist-cum-Store Keeper.
9. Sh . Om Parkash. Pharmacist.
10. Sh. S. N. Sharma, Radiographer.
11. Sh. T.R. Sharma, Laboratory Technician.
12. Sh. Birbhan, Operation Theatre Asstt .
13. Sh. Som Nath, Plumber.
14. Sh. Prem Sweeper.
15. Sh. Anand Singh, Sweeper.
16. Smt. Khajani, Sweeper.
17. Smt. Bal Kishan Kalyani, Class-IV employee.

18. Smt. Kamla Devi, —do-

19. Sh. Mahabir Singh, —do-

20. Smt. Kartari Devi, —do-

21. Sh. Ram Dhan, —do-

22. Sh. Roop Chand —do-

23. Sh. Rajinder Singh, Driver.

24. Two houses not yet allotted.

25. Two houses not yet allotted.

श्री देवीदासः स्पीकर साहब, अभी मन्त्री महोदय ने अपने जवाव में बताया कि डाक्टरों के लिये तीन, क्लास थ्री एम्पलाईज के लिये 10 और क्लास फोर एम्पलाईज के लिये 12 क्वार्टर्ज बनाये गये हैं। क्या वे बताने की कृपा करेगे हस्पताल के अन्दर कोई ऐसे भी क्वाटर्ज हैं जोकि हैल्थ विभाग वालों ने बनाये हों और उन पर पब्लिक हैल्थ नालों ने कबजा कर रखा हो?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट वालों ने 6 कवार्टर्ज पर कब्जा किया हुआ है और हैल्थ डिपार्टमैन्ट वाले मिनिस्टर लैवल पर वह मैटर टेक अप कर रहैं हैं।

श्री देवीदासः अध्यक्ष महोदय, सोनीपत के अन्दर एक 100 बिस्तरों वाला हस्पताल है जिसका उद्घाटन हमारे माननीय मुख्य मन्त्री महोदय ने 26 जनवरी को किया था जिसके लिये

जिला सोनीपत उनका आभारी है। मुख्य मन्त्री महोदय ने सारे हस्पताल में एक–एक कमरे को देखा और वहां पर एक फर्श खराब था जिसके बारे में चौधरी साहब ने कहा कि वहां पर चूंकि पत्थर खराब लगा हुआ है इसलिए वह ठीक होना चाहिये। वह काम हो गया है। उसके लिये भी हम उनके आभारी हैं। मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि उस 100 बिस्तर के हस्पताल में जितने डाक्टर्ज व कर्मचारियों की आवश्यकता है, क्या वे लगा दिये गये हैं कि नहीं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो इस समय स्टाफ लगा हुआ है वह सैक्शन्ड स्ट्रेन्थ से तो कम है लेकिन इसको पूरा करने की हम कोशिश करेंगे।

श्री मोहम्मद असलम खांः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि छछरौली प्राईमरी हैल्थ सैन्टर को डि–ग्रेड कर दिया गया हैं?

श्री वींरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, हरियाणा के अन्दर डि–ग्रेड कोई नहीं किया जाता, अप–ग्रेड किये जाते हैं।

श्री देवी दासः अध्यक्ष महोदय, सोनीपत शहर के अन्दर पहले एक हस्पताल था और अब वहां नया अस्पताल बना दिया गया है। क्या पहले, वाली जगह पर जो शहर के अन्दर है, कोई डिसपैन्सरी खोलने का सरकार का विचार है, ताकि लोगों को और सहूलियत मिल सके?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो यह हैल्थ डिपार्टमैन्ट के नौमर्ज में नहीं आता। लेकिन चूंकि श्री देवी दास जी हमारे बढ़िया एम० एल० ए० हैं इसलिये हैल्थ विभाग उनकी इस मांग पर गौर करेगा कि वहां पर डिस्पैन्सरी खोल दी जाए।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, छछरौली में सिविल हस्पताल था उसके बारे में पता चला है कि उसे डाउन ग्रेड करके डिस्पैंसरी बना दिया गया है। वहां पर तहसील हैडक्वार्टर है और सब–डिविजन हैडक्यार्टर बनने जा रहा है। क्या उस हस्पताल के स्टेट्स को मेनटेन किया जाएगा और उसकी बिल्डिग को ठीक किया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस समय मैं यह तो नहीं कह सकता कि उसको डिस्पैसरी बना दिया गया है। लेकिन जैसा मैंने पहले कहा कि हम डि–ग्रेड नहीं करते अपग्रेड करते हैं फिर भी मैं ऐग्जामिन करके माननीय सदस्य को चौम्बर में इस बारे में बता दूंगा।

Cases of subsidy on Sprinkler sets

***789 @ Shri Vasu Dev Sharma and Shri Hira Nand Arya :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any cases of misappropriation of subsidy on sprinkler sets as a result of raid conducted by the Anti Corruption Board/Chief Minister's Flying Squad in Mohindergarh and Dadri Sub-divisions have come to the notice of the Government during the years 1985-86, 1986-87 and

1987-88; if so, the year-wise number of such cases togetherwith the amount involved in each case, separately;

(b) whether any officers/officials have been found involved in the said cases; if so, the details thereof togetherwith the the action taken against them; and

(c) whether any cases of misappropriation of subsidy on sprinkler sets in other sub-divisions have also come to the notice of the Government; if so, the details thereof togetherwith the action taken thereon ?

Irrigation & Power Minister (Shri Verender Singh) : The requisite information is laid on the Table of the House.

Information Relating to cases of subsidy on sprinkler sets

(a) No raids were conducted by the Anti-Corruption Board/Chief Minister's Flying Squad during the years 1985-86 and 1986-87. 73 cases of misappropriation of subsidy on sprinkler sets have come to the notice of the Government during the year 1987-88 involving a total amount of Rs.2,19,000/- i.e. Rs. 3000/- per case.

(b) 39 officers/officials, 34 belonging to the Agriculture Department and 5 of the Banks, have been found involved in the said cases. 2 criminal cases i.e., F,I. R. No. 100 dated 8-5-88 U/S 420/120-B/409/468/471 IPC P.S. Mohindergarh and F.I.R . No. 1 72 dated 6-6-88 U/S 409/406/420/120B/468/471 IPC P.S. Dadri have been registered against them. As a result of registeration of these criminal cases 9 officials of the Agriculture Department have

been placed under suspension and the services of 2 Agriculture Development Officers have been dispensed with.

(c) 88 cases pertaining to the sub-divisions other than Dadri and Mohindergarh have been found in the year 1987-88. In 43 cases the amount of subsidy totalling Rs. 1,29,000/-has since been recovered from the defaulting firms and deposited into the Government treasury. Efforts are being made to recover the subsidy in the remaining cases also.

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने जो जवाब सदन के पटल पर रखा है उसके अनुसार 1987–88 में जांच पड़ताल करके 2 लाख 19 हजार रुपए की गबन की गई राशि के 73 केस रजिस्टर किए हैं। वास्तव में सरकार ने यह सराहनीय कार्य किया है लेकिन मैंने जो प्रश्न पूछा था यह 1985–86, 1986–87, और 1987–88 तीन साल का पूछा था। इन्होंने केवल 1987–88 की रिपोर्ट दी है। क्या मन्त्री जी बतायेगे कि उससे पहले सालों की जांच पड़ताल इन्होंने क्यों नहीं की? इनको चाहिए तो यह था कि पिछले दस सालों की जांच पड़ताल करते ताकि और भी घोटाले पकडे जा सकते।

Shri Verender Singh : Part (a) of the question asked by the Hon'ble Member is as under :-

"Whether any cases of misappropriation of subsidy on sprinkler sets as a result of raid conducted by the Anti Corruption Board/Chief Minister's Flaying Squad in Mohindergarh and Dadri Sub-divisions have come to the notice of the Government during the years 1985-86, 1986-87 and

1987-88: if so, the Yearwise number of such cases togetherwith the amount involved in each case, separately;"

अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने सवाल पूछा है कि क्या कोई मिसऐप्रोप्रिएशन गवर्नमैंट द्वारा रेड करने की वजह से नजर आया है? स्पीकर साहब, 1985–86 और 1988–87 में कोई रेड नहीं हुआ लेकिन 1987–88 में मौजूदा गवर्नमैंट आने के बाद रेड हुआ और उसमें मिस एप्रोप्रिएशन पकडी गई।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, अगर पिछले सालों की इनवैस्टीगेशन की आए तो और भी बहुत घोटाले मिलेंगे। पिछले रिजीम में 15 हजार रुपए की सबसिडी मिलती थी उसमें ज्यादा घोटाले हो सकते हैं। क्या मन्त्री जी बताएंगे कि उनकी जांच करने में क्या दिक्कत है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जांच करने में कोई दिक्कत नही है। आर्य साहब सरकार को अगर कोई शिकायत करेंगे तो हम ऐग्जामिन करवा लेंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने कहा है कि कोई दिक्कत नही है। मैंने इस बारे में लिखित में शिकायत की है और चिटठी भी भेजी है। आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने कृपा करके उसकी जांच पड़ताल के आदेश दिए जिसके लिए–सारा प्रदेश उनका आभारी है। मैंने यह भी लिखा था कि पिछले दस साल की जांच पड़ताल करें। मन्त्री जी बतायेगे कि क्या इनको कोई शिकायत नहीं मिली ?''

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब? जब से ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट बना है अगर तब तक की जाँच करवाएं तो यह मुश्किल है। अगर कोई 10– 15 साल पहले की शिकायत करे, उसकी जांच के लिए बहुत समय लग जाएगा। माननीय सदस्य कोई कन्क्रीट बात बताएं, उसकी जांच की जाएगी।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, 1985– 86 में महैंन्द्रगढ़, नारनौल ओर दादरी में 200 केसिज ऐसे हैं जिनमें गड़बड़ी हुई है और यह बात ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट के नोटिस में भी आई है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उनमें कितने डीलर्ज इन्वौल्वड पाए गए और उनके खिलाफ क्या ऐक्शन लिया गया?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य श्री हीरा नन्द आर्य ने 1985– 86 में 200 केसिज इन्वौल्वड बताए हैं। आर्य साहब इस बारे मे तीन लाईन लिख कर दे दें हम उसकी इन्क्वायरी करवा लेंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होंने जो 1987–88 के 73 केस बताएं हैं इनमें कितने डीलर्ज इन्बौल्वड पाए गए और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई तथा मैंने जो 200 केसिज बताएं हैं उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की जाएगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, रिप्लाई के पार्ट बी में सारी बात लिखी है जो इस प्रकार है –

"39 officers/officials, 34 belonging to the Agriculture Department and 5 of the Banks, have been found involved in the said cases. 2 criminal cases, i. e. F.I.R. No. 100 dated 8-5-88 U/S 420/120 B/409/ 468/471 IPC P. S. Mohindergarh and F.I.R No. 172 dated 6-6-88 U/S 409/406/420/120B/468/471 IPC P. S. Dadri have been registered against them. As a result of registeration of these criminal cases 9 officials of the Agriculture Department haye been placed under suspension and the services of 2 Agriculture Development Officers have been dispensed with."

श्री कैलाश चन्द शर्माः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या नारनौल के किसी डीलर के खिलाफ कोई केस दर्ज हुआ है?

श्री वीरेन्द्र सिंहःस्पीकर साहब, जो एफ० आई० आर० दर्ज हुई है वह 73 आदमियों के खिलाफ दर्ज हुई हैं जिनमें 34 गवर्नमैंट सर्वेट्स हैं, 5 बैक ऐम्पलाइज हैं और बाकी दूसरे लोग हैं।

Bus Stand at Ratia

***803 Shri Atma Singh Gill :** Will the Minister of State for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bus stand at Ratia; if so, the time by which the said bus stand is likely to be constructed ?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री धर्मवीर सिंह): हां यदि फण्डज उपलब्ध हुए तो इबका निर्माण कार्य अगले विल वर्ष के दौरान हाथ में लिया जाएगा।

Mr. Speaker : Question hour is over.

श्री कैलाश चन्द शर्मा: स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटैन्शन मोशन था, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्ष: आप बैठिये। आपका काल अटैन्शन मोशन अन्डर कन्सिड्रेशन है।

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

श्री अध्यक्ष: अब मन्त्री महोदय सदन की मेज पर कागज पत रखेंगे।

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) :.Sir, I beg to lay on the Table-

1 . The Administration Report of the Haryana State Electricity Board, for the year 1986-87, as required under section 75(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

2. The 20th Annual Statement of accounts of the Haryana State Electricity Board for the year 1986-87, as required under section 69(5)(a) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

3. The Annual Financial Statement of the Haryana State Electricity Board for the year 1988-89 and

revised Estimates for the year 1987-88, as required under section 61(3) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

4. The Statement showing the loan raised by the Haryana State Electricity Board upto 15-1-1989, as required under section 66 of the Electricity (Supply) Act, 1948.

बिल (इंट्रोड्यूस्ड सदन की अनुमति से) – दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किटस (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1989

श्री अध्यक्ष: अब ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1989 को इन्ट्रोडयूस करने के लिए हाउस से परमिशन लेंगे।

Agriculture Minister (Shri Tayyab Hussain) : Sir, I **beg to move**—

That leave be granted to introduce the Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Amendment) Bill, 1989.

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोडयूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1989 को इंट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न हैं कि–

दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोडयूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1989 को इंट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब, बिल इन्ट्रोडयूज करेंगे।

Agriculture Mintster (Shri Tayyab Hussain) : Sir, I introduce the Bill.

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव–

समितियों के गठन सम्बन्धी नियमों का निलम्बन

श्री अध्यक्षः अब पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर रूल 121 के तहत प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : Sir, I beg to move—

That the provisions of Rules 228, 230, 230B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Public Accounts ;

(ii) Committee on Estimates ;

(iii) Committee on Public Undertakings ; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1989-90 be suspended.

Sir, I also move—

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha , to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1989-90, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

That the provisions of Rules 228, 230, 230B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Public Accounts ;

(ii) Committee on Estimates ;

(iii) Committee on Public Undertakings ; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1989-90 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1989-90, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

श्री अध्यक्ष: प्रश्न है—

That the provisions of Rules 228, 230, 230B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to

the constitution of the-

(i) Committee on Public Accounts ;

(ii) Committee on Estimates ;

(iii) Committee on Public Undertakings ; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes,

for the year 1989-90 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1989-90, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः अब गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्कशन रिज्यूम की जाएगी। Shri Raghu Yadav was on his legs yesterday. He may nesume his speech. Mr. Yadav you have already taken 15 minutes. I will not give you more than 2 minutes now.

श्री रघु यादव (रिवाडी): अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मन्त्री जी भ्रष्टाचार से लड़ रहैं हैं। उन्होंने संकल्प किया है कि भ्रष्टाचार बन्द हो। उनके नारे को कार्यान्वित करने के लिए जो कुछ भी हमसे सम्भव होगा एक सिपाही की हैसियत से हम अवश्य करेंने। अध्यक्ष महोदय, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चल रही है।

फिर भी जैसे तालाब के अन्दर एक मछली गन्दी होती है वैसे ही यहां ऐसी एक जगह है जहां भ्रष्टाचार अभी भी व्याप्त है। अध्यक्ष महोदय, कल मैं सहकारिता विभाग की चर्चा कर रहा था। सहकारिता विभाग ने कैलेण्डर बांटे जिनमें आदरणीय मुख्य मन्त्री महोदय की बड़ी सुन्दर फोटो भी छपी है। वह कैलेण्डर हरियाणा स्टेट कोआप्रेटिव डिवैल्पमैंट फैडरेशन की तरफ से दिये गये हैं। इस फैडरेशन की एक प्रैस है जहां पर दो औफ सैट मशीनें लगी हुई है लेकिन जो काम वहां का होता है वह करनाल की एक पार्टी से 5 प्रतिशत कमीशन ले कर करवाया जाता है। हमारे एक उच्चाधिकारी ने 8 आदमी अपने गांव दूबलधन के लगवाए। उन 8 आदमियों को लगाने के लिए जिन 8 आदमियों को हटाया गया वे कोर्ट में चले गए और कोर्ट से स्टे हो गया। कोर्ट के स्टे के कारण उन आठ आदमियों को वापिस लेना पड़ा। जिस तरह से कौन्फैड में ओवर स्टाफिंग हो गई है इसी तरह से कोआप्रेटिव फैडरेशन के अन्दर हुआ। यही स्थिति लैण्ड डिवैल्पमैंट बैंक की है और कोआप्रेटिव बैक में भी इसी तरह की स्थिति है। 6 जनवरी, 1989 को 45 आदमियों की एक सूची तैयार की गई।

श्री अध्यक्षः यादव साहब, आप गवर्नर ऐडैरस से बहुत दूर जा रहैं हैं।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार के संकल्प के अनुसार ही बोल रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि 45 आदमियों की एक सूची तैयार की गई जो कि एक हल्के विशेष के

लोगों की थी। उन आदमियों को लगाने की एक कोशिश की गई लेकिन हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने उस कोशिश को नाकामयाब कर दिया। इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने हमेशा पिछड़े हुए, दलित गरीबों के लिए लड़ाई लड़ी है। मुख्य मंत्री जी सभी क्षेत्रों को न्याय मिले इसके लिए लड़ते रहैं हैं। किसी भी महकमे में, किसी भी क्षेत्र में, किसी की उपेक्षा की जाए, किसी भी महकमें में महैंन्द्रगढ़ और गुड़गांव जिलों की उपेक्षा की जाए, तथा किसी भी महकमे में हरियाणा के पिछड़ लोगों हरिजनों और ऐक्स सर्विसमैन की उपेक्षा की जाए इसको न तो मुख्य मंत्री जी पसन्द करेंगे और न यह सरकार पसन्द करेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं यह मानता हूं कि डस समय हरियाणा में जो सरकार है वह देश में आदर्श सरकार है। इस सरकार के संकल्पों को कार्यान्वित करने के लिए हमें ठोस उपाय करने चाहिएं। अगर कहीं कोई कमी है, कुछ ठीक नहीं है, हमें इससे परहैंज नहीं करना चाहिए, उससे बचना नही चाहिए बल्कि उसका सामना करके उसको दुरुस्त करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, जो कुछ मैंने कल कौन्फैड के बारे में कहा था और जो कुछ हैफ्ड के बारे में कह रहा था –

Mr. Speaker: There should be no repetition. Please take your seat now.

नेमिंग आफ मैम्बर

Shri Raghu Yaday : *******

Mr. Speaker : Whatever is being said without permission will not be recorded.

Shri Raghu Yaday: **********

Mr. Speaker : This is not the way. I will not permit you to speak like this.

(Shri Raghu Yadav did not resume his seat but continued speaking without permission.)

Mr. Speaker : Mr. Yadav, your conduct is grossly disorderly. If you do not resume your seat, I will have to name you.

(Shri Raghu Yadav did not resume his seat but continued speaking.)

Mr. Speaker : I name Shri Raghu Yaday. He may please wish-draw from the House.

(Shri Raghu Yadav did not withdraw from the House.)

Mr. Speaker : Take him out of the House.

(At this stage the Sergeant-at-Arms went to the seat of Shri Raghu Yadav, who then escorted by the Sergeant-at-Arms withdrew from the House.)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

सहकारिता राज्य मन्त्री (डा० रघुबीर सिंह): अध्यक्ष महोदय, 21 तारीख के गवर्नर ऐडैरस पर डिस्कशन में कल हमारे

एक माननीय सदस्य साथी श्री रघु यादव जी ने भी पार्टिसिपेट किया। उसमें उन्होंने जिस कदर बेबुनियाद और बेहूदा किस्म के ऐलिगेशन्ज और फाल्स चार्जिज एक विशेष महकमें के उपर लगाए हैं किसी खास मन्शा को ले कर, एक कठपुतली के नाते, वे मैं समझता हूं किसी सच्चाई, किसी फैक्ट पर आधारित नहीं थे।

हमारे साथी ने सब से पहले कौन्फेड की अप्वायंटमैंट्स के बारे में जिक्र किया। स्पीकर सर, मैं इस महान सदन की जानकारी के लिए आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि जब हरियाणा में चौधरी देवी लाल की रहनुमायी में यह सरकार बनी और यह महकमा मेरे पास आया तो जिस कदर सहकारिता विभाग की संस्थाओं में भ्रष्टाचार व्याप्त था, घोटाला चल रहा था, घाटा चल रहा था उस सब के बारे में तो मैं नहीं कहना चाहूंगा लेकिन जहां तक कौन्फेड का सवाल है, जब कौन्फेड को यानि सारी संस्था की वर्किंग को रिव्यू किया गया, स्ट्रीमलाईन किया गया तो उसमें हमारा पहला कदम था रेड करना। हमारी जो पांच सौ के करीब रिटेल आउटलैट्स हैं उन पर रेड की गई। उस संमय 46 आदमियों को सस्पैन्ड किया गया। उसके बाद भी करप्शन के केसिज को डिटैक्ट किया गया और उन स्टैप्स के तहत भी 75 लोगों को सस्पैडं किया गया और 36 लोगों को टर्मिनेट किया गया। बाकी के खिलाफ कार्यवाही चल रही है। मैं इस महान सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 23 साल के कैरियर में, यानि इस संस्था को चलते हुए 23 साल हो गए हैं, दूसरी बार इस

संस्था में यानि कौन्फैड में 27 लाख का प्रौफिट हुआ। इन अच्छे रिजल्ट्स को देखते हुए और एम० एल० एज० साहैंबान की भी मांग थी जलसे जलूसों में भी मांग आती थी कि हमारे गांव में कौन्फैड की शौप्स खोली जाए क्योंकि ये चार चीजें इन्श्योर करती हैं, क्वांटिटी, क्वालिटी, ठीक रेट्स और रैगुलर सप्लाई में दुकानें खोली गई। इन सभी बातों को मद्देनजर रखते हुए कि उपभोक्ता को ठीक चीजें ठीक दामों पर मिलें, एक स्कीम तैयार की गई। उस स्कीम के तहत यह फैसला किया गया था कि दो हजार की पापुलेशन के गांवों में कौन्फेड की एक दुकान खोली जाए। जब यह स्कीम मुख्य मंत्री जी से डिस्कस की गई तो उन्होंने तीन आदमियों की एक कमेटी बनायी। उस कमेटी ने फेवरेबल रिजल्टस देखते हुए 250 रिटेल आउटलैट्स और खोल दिए। इस अन्डरस्टैडिंग के साथ ऐन्टीस्पेशन में कुछ लड़के कौन्फेड में लगा दिए। यह लड़के, माननीय अध्यक्ष महोदय, मै आपको बताऊं, ऐसे थे कि इनमें से ज्यादातर पार्ट–टाईम की तरह फिक्सड तनख्वाह पर लगे हुए थे ताकि 3–5 महीने में काम सीख जाएं और केवल 250 से 1000 रुपये का वेतन उनको मिलता था। ये लड़के वह स्कीम पास होने पर एकदम से गांवों में अपना काम करना शुरू कर देंगे और इससे मइकमें का और सरकार का नाम०चा हो जाएगा। इस बात को लेकर ये लगाए गए थे। इन दी मीन टाईम कोर्ट की एक रूलिंग आ गयी। उसमें यह था कि 240 दिन से०पर के लड़कों को महकमा या सरकार नहीं निकाल सकती। इस कमेटी का डिसीजन पैंडिंग था। इस दौरान यह रूलिंग आनरेबल हाई

कोर्ट की आ गई। उस फैसले को आधार मानते हुए हमें इन बच्चों को हटाना पड़ा है। मैं इस बात के साथ ही इस माननीय सदन को यह आश्वासन भी देना चाहता हूं कि इस कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद हम नयी दुकानें खोलना शुरू कर देंगे और जौब एनालीसिज के आधार पर इन लड़कों को वापिस नौकरी में ले लिया जाएगा।

श्री मंगल सैनः यह जो 617 लड़के आपने हटाए हैं, क्या इन्हीं को।

डा० रघुबीर सिंहः जी हां। दूसरी बात परचेजिंग की यहां पर उठायी गयी। परचेजिंग के बारे में माननीय सदस्य ने कहा कि कुछ गलत परचेजिंग हुई है। जब हमारे नोटिस में यह बात आयी तो हमने माननीय सदस्य की उस बात को गम्भीरता से लिया। माननीय सदस्य ने कम्बल और पाउडर की परचेजिंग की 4–5 लाख रुपये की बात की थी लेकिन हमने उस 4–5 लाख रुपये के कम्बल और पाउडर की परचेजिंग के ही नहीं बल्कि 1986–87 के दौरान हुई 60 करोड़ की परचेजिंग की इन्कवायरी के आर्डर दे दिए हैं। स्पीकर साहब, तीसरी मेरे भाई श्री रघु यादव ने हैफेड की बात कही। उन्होंने यह कहा कि हैफेड ने 30 हजार टन गेहूं रेन अफैक्टिड खरीदा था और उस रेन अफैक्टिड गेहूं के नाम पर 65 हजार टन गेहूं बेच दिया गया और डिपार्टमैंट को या सरकार को 1.84 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इस बारे में मैं आपको बताऊं कि पिछले साल किसान की गेहूं भीग गई थी

और जब किसान अपना गेहूं मंडी में लेकर गया तो कोई ऐजैंसी एफ० सी० आई० या कोई भी दूसरी एजैंसी, जो प्रोक्योरमेंट का काम करती हैं, उसको खरीदने के लिए आगे नहीं आयी। जब किसान का गेहूं पिटता हुआ नजर आया, उसकी कीमत सौ रुपये से भी नीचे चली गयी तो हमारी सरकार ने यह फैसला किया कि किसान के इस भीगे हुए गेहूं को, रेन अफैक्टिड गेहूं को, 166 रुपये के स्पोर्ट प्राईस के मुकाबले में 162 रुपये के भाव पर खरीदा जाए। हैफेड इस गेहूं को खरीदने के लिए मार्कीट में आई। मैं आपको बताऊं कि 30 हजार टन गेहूं ही नहीं बल्कि 68,888 मिलियन टन रेन अफैक्टिड व्हीट 162 रुपये के भाव पर खरीदा गया। मेरे माननीय सदस्य पता नहीं कहां से रौंग इंफर्मेशन लेकर आये हैं। इस महान सदन को स्पीकर सर, उन्होंने गुमराह किया है और बेसलैस चार्जिज और बेसलैस ऐलीगेशन्व लगाये हैं। एक बात को लेकर, व्यक्तिगत दुश्मनी को लेकर और सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए उन्होंने यह काम किया है। यह बड़ा ही शोचनीय और खेदपूर्ण है। इसके साथ ही साथ मैं आपको बताऊं कि इस 68 हजार टन गेहूं में से 3 हजार टन गेहूं एफ० सी० आई० को दिया गया और 65 हजार टन गेहूं, जिसकी बात मेरे माननीय सदस्य कर रहैं थे, की कीमत सरकार ने 206 रुपए के हिसाब से लगाई थी। इसके लिए वाइड पब्लिसिटी की गई। मैं हैफेड संस्था के औफिसर्ज को मुबारिकवाद देना चाहता हूं कि वह गेहूं 206 रुपए के बजाय 211 रुपए क्विंटल के हिसाब से निकाली और उसमें महकमें को तकरीबन 72 लाख रुपए का मुनाफा हुआ।

इन कदमों पर चलते हुए हैफेड आज हिन्दुस्तान में इस तरह की संस्थाओं में नम्बर एक पर है। मैं इस महान सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि इस संस्था ने 3.21 करोड़ रुपए का रिकार्ड तोड़ मुनाफा कमाया है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इस महान सदन की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहूंगा कि जब हमारे महान नेता संघर्ष कर रहैं थे तो गरीब लोगों की दीन दशा और बुरी हालत देखकर उस महान पुरुष ने कर्जा माफी का नारा दिया था और उस बात को लेकर सहकारिता विभाग के तकरीबन दस हजार तक के कर्जे माफ किए। इसका फायदा सादे सात लाख लोगों को मिला है और सारे हरियाणा से एक भी शिकायत मिस यूटीलाइनेशन की नहीं आई। हमने इस स्कीम को डस तरह से लागू किया कि उसमें मिसयूटीलाइजेशन की कोई गुंजाइश नहीं रही।

स्पीकर साहब, इस डिपार्टमैंट की जो सेलिएन्ट उपलब्धियां हैं वह मैं बताना चाहता हूं। 1986–87 के अन्दर कोआप्रेटिव बैक्स में जब से हरियाणा बना, यानि तेईस साल का जो डिपोजिट था वह 185 करोड़ रुपए था लेकिन यह वर्ष 1987–88 में बढ़ कर 276 करोड़ रुपए हो गया। इस तरह से एक साल में पचास परसैट की बढ़ौतरी हुई है। ऐसा स्ट्रीमलाईनिंग के कारण हुआ एं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि लोगों को जितना कर्जा पहले दिया जाता था

उससे तीन गुणा कर्जा हमारी सरकार आने के बाद लोगों को अलग–अलग काम के लिए दिया गया है।

स्पीकर साहब, जहां तक कर्जा वसूली का ताल्लुक है मैं आपके माध्यम से हरियाणा की जनता को मुबारिकबाद देता हूं क्योंकि पहले जो रिकवरी 51 परसैट थी और तकरीबन सारे बैंक्स घाटे में चल रहैं थे वह इस सरकार के आने के बाद 74.5 परसैंट हो गई। यह सारे हिन्दुस्तान में रिकार्ड तोड़ रिकवरी है और रिकवरी का हाइएस्ट रिकार्ड है। स्पीकर साहब, जहां तक हमारी शूगर मिल्ज का ताल्लुक है अगर मैं शूगर मिल्ज की क्या कंडीशन थी और उनकी क्या हालत थी यह बताऊं तो बहुत समय लग जाएगा। मैं केवल इतना ही अर्ज करूंगा कि सूखे के वावजूद किसान का गन्ना 32 रुपए क्विंटल के हिसाब से खरीदा गया। यह कीमत माननीय मुख्य मन्त्री जी ने दी जोकि हिन्दुस्तान में सब से ज्यादा थी। शूगर मिल्ज को स्ट्रीमलाईन किया ओर सही गाइड लाईन दी। इसी का परिणाम है कि हमारी यूटीलाइजेशन कैपेसिटी सौ से बढ़ कर एक सौ तीन ओर एक सौ चार के करीब हो गई है और पूरे साल का शूगर मिल्ज का फायदा 3.50 लाख के करीब था।

स्पीकर साहब, मैं यह भी अर्ज करना चाहता हूं कि इस साल हमारे सदन के महान् नेता, चौधरी देवी लाल जी ने शूगर केन की प्राईस सारे हिन्दुस्तान से बढ़ाकर 35 रुपये पर–क्विंटल के हिसाब से किसानों को दी है (तालियां) और दूसरी तरफ केन्द्र

सरकार ने हमारे०पर एक बहुत भारी चोट मारी है कि जो लैवी की शूगर थी उसकी प्राईस दूसरे प्रांतों के मुकाबले में बहुत कम दी है। हमें उसका भाव मिला है केवल 4.29 पैसे पर–किलो और दूसरे प्रांतों को 4.65 पैसे पर–किलो, यानि 36 पैसे पर–किलो के हिसाब से हमें यसका रेट कम दिया गया है (शेम शेन) स्पीकर सर, इस बार हमारे यहां 20 लाख क्विंटल चीनी पैदा हुई है और 7.20 करोड़ रुपये की मार केन्द्र सरकार ने हरियाणा को मारी है।

स्पीकर सर, मैं यहां एक बात ऐड करना चाहता हूं कि हमारी डेरी फैडरेशन पिछले 23 सालों से क्म्यूलेटिव लौस में चल रही थी जिस कारण से इमें 26 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था और अब जिस ढंग से हमने दूध की प्रोक्यौरमैंट को दुगना करने का काम किया है उस कारण से 23 सालों में पहली बार हमने डेढ़ करोड़ रुपये का मुनाफा दिखाया है। (तालियां) इसी तरह से हरियाणा स्टेट के लैण्ड मार्गेज बैंकस ने भी 3 करोड़ 47 लाख रुपये का फायदा कमाने का श्रेय हासिल किया है। स्पीकर सर, यह विभाग, जब हमारे हरियाणा के अन्दर कभी कहत पड़ा, मूखा पड़ा, तब लोगों के सुख दुख में शरीक हुआ है। सूखा राहत और बाद राहत में इस विभाग द्वारा 75 लाख रुपये की राशि, संस्थाओं की तरफ से, कर्मचारियों की तरफ से अनुदान के रूप में दी गयी हैं।

स्पीकर सर, इसके साथ साथ अब मैं उस महान् पुरुष का भी जिकर करना अपना कर्तव्य समझता हूं जिसने 14 साल की

उमर से संघर्ष किया, देश की आजादी के लिये लडते रहैं और जिन्होंने अपनी सारी जवानी अंग्रेजों की कैद में लोहैं की सीखों के अन्दर ही काट दी। मैं उस महान् पुरुष का जिकर करना चाहूंगा जिसने हरियाणा को जन्म देने में अपने जीवन के बहुमूल्य वर्ष लगा दिये। मैं जिक्र करना चाहूंगा उस महापुरुष का, जिसने अपना सारा बहुमूल्य समय किसानों और गरीबों की बहबूदी के लिये लगा दिया।

11.00 बजे।

हमारे जैसे जो नौजवान साथी, यूनिवर्सिटीज में प्रोफैसर थे वे उस महान पुरुष की राजनैतिक विचारधारा से बच नहीं सके और उस महान पुरुष के ट्रेनिंग स्कूल में पोलिटीकल ट्रेनिंग ली। मैं आज आपके माध्यम से इस सदन को और प्रदेश की एक करोड चालीस लाख जनता के रिप्रेजैनटेटिवज को साक्षी समझ कर और इस सदन के इस पिल्लर पर जो मैसेज लिखा हुआ है उसको साक्षी समझते हुए एक बात कहना चाहता हूं। मैं किसी भावना के तहत नहीं, भावुक होकर नहीं बोल रहा हूं, इस बात का मैं विश्वास दिलाता हूं। आने वाले सौ साल तक अगर कोई भी शख्स एक पाई की भी करपशन साबित कर दे तो मैं हरियाणा की जनता को यह अधिकार देता हूं कि वह मेरे बच्चों तक को भी सूली पर टांग दे। लेकिन स्पीकर साहब, बगैर हड्डी की जीभ से कुछ भी बोला जा सकता है। अगर कोई अनुशासन सीखने का ट्रेनिंग स्कूल हो तो मैं अपने माननीय सदस्य से अर्ज करूंगा कि उन्हैं

पार्टी के अनुशासन और सदन के अनुशासन को सीख लेना चाहिए। इस तरह से बेबुनियाद बातें कह कर अपने लोगों को भी धोखा देने वाली बात है। रघु यादव जी की बातों पर तो वह कहावतें लागू होती हैं कि सावन के अंधे को हरा ही हरा नजर आता है और चोर को दूसरे भी नजर आते हैं चोर। भाई प्ल जी एक छोटा सा अखबार एक पेज का चलाते हैं जिसके जरिए वे लोगों के साथ ब्लैक मेलिंग करते है। सदन में भी वे जिस तरह बोलते हैं उसकी हमारे इस माननीय सदन के सदस्यों ने कई बार निन्दा की है। वे एक कमी का नाम ले कर अगर ब्लैक मेलिंग करें तो यह भी सदन को गुमराह करने की बात है। इन्हीं शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री जब नारायण लुडिया (कलानौर, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, गवर्नर ऐडैरस पर चर्चा चल रही है, मैं भी उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। भारतीय जनता पार्टी और जनता दल की सरकार हरियाणा प्रदेश के अन्दर चल रही है। राजीव गांधी और लौंगोवाल का जो समझौता हुआ उसके अन्दर हरियाणा प्रदेश की धन देखी की गई। हमारे महान नेताओं को जब हरियाणा के साथ बे इंसाफी होती नजर आई तो चौधरी देवी लाल और डा० मंगल सैन ने अपने पदों से इस्तीफे देकर एक संघर्ष समिति बनाई और गांव–गांव और शहर–शहर में जाकर इस बात का प्रचार किया कि हरियाणा प्रदेश के साथ जो अन्याय हुआ है उसको न्याय में बदलने के लिए संघर्ष करे। उन्होंने लोगों को

प्रोत्साहित किया। स्पीकर साहब, उस समय हरियाणा प्रदेश के मुख्य मंत्री भजन लाल जी थे उनको भी उस समझौते के अन्दर नहीं बुलाया गया और वैसे ही समझौता कर लिया गया। उसके बाद रास्ता रोको आन्दोलन हुआ। गांव–गांव में चौधरी देवी लाल जी पैदल चले। हिसार से लेकर दिल्ली तक पैदल यात्रा हुई, लाखों की तादाद में लोग वहां पर पहुंचे। आज उसका यह नतीजा है कि संघषं समिति के लोगों ने बड़ी हिम्मत और दिलेरी के साथ कांग्रेस पार्टी का हरियाणा से सफाया कर दिया। कांग्रेस पार्टी के केवल पांच आदमी ही विधान सभा में चुन कर आए। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी ने जनता से संघर्ष समिति के मंच पर जो वायदे किए थे उनमें से 75 परसैटं वायदे हमारी सरकार ने पूरे कर दिए हैं। इसलिए यह सरकार बधाई की पात्र है। इस सरकार ने हरियाणा की जनता की समस्याओं का समाधान किया है। हरियाणा में जो बिजली की समस्या थी इस सरकार ने आने के बाद उसका समाधान किया है। इस सरकार के आने से पहले हरियाणा में बिजली की बड़ी भारी कमी थी। किसान अपने खेत में सारी सारी बैठे रहते थे, कभी पांच मिनट के लिए लाइट आती थी और चली जाती थी। हमारी सरकार के आने से पहले सारी बिजली चोरी होती थी या दिल्ली भेजी जाती थी। दिल्ली बिजली इसलिए भेजी जाती थी क्योंकि जिस तरह से उस समय हरियाणा के मुख्य मंत्री को प्रधान मन्त्री हुक्म देते थे उसी तरह से मुख्य मंत्री उनकी कठपुतली बन करके उनके हुक्म को मानते थे। लेकिन जब से यह सरकार आई है तब से हरियाणा के अन्दर बिजली का

समाधान हो गया है। बिजली की चोरी कम हुई है। हमारी सरकार ने यह बहुत ही सराहनीय काम किया है। इसके लिए मैं आई० पी० एम० श्री वीरेन्द्र सिंह जी को बधाई देता हूं। केवल हमारी सरकार ने बिजली की समस्या का ही समाधान नहीं किया बल्कि हरियाणा के सभी बुजुर्गों को पैशन भी दी है। बूढ़े लोगों को 100 रुपए महीने के हिसाब से पैशन दी है। यह बहुत ही सराहनीय काम है। इसके अलावा हमारी सरकार ने बेरोजगारों को इन्ट्रव्यू पर जाने के लिए बस में फ्री यात्रा करने की सुविधा दी है। यह सरकार का बहुत ही अच्छा काम है। इसके अलावा किसानो को उनके खेतों के साथ साथ खड़े पेड़ों में भी हिस्सा दिया है हमारी सरकार ने इस तरह के राहत के कार्य किए हैं। स्पीकर साहब, अभी थोड़ी देर पहले मंत्रो जी बता रहैं थे कि हमारी सरकार ने लगभग साढ़े सात लाख लोगों के कर्जे भी माफ किए हैं। मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि जब कभी हमारे प्रान्त में ओलावृष्टि हुई तो यह पहली सरकार है जिसने किसानों को 400 रुपए फी एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया है। ओलावृष्टि से हुए नुक्सान से मिलने वाले मुआवजे में से पांच परसैंट हिस्सा लैंडलैस लेबरर्ज का भी रखा है।

स्पीकर साहब, आप तो जानते ही हैं कि पंजाब के अन्दर पिछले कई सालों से आतंकवाद का मामला छिड़ा हुआ है और हत्याएं हो रही हैं। लेकिन हमारी जनता दल और भारतीय जनता पार्टी की मिली जुली सरकार ने हमारे प्रदेश में आतंकवाद

का मुकाबला बड़ी हिम्मत और दिलेरी के साथ किया। कई हत्याएं या वारदात हरियाणा प्रदेश में हुईं लेकिन उन कातिलों को हरियाणा की पुलिस ने पकड़ा और उनके खिलाफ केस दर्ज किए। इसी तरह से, स्पीकर साहब, अब मैं सड्कों के बारे में कहना चाहूंगा। रोहतक जिला एक क्रांतिकारी जिला है। जब भी कोई आहवान होता है तो रोहतक शहर से उसकी चिंगारी जलती है। जब 1977 के अन्दर चौधरी देवी लाल जी मुख्य मन्त्री बने थे उस समय रोहतक जिले के लोगों ने बड़ी हिम्मत और दिलेरी के साथ जनता पार्टी का साथ दिया था। उसी तरह से 1987 के चुनावों में रोहतक जिले के लोग संघर्ष समिति में बढ़ चढ़ कर शामिल हुए। जहां भी चौधरी देवी लाल जी को ट्रैक्टरों की या आदमियों की जरूरत होती है वहां पर रोहतक जिले के लाखों की तादाद में लोग पहुंच जाते हैं। मैं यह बात कहैं बगैर नहीं रह सकता कि रोहतक जिले की सड्कों का जितना बुरा हाल है वह बयान नही किया जा सकता। रोहतक जिले की सड्कों की बहुत बुरी हालत है। हमारे मुख्य मंत्री भी रोहतक जिले से एम०एल०एम० बने हुए हैं। आप रोहतक शहर के चारों तरफ घूम कर देख लें सड्कों का बहुत बुरा हाल है। रोहतक जिले की सड्कों का इतना बुरा हाल है कि उन पर चल नहीं सकते और व्हीक्लज पास नहीं हो सकते। जब भी मुख्य मंत्री जी रोहतक जाते हैं या वहां से गुजरते हैं तो उन्हैं बाई पास से ले जाया जाता है। इन सड्कों को चौड़ा करने व उनकी मुरम्मत करने के बारे में मैं औफिसरों को कहना चाहता हूं कि वे वहां के लिए अधिक से अधिक पैसा मांगे ताकि उनकी

मुरम्मत हो सके। इसी प्रकार से मेरे हल्के कलानौर के अन्दर काहनौर के साथ लगता हुआ एक सुडाना गांव है। काहनौर से सुडाना गांव जाने के लिए 40– 50 किलोमीटर का फासला तय करना पड़ता है। यदि काहनोर से सुडाना के बीच में दो किलोमीटर पक्का टुकड़ा बना दिया जाए तो यह 40– 50 किलोमीटर का फासला कम हो सकता है। मैं उम्मीद करूंगा कि इस टुकड़े को अवश्य बना दिया जायेगा। इस टुकड़े को पक्का कराने के लिए हमने कई बार समय निकाल कर पी० डब्ल्यू० डी० मिनिस्टर साहब से भी रिक्वैस्ट की है कि अगर इस टुकड़े को बना दिया जाये तो वहां के लोगों को 40–50 किलोमीटर के फासले से बचाया जा सकता है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं रोहतक के सिविल अस्पताल के बारे में कुछ जिक्र करना चाहूंगा। वहां पर एक ऐक्सरे प्लांट है। वह ऐक्सरे प्लांट करीब डेढ़ साल से खराब पड़ा हुआ है। कुछ दिन पहले उस पर 17– 18 हजार रुपये लगा कर उसे ठीक कराया गया था लेकिन उसे बाद में फिर खराब कर दिया गया। वहां पर एक महानुभाव ऐसा बैठा है जिसे ऐक्सरे के बारे में कोई ज्ञान नहीं है। यह महानुभाव जब जीन्द में और बहादुरगढ़ में था तो वहां के ऐक्सरे प्लांट भी खराव करता रहा है। अब यह रोहतक के सिविल हस्पताल में डेढ साल से पैर जमाये बैठा है। यह पता नहीं कि वह किस एम०एल०ए० या मन्त्री की एप्रोच से वहां पर बैठा हुआ है। वहां पर लोगों को ऐक्सरे खिंचवाने के लिए झज्जर

जाना पडता है और बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार से प्रार्थना है कि कलानौर को सब–तबसील बनाया जाना चाहिए क्योंकि रोहतक जिले में मेहम व झज्जर तहसीलें बनायी हुई हैं। कलानौर से रोहतक आने के लिए लोगों को 20–25 किलोमीटर का फासला तय करना पड़ता है जिसके कारण उन्हैं काफी परेशानियां होती हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि लोगों की परेशानियों को ध्यान में रखने हुए कलानौर कस्बे को सब–तहसील का दर्जा दिया जाये। कलानौर में अब हौस्पिटल तो बन चुका है। कलानौर क्षेत्र के काहनौर गांव में पहले हौस्पिटल चल रहा था अब उसको बंद कर दिया है और अब उसे कलानौर में स्थापित किया गया है। काहनौर में जब यह हस्पताल चल रहा था तो उस समय वहां पर 4– 5 डाक्टर बैठते थे लेकिन अब काहनौर में केवल एक डाक्टर बैठता है। इसलिए मेरी सरकार से गुजारिश है कि वहां पर 4– 5 डाक्टर्ज के बैठने की व्यवस्था की जाये। इसी प्रकार से वहाँ पर एक सब–डिपो की बडी सख्त जरुरत है। कलानौर कस्बे से जो सड़क गुजरती है उस पर सब्जी मण्डी बीच में पड़ती है जिसकी वजह से वहां पर आए दिन कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है। इसलिए मेरी मांग है कि इस समस्या को ब्यान में रखते हुए वहां पर सब–डिपू अवश्य बनाया जाये। इसी प्रकार से मेरे हल्के के बहु–अकबरपुर और भगवतीपुर दो बहुत बड़े बड़े गांव हैं। रोड बहु–अकबरपुर गांव के

बीच से गुजरती है। इस कारण उस गांव के अन्दर ऐक्सीडैट होते हैं। मेरी सरकार से अपील है कि वहां बाईपास बनाया जाए। इतना ही नहीं रोड के साथ कुछ मकान जो कि पिछले लगभग 90 साल से बने हुए हैं। किसी शरारती तत्व ने पी० डब्ल्यू० डी० महकमे के पास एक पत्र लिख दिया कि सैकड़ों मकान वहां पर बने हुए हैं। पी० डब्ल्यू० डी० वालों ने उन करीब 100 साल से बने हुए मकानों के मालिकों को नोटिस दे रखा है कि मकान वहां से हटा दिए जाएं। मैं इस बारे पुरजोर सिफारिश करता हूं कि इन 1०० साल से बने हुए मकानों को वहां से गिराया न जाए और गांव के०पर से बाईपास बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, भगवती पुर गांव के रास्ते में सड़क पूरी नहीं है इस सड़क को पूरा करवाया जाए। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय मैं यह निवेदन करूंगा कि मेरे जिला रोहतक में काफी परेशानियां हैं इस जिले के क्षेत्रो को टौप प्रायोरिटी देकर ध्यान रखा जाए वहां पर सड़कें, नहरें और हौस्पीटल बनाए जाएं। वहां बड़े–बड़े गांव हैं लेकिन उनके अन्दर अस्पतालों की व्यवस्था नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि शहर में जो भी कमियां हैं उनको दूर किया जाए। श्री मांगे राम जी और चौधरी धीर पाल जी एम० एल० ए० रोहतक शहर के अन्दर जाते है। उन्हैं मालूम है कि वहां की सड्कों की हालत बहुत ही बुरी है। सड़क पर फुट–फुट तथा डेढ़–डेढ़ फुट के गड्ढे पड़े हुए हैं। माता दरखेड़ा से ले कर रोहतक शहर के बस–स्टैंड तक की सड़क पर इतने बड़े–बड़े गडढे हैं कि बस की

बौडी सड़क से लग जाती है। इन सड्कों की ओर भी ध्यान दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय में खासतौर से एक बात और कहना चाहता हूं कि मण्डी के अन्दर गरीब आदमी तुलाई और भराई का काम करते हैं सरकार ने उनकी मजबूरी का जो रेट फिक्स कर रखा है वह उनको नहीं मिलता वल्कि दुकानदार उनको अपनी मर्जी से मजदूरी देते हैं। मैं यह निवेदन करूंगा कि उन को सरकार द्वारा फिक्स किया गया मजदूरी का रेट मिलना चाहिए। काफी महकमों के अन्दर कलर्क, कण्डक्टर, पटवारी या दूसरी जो पोस्टें है उनके' इन्टरव्यू चल रहैं है, उनमें हरिजनों को उनका प्रा कोटा दिया जाना चाहिए। हरिजनों में 36 बिरादरिया आती हैं केवल धाणक, चमार और वाल्मीकि तीन ही बिरादरिया नही है। इसलिए इनको आरक्षण का प्रा कोटा मिलना चाहिए। उनको पूरा प्रतिनिधित्व देना सरकार का फर्ज बनता है। चौधरी देवी लाल की सरकार इस वर्ग की ओर पूरा ध्यान देगी और सभी वर्गों और बिरादरियों के हिसाब से सभी को प्रतिनिधित्व मिलेगा ऐसी मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है। इस बारे में मैंने पिछली असेम्बली के दौरान एक सवाल भी बि या आ। पुलिस और अन्य महकमों में पिछडे वर्गों के बच्चों तथा हरिजनों के बच्चों की जो कमियां रह गई थीं उन कमियों को पूरा किया जाए। कांग्रेस की पिछली सरकार ने तो इस ओर विशेष ध्यान नहीं दिया था। चौधरी देवी लाल की सरकार भर्ती के मामले में कलास–1,2 तथा 3 में जो बैकलोग रह गया है, उसको पूरा करेगी यह मेरा विश्वास है। उपाध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने हरिजनों को बहका कर

उनके साथ खिलवाड़ किया। हम यह पूरी उम्मीद रखते हैं कि यह सरकार हरिजनों, पिछड़े वर्गों और भूतपूर्व सैनिकों का पूरा ध्यान रखेगी। इन शब्दों के साथ डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

चौधरी किशन सिंह साँगवान (गोहाना): डिप्टी स्पीकर साहब, कल से गवर्नर साहब के अभिभाषण पर बहस चल रही है। गवर्नर साहब ने जो एडैरस पढ़ा है उसमें सरकार की तरफ से जो जो भी विकास के कार्य चलाए जा रहैं हैं उनके विषय में अलग–अलग महकमों के बारे में काफी विस्तार से अपने अभिभाषण में जिक्र किया है। इसमें सरकार की पोलिसी और प्रोग्राम के बारे में काफी चर्चा है। इसलिए मैं गवर्नर साहब के एडैरस के समर्थन में खड़ा हुआ हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको भली प्रकार से पता है कि जब से यह मौजूदा जनता की सरकार चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में बनी है तव से ही इस सरकार को कई बड़ी–बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस सरकार के आते ही जबरदस्त फ्लड आये और इन फ्लडज से हरियाणा प्रदेश सब से ज्यादा प्रभावित हुआ लेकिन मैं अपनी इस सरकार को दाद देता हूं और अपने मुख्य मंत्री को भी मुबारिकवाद देता हूं कि इतनी मुसीबतों का सामना बड़े हौसले और शान्ति के साथ किया। हमारी जनता ने भी सभी मुसीबतों का बड़े हौसले के साथ मुकाबला किया। हमारे बुजुर्ग बताते हैं कि इतना जबरदस्त सूखा कभी

उनकी याद में नही पड़ा था। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता ही है कि हरियाणा सरकार ने सैट्रल गवर्नमैंट से सूखा राहत के लिए सहायता की मांग की। लेकिन हरियाणा सरकार के साथ भेदभावपूर्ण नीति का व्यवहार किया गया। हमारे पड़ौसी राज्य राजस्थान को सूखा राहत के लिए 488 करोड़ रुपया दिया गया क्योंकि वहां पर कांग्रेस की सरकार थी लेकिन हमारे हरियाणा प्रान्त को केवल 32 करोड़ रुपए दिए गए। इसलिए मैं हरियाणा सरकार को मुबारिकबाद देता हूं क्योंकि इतनी थोड़ी सी राशि लेने और भयंकर सूखे के बावजूद सारे हरियाणा में कोई पशु या इन्सान नही मरा। राजस्थान हमारा पड़ौसी प्रदेश है, वहां पर लाखों और हजारों की तादाद में पशु मरे और हजारों पशु हमारे प्रदेश में पानी और चारे की कमी के कारण आये। हमारी सरकार ने बिजली पानी का पूरा इन्तजाम किया जिसकी वजह से हमारे किसानों को अकाल महसूस नहीं हुआ। केन्द्र की भेदभाव– पूर्ण नीति के कारण फ्लड में बड़ी भारी कठिनाइयों का हरियाणा सरकार को सामना करना पड़ा। अभी श्री सूरजभान जी ने डैटा पेश किया था कि हमने केन्द्र से कितना पैसा मांगा था और उसने कितना दिया। हमें जो 32 करोड़ रुपया दिया गया है वह कर्जे के रूप में मिला है। जब हमारी स्टेट में ऐसी हालत हो तो उस समय भी हर पहलू पर केन्द्र ने भेदभाव किया है लेकिन हमारी सरकार, हमारी जनता बड़ी मजबूत है। इसने बड़ी शान्ति और साहस से इन मुसीबतों को झेला है। मैं ऐक्साइज एण्ड टैक्सेशन के जो मिनिस्टर हैं और औफिसर्ज हैं उनको मुबारिकबाद देता हूं क्योंकि

उन्होंने करों की 26.75 प्रतिशत रिकवरी अधिक की हैं यानी चोरी से इस पैसे को बचाया और 98 करोड़ ज्यादा कमाया है।

उपाध्यक्ष महोदय, भजन लाल की कांग्रेसी सरकार के समय में बिजली की चोरी हुआ करती थी। करोड़ों रुपये की चोरी होती थी। सारे अपनी जेबें भरने में लगे रहते थे। हरियाणा के खजाने का पैसा अपनी जेबों में डालते थे। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा और हिन्दुस्तान की ही नहीं दुनिया की जनता को भी यह मालूम है कि भजन लाल कैसा आदमी है? वहां पर इनका नाम है। पिछले दिनों उनके खिलाफ नोन सोर्सिज आफ इन्कम से अधिक प्रौपर्टी रखने के लिए केस भी दर्ज किया गया। लेकिन वह मामला कोर्ट में पैडिंग है इसलिए मैं उसकी ज्यादा चर्चा नहीं करूंगा। लेकिन एक बात मैं आपके नोटिस में जरूर लाना चाहूंगा कि आज के जनसत्ता अखबार में एक खबर छपी है। भजन लाल के पुत्र की 10 तारीख को शादी थी उसमे 2 करोड़ रुपए खर्च किए गए। मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार से यह मांग करता हूं कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि इतनी बड़ी राशि उनके पास कहां से आयी। (व्यवधान व शोर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सदस्य केन्द्रीय मन्त्री तो कह सकते हैं लेकिन उनका नाम नहीं ले सकते। उनका नाम यहां पर नहीं आना चाहिए। (व्यवधान व शोर) यह ठीक हो सकता है कि अखबार में खबर छपी है लेकिन उनका नाम नही लिया जाना चाहिए। (व्यवधान व शोर)।

चौधरी किशन सिंह साँगवानः दो करोड़ रुपया शादी पर खर्च हुआ है। इस अखबार में नाम भी लिखा हुआ है। मैं नही ले रहा हूं। इसका कभी भी आज तक खंडन नहीं हुआ है। यह खबर कई दफा पहले भी छप चुकी है लेकिन आज तक इसका कभी भी खंडन नहीं किया गया है कि यह गलत है। चौधरी भजन लाल ने कभी खंडन नहीं किया। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, यह मैं नही कह रहा हूं, यह अखबार कहता है कि भजन लाल ने 2 करोड़ रुपया शादी पर खर्च किया। (व्यवधान व शोर)।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी महैंन्द्र प्रताप जी, आप सीनियर लैजिस्लेटर हैं, आप रूल्ज औफ प्रोसीजर के तहत प्वायंट आफ आर्डर उठायें तब अपनी बात कहैं।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं तो यह कह रहा हूं कि ये किसी ऐसे आदमी का नाम यहां नहीं ले सकते जो अपने आपको डिफैन्ड नहीं कर सकता। (व्यवधान व शोर)

चौधश्री किशन सिंह सांगवानः उपाध्यक्ष महोदय, यह सारी बाते हमारे माननीय साथी को पता होना चाहिए कि तीन–चार बार अखबार में आ चुकी हैं लेकिन आज तक इनका खंडन नहीं किया गया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस 2 करोड रुपए की जांच होनी चाहिए कि कहां से आया है। इस सारे सदन को, सारी जनता को और हरियाणा सरकार को यह पता है

कि करोड़ों रुपए उस शादी पर खर्च किए गये हैं। कहां से यह सारा पैसा आया है? एक तरफ तो हम भ्रष्टाचार बन्द करने की बात करते हैं दूसरी तरफ सब से बड़ा भ्रष्टाचार करने वाला आदमी हमारे इस देश में केन्द्रीय मन्त्री है। उनसे पूछा जाए कि कहा से यह पैसा आया? दूसरा मामला चूंकि कोर्ट के विचाराधीन है, इसलिए मैं उसकी तफसील में नहीं जाना चाहता। अगर आप इजाजत दें तो यह जो छोटी सी खबर छपी है, मैं आपके माध्यम से इसे सदन को पढ़ कर सुनाना चाहता हू।

श्री उपाध्यक्षः आप वैसे ही बता दे तो अच्छा है।

चौधश्री किशन सिंह सांगवानः डिप्टी स्पीकर साहब, छोटी सी न्यूज है। मैं आपकी इजाजत से इसे पढ़ ही देता हूं। '' दो करोड़ की बैठी मंत्री पुत्र की शादी '' केन्द्रीय कृषि मन्त्री भजन लाल के बेटे चंद्रमोहन बिश्नोई के दस फरवरी को हुए विवाह ने राजशाही वैभव की याद ताजा कर दी है। नए राजा भजन लाल के शाही विवाह पर राजस्थान मतदाता मडल के अध्यक्ष प्रकाश शुक्ला ने कुल खर्च 2 करोड़ से कम बताया है। उनके अनुसार श्री गंगा नगर के मनीराम के बेटे, ट्रांसपोर्ट कारोबारी लाजपतराय की बिटिया सीमा से मंगनी एक आई० ए० एस० मुन्ना लाल गोयल के बंगले पर हुई। मंगनी में केन्द्रीय मन्त्री भजन लाल के आठ लाख रुपये के जेवर दैने की बात चर्चा बनी। उसमें से एक अंगूठी की ही कीमत 3. 5 लाख रुपये थी। मंगनी के दूसरे बैशकीमती आभूषणों ने भी धूम मचाई। लेकिन भजन लाल ने इनसे संबंधित

किसी खबर का खंडन नहीं किया। अब 10 फरवरी को ब्याह का आलम ही अलग था 1 जयपुर की पूर्व रियासत के राजमहल पैलेस मैं खुला राजशाही होटल विवाह स्थल था। ट्रांसपोर्टर लाजपतराय के चंदूडी प्रिंट के सुर्ख कार्डों मैं उत्तरकाक्षी राजस्थान पुलिस के महानिदेशक डाक्टर ज्ञान प्रकाश पिलानिया, भवदीय आई० ए० एस०,०र्जा सचिव मुन्ना लाल गोयल का नाम था। मिर्जा इस्माइल रोड की सेनविल में ठहरे लाजपत राय की तरफ से राजमहल को महकते रंग–बिरंगे फूलों से पुष्पवाटिका का अंजाम देने वाले जुटे थे। समूचे विवाह स्थल पर फूलों का साम्राज्य था। शुक्ला के सूत्रों ने अकेले विवाह मंडप की सजावट में एक लाख रुपये के फूल खपना बताया है। कई दिन पहले से मंडप और बारात की आगवानी स्थल को फूलों से निखारने में माली जुटे थे।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, ये किस रूल के तहत अखबार पढ़ रहैं हैं?

श्री उपाध्यक्षः अन्डर रूल 97 इन्होंने परमीशन ली हुई है। आप यह रूल पढ़ सकते हैं।

चौधरी किशन सिंह सांगवानः शुक्ला कुल दो–तीन लाख रुपए से कम खर्चने का अनुमान फूलों में लगाते हैं। देखने वालों के मुताबिक एक हजार बाराती आए। बारातियों में ज्यादातर हरियाणवी धोती, कुर्ता, सफेद खेस और दो चार घेर लिये मंडासानुमा पगडा बांधे थे। विवाह में शामिल होने लोक सभा

अध्यक्ष बलराम झाखड़ू, सड़क राज्य मंत्री, राजेश पायलट, राज्य मन्त्री जनार्दन पुजारी, राजस्थान के मुख्य मन्त्री शिवचरण माथुर, पूर्व मुख्य मन्त्री हरिदेव जोशी सहित नामचीन इंकाई सूबेदार आए। रात के समय राजमहल पैलेस होटल की झांकी स्वतंत्रता से पहले की रजवाड़ी, राजशाही को शर्मा रही थी। खैर विभिन्न मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी थी। रात को आठ बजे आधे घंटे के लिए राजकीय प्रैस के पीछे एक चौराहैं पर यातायात आधे घंटे तक बंद रखा गया। राजसी होटल में लकदक करती दुल्हन आई। शुक्ला बताते हैं कि उसकी सास ने ही अकेले 35 लाख रुपए के हीरे के आभूषण खरीदे, ससुर यानि कृषि मन्त्री की पसंद अलग से थी। उसकी सास ने खास जोर देकर अपनी (ससुराल का) दुल्हन जोड़ा (बेस) पहनाया। भार से वह दबी जा रही थी। आधा करोड़ रुपये से अधिक हीरे जवाहरात के आभूषणों के शुक्ला के आरोपों पर दोनों पक्षों ने टिंप्पणी से इन्कार किया है। घुंघट काढ़े विवाह परंपरागत तौर तरीके से हुआ। पंडित जी माईक पर विवाह पद्धति मंत्रोंचार कर रहैं थे। फेरों की शर्तें बताई जा रही थी। बराती–घराती रुपए न्यौछावर कर रहैं थे। न्यौछावर करने वालों के नाम बाकायदा बोले जा रहैं थे। पूरा माजरा फिल्मी शक्ल का था।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि ऐसा व्यक्ति जो सात आठ साल तक प्रदेश का मुख्य मन्त्री रहा हो वह हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड़ करता हैं। ऐसा व्यक्ति

केन्द्रीय सरकार में उच्च पद पर बैठा हुआ है उसको जनता के सामने आना चाहिए और हिसाब–किताब देना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक गवर्नर ऐडैरस में फ्लड की बात है उसके बारे में कहा गया हैं कि उसका इस सरकार ने बड़ी खूबसूरती के साथ मुकाबला किया है। यह बड़ी प्रशंसनीय और सराहनीय बात है। उपाध्यक्ष महोदय, ड्रेन नम्बर आठ हरियाणा में सबसे बड़ी ड्रेन है और जब भी फ्लड आता है तो यह उस इलाके में तबाही मचा देती है। मैं श्री वीरेन्द्र सिंह का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने इसकी कैपेसिटी एक हजार मे बढ़ाकर 1680 बना दी है ताकि भविष्य में यह ड्रेन तबाही न मचाए। आशा है कि आगे के लिए इस तरह की नौबत नहीं आएगी। उपाध्यक्ष महोदय, गर्वनर ऐड्रैस में सतलुज यमुना लिंक का जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया हैं कि हमारे मुख्य मन्त्री जी केन्द्र से काफी पत्र–व्यवहार कर चुके हैं और प्रधान मन्त्री से भी मिल चुके हैं लेकिन उनके कानों पर जू नहीं रेंगती। उपाध्यक्ष महोदय, यह नहर हरियाणा के किसान के लिए जीवन और मौत का प्रश्न है और हर हालत में यह नहर जल्दी से जल्दी बननी चाहिए। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह इस दिशा में और ज्यादा लगन से काम करे। श्री वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि अगर यह नहर मार्च तक पूरी नहीं हुई तो दिल्ली में संधर्ष करेंगे। मैं उनकी इस बात का समर्थन करता हूं। यह नहर हरियाणा के लिए अहम मुद्दा है। इसलिए ऐडैरस में बिजली और पानी के लिए विशेष प्रावधान किया है। वर्ष 1989–90

की 676 करोड़ रुपए वार्षिक योजना में से 202 करोड़ रुपए सिर्फ बिजली के लिए रखे गए है और 93 करोड़ रुपए इरीगेशन के लिए हैं और 78 करोड़ रुपए कृषि के लिए हैं इससे साफ जाहिर होता है कि यह प्लान देहात के गरीव लोगों के लिए और शहर के छोटे तबके के लोगों के लिए है। यह सारी प्लानिंग देहात के गरीब और पिछड़े लोगों के लिए है। उपाध्यक्ष महोदय, यह सरकार का बहुत ही प्रशंसनीय काम है।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात आपके माध्यम से यहां पर अवश्य कहना चाहूंगा कि पहले हरियाणा के अन्दर जो भी सरकारें बनती रहीं हैं, वे सभी पंजाब सरकार की नीतियों का अनुसरण करती रही हैं कि पंजाब जो फैसला करेगा, कोई पौलिसी बनाएगा तो हम भी उसी का अनुसरण करेंगे लेकिन हमें अपने चौधरी देवी लाल जी पर पूरा गर्व है कि आज सारे हिन्दुस्तान की सरकारें हरियाणा की तरक्की को देखकर यह कडु रही पैं कि हरियाणा सरकार जिस किसी मामले में भी जो फैसला लेगी हम भी उसी फैसले को आरने राज्य में लागू करेगे। हरियाणा सरकार ने वृद्धावस्था पैन्शन, कर्जों की माफी, बेरोजगार को बेरोजगारी भत्ता और रोडवेज में इंटरव्यू में आने के लिए कैन्डीडेट्स को फ्री पासिज वगैरह वगैरह की सहूलियतें दी हैं। ये सचमुच ही सराहना के काबिल कार्य है। आज हमारे ऐसे फैसलों पर दूसरे प्रांतों वाले भी बखूबी अनुसरण कर रहैं हैं। अभी हम पिछले दिनों टूर पर गए थे। वहां के लोगों से हमारी बातें हुई और वे कहने लगे कि भाई

कुछ समय के लिए आप चौधरी देवी लाल जी को इधर डैपुटेशन पर भेज दो। (तालियां) यह सुनकर हमारा सिर गर्व से ंचा हो गया कि चौधरी देवी लाल जी ने किस प्रकार हमारे हरियाणा का नाम सारे हिन्दुस्तान में ंचा किया है। इसके साथ मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल जी की सरकार में जात–पात को बिल्कुल समाप्त कर दिया गया है। चौधरी महैंन्द्र प्रताप जी मुझे माफ करें गे कि एक तरफ तो वे लोग जात–पात के खिलाफ नारेबाजी करते हैं और

दूसरी तरफ बिशनोईयों, ब्राहमणों और पंजाबियों के सम्मेलन वगैरह करवाते फिरते हैं। जात–पात के नाम पर ये लोग पब्लिक को बांटना चाहते हैं। लेकिन, चौधरी देवी लाल जी और श्री मंगलसेन जी ने 36 बिरादरी के लोगों को इकट्ठा करके एक नई मिसाल कायम की है और इस विधान सभा में सही अनुपात के हिसाब से पूरा प्रतिनिधित्व सभी बिरादरी के लोगों को मिला हुआ है। सारे हरियाणा के अन्दर भाई–चारे का वातावरण है। पूरे राज्य में पूरी तरह का शान्ति का वातावरण है। लेकिन कांग्रेस के भाई अवश्य ही इस कोशिग में लगे हुए हैं कि राज्य में जात–पात का जहर फैलाकर अशांत वातावरण पैदा किया जाए लेकिन हमारी यह लोकप्रिय सरकार, चौधरी देवी लाल जी की सरकार कांग्रेस के भाईयों को इस तरह करने का मौका नहीं देगी। हमारी सरकार हर तरफ से चौकस है और इन भाईयों की यह मनोकामना पूरी नहीं होने देगे।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक और बात के लिए इस सरकार की प्रशंसा करूंगा। उसका जिक्र गर्वनर ऐडैरस में भी आया है। विधवाओं और विक्लांगों को दी जाने वाली पैन्शन योजना को और उदार बना दिया गया णै। इसके लिए विधवाओं और विक्लांगों की आय की सीमा 50 रुपए से बढ़ाकर 200 रुपए प्रतिमास कर दी गई हैं। सरकार ने 1– 4– 89 से विधवाओं और विक्लांगों की पैशन की दर 50 रुपए प्रतिमास से बढ़ाकर 75 रुपए प्रतिमास करने का प्रस्ताव किया है। सरकार का यह एक बड़ा ही सराहनीय कदम दै। इस सम्बन्ध में सरकार से प्रार्थना करूंगा और मेरा यह सुझाव भी है कि विधवाओं और विक्लांगों की पैंशन 75 रुपए से बढ़ाकर अगर 100 रुपए कर दी जाए तो और अच्छा होगा। जिस तरह से हरियाणा में वृद्धावस्था पेंशन 100 रुपए है अगर उसी तरह से विक्लांगों और विधवाओं को 75 की बजाए 100 रुपए पैंशन दी जातु तो इससे सरकार को कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। लोगों में सरकार की वाह–वाह ही बढ़ेगी। सरकार अगर ऐसा कर देती मै तो यह सरकार के लिए एक अच्छा कदम होगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहता हुं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं गर्व से कहता हूं कि आज हरियाणा के अन्दर जो शिक्षा का स्तर है वह बहुत बड़ा है। नकल एक ऐसी सामजिक बुराई है जिसकी वजह से सारे हिन्दुस्तान में बड़ा घटिया माहोल हो गया था। कांग्रेस के टाईम में हरियाणा में

इम्तहानों के पर्चे बिक रहैं थे और गैस पेपर बिक रहैं थे लेकिन इसके बारे में ऐजूकेशन बोर्ड के चेयरमैन डा० राजा राम जी सौ मैं प्रंशसा किए वगैर नहीं रह सकता। उन्होंने बड़ी मेहनत करके नकब की प्रवृति को रोका है। इसके लिए भी हरियाणा सरकार बधाई की पात है क्योकिं इस समय शिक्षा का स्तर सारे हिन्दुस्तान में हरियाणा में नम्बर एक पर है। जैसे मर सिंह ढाढा जी जिक्र कर रहैं थे कि गरीब लोग जैसे गाडी–लोहार होते हैं या जो दूसरे गरीब लोग हैं मिनके पास रहने का स्थान नहीं है, अपनी नाड़ियों में ही सोते हैं उनको भी प्रोत्साहन देने के लिए आज चौधरी देवी लाल जी ने एक स्कीम बनाई है कि अगर उनका बच्चा स्कूल में जाएगा तो हर बच्चे को एक रुपया रोजाना मिलेगा। ऐसा करने से उनके बच्चे भी स्कूल में पढ्ने के लिए आएंगे। यह पहली हरियाणा सरकार है जिसने ऐसा कदम उठाया है वरना आज तक देश में किसी सरकार ने इन लोगों के लिए कोई कदम नही उठाया 1 दूसरे उपाध्यक्ष महोदय, जैसे डा० महा सिंह जी ने बताया था कि मुक्त द्वार प्रशासन हमारे लिए अच्छा सिद्ध हो रहा है। पहले जहां हमारे गरीब मजदूर भाई अपनी दर्खास्तें लेकर फिरते रहते थे और उन्हैं कोई पूछता नहीं था अब इन मुक्त द्वार प्रशासन से उनका भय चल गया है। वहां पर मिनिस्टर, एम० एल० एज० और अफ्सर होते है और अपनी शिकायत की दर्खास्त लेकर उनको बताते हैं और फटा फट उनकी तकलीफ का निवारण हो जाता है। पइ कदम भी हमारी सरकार का हिन्दुस्तान में पहली किस्म का है जो चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा में चालू किया

है। यह एक सराहनीय कदम है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं पहले भी चर्चा कर चुका हूं कि 36 बिरादरी के लोगों को लेकर मौजूदा सरकार चल रही है। क् पिछड़े वर्ग के लिए भी कुछ बताना चाहता हूं कि यह चौधरी देवीलाल की ही सरकार है जिसने पहली बार हर गांव में बैकवर्ड क्लास के एक एक आदमी को लम्बरदार बनाने की घोषणा की है और वे बन भी चुके हैं। इसी तरह से हर पंचायत में एक एक पंच को भी नौमिनेट किया है। किसी प्रान्त में ऐसा फैसला नहीं हुआ जो चौधरी देवी लाल की सरकार ने पिछड़ी जातियों के लिए हरियाणा में किया है। यह भी एक प्रशंसनीय कदम है। यह बात तो पहले भी आ चुकी है कि बैकवर्ड क्लासिज निगम और हरिजन कल्याण निगम ने साढ़े आठ करोड़ रुपए के कर्जे माफ किए हैं। चौधरी देवी लाल ने 150 करोड़ रुपए के कर्जे माफ करने का वायदा किया था लेकिन उसकी बजाए कर्जे माफ किए 242 करोड़ रुपए जमा साढ़े आठ करोड़ रुपए जो दोनों निगमों ने माफ किए। मैसे पहले भी बात आई थी कि हमारी केन्द्र में सरकार आने दो। उसके बाद दूसरे छोटे मोटे कर्जे मी माफ कर दिए जाएंगे। इस समय तो हमारे पास बजट में पैसा कम है। अगर आप लोगों के सहयोग से केन्द्र में हमारी सरकार आई तो महैंन्द्र प्रताप जी आपको छोड्कर आपके सभी भाइयों के कर्जे माफ कर दिए जाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, एक और प्रशंसनीय कदम जो चौधरी देवी लाल जी ने उठाया है उसका जिक्र किए बगैर में वही रह सकता। उपाध्यक्ष महोदय, जनता पार्टी की सरकार के समय 1977 में चौधरी देवीलाल जी ने यह फैसला किया था कि

जब किसी की फसल को ओलावृष्टि की वजह से या जल जाने की वजह से नुकसान हो तो मालिक को चार सौ रुपए एकड़ के हिसाब से मुआवजा मिलेगा। लेकिन चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा प्रदेश में एक रिकार्ड कायम कर दिया जिसकी मिसाल आपको सारे हिन्दुस्तान में कहीं भी नहीं मिलेगी। इन्होंने ऐग्रीकल्चरल लेबर को भी किसानों की फसलों के नुक्सान के मिलने वाले मुआवजे में हिस्सा रखा है। पहले केवल किसानों को उनकी जमीन पर हुई फसल के नूक्सान का मुआवजा मिलता था। जो ऐग्रकिल्चरल लेबर उस जमीन पर काम करती थी यानी जो लामणी करते थे उसका उनको पैसा मिलता था, जो गाही करते थे उसका उनको पैसा मिलता था। लेकिन मुआवजे में उनका कोई हिस्सा नहीं होता था। चौधरी देवी लाल जी ने मुआवजे में भी उनका हिस्सा रखा हैं यह बहुत ही अच्छा कार्य है। इस बारे में चौधरी देवी लाल जी ने एक कमेटी बनाई और उस कमेटी ने यह फैसला किया कि किसानों के साथ जो गरीब मजदूर सीधे जुड़े हुए हैं उन लोगों को भी कुछ राहत मिलनी चाहिए। चौधरी देवी लाल जी ने उस गरीब ऐग्रीकल्चरल लैबर को भी मुआवजे में पांच परसैटं कट हिस्सेदार बना दिया यानी किसान को मुआवजे का 400 रुपए एकड़ के हिसाब से मिलेगा तो उसके साथ जुड़े हुए उस गरीब मजदूर को भी 20 रुपए मिलेंगें। सारे हिन्दुस्तान में ऐसी मिसाल आपको कही पर भी नही मिलेगी। कांग्रेस पार्टी के लोग हरिजनों के ठेकेदार बने फिरते हैं इन्होंने हरिजनों को क्या दिया? हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज को जितना फायदा चौधरी

देवी लाल जी ने दिया है उतना फायदा आज तक किसी सरकार ने नहीं दिया होगा। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक दिलचस्प बात कहना चाहता हूं। चौधरी देवी लाल जी जब गांवों में जाते हैं तो जहां पर गांव के बूढ़े लोग. बैठे होते हैं वहां पर मूढे पर बैठ कर चौपाल के लिए 10– 10, 15– 15 और 20–20 हजार रुपए ग्रांट के देते हैं। चौधरी देवी लाल जी ने चौपालों को रैस्ट हाउसिज में तबदील कर दिया है। उनमें शाम को 10– 20 आदमी बैठकर अपनी समस्याएं डिस्कस करते हैं। हमारे आदरणीय मुख्य मन्त्री चौधरी देवी लाल जी ने यह बहुत ही सराहनीय काम किया है। ये जिस गांव में चौपाल के लिए 10 या 20 हजार रुपए ग्रांट के देते हैं उनसे लोग मूढे खरीदते हैं और जो जरूरत का सामान है वह खरीदते हैं। मैं चौधरी देवी लाल जी को मुबारिकबाद देता हूं कि उन्होंने हरियाणा के अन्दर बहुत सी उपलब्धियां की हैं। इन शब्दों के साथ मैं गवर्नर साहब के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव का समर्थन करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री मनी राम (डबवाली, अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे अपने विचार प्रकट करने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, चूंकि गवर्नर साहब के अभिभाषण पर बहस चल रही है इस लिए मैं भी आज अपने विचार प्रकट करने के लिए खड़ा हुआ हूं। जब हरियाणा और पंजाब इक्ट्ठे होते थे तब से चौधरी देवी लाल जी हर मख्य मन्त्री से लड़ते आ रहैं है। ज्वायंट पंजाब के समय में

हरियाणा के अन्दर बजट का एक भी पैसा खर्च नही किया जाता था। उस समय हरियाणा की तरफ से श्री सूरजमल एक नवी होते थे उनको बजट का जितना पैसा मिलता था वह अपने हल्के में लगाते थे। हरियाणा के अन्दर डिवैल्पमैंट के काम नहीं होते थे। डिप्टी स्पीकर साहब, विधान सभा की एस्टिमेट्स कमेटी महाराष्ट्र स्टेट के दौरे पर गई थी। उस स्टेट में कांग्रेस पार्टी की सरकार है। हमारी वहां के स्पीकर के साथ बात हुई। हमारी बातचीत के दौरान वहां के स्पीकर ने पूछा कि क्या हरियाणा प्रदेश में बुढ़ापा पैशन लोगों को दी जाती है। मैंने कहा कि आप हरियाणा में आ जाओ और वहां का डोमिसाइल सर्टिफिकेट बनवा लो आपको भी पैशन मिल जाएगी लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं मैं इस पोजीशन में नहीं हूं। उन्होंने एक बात यह भी कही कि चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा में बुढ़ापा पैशन दे करके एक बवाल खडा कर दिया है क्योंकि हमें भी यहां पर लोग कहते है कि हरियाणा की तरह आप भी हमें पैशन दें। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी ने गरीब हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लिए लड़ाई लड़ी हैं। चौधरी देवी लाल जी ने किसानों को उनके खेतों के साथ साथ खड़े दरखतों में भी हिस्सा दिया। मैं आपको एक समय की बात बताना चाहता हूं कि हमारे इलाके में एक गांव में नोपा राम नाम का छोटा सा किसान था। वह एक बार अपने खेत में तीन फुट गहरा नाला खोद रहा था और खेत के साथ साथ जो बेरी कीकर आदि के पेडू खड़े थे उनको भी काट रहा था। वहां से गुजरते हुए चौधरी देवी लाल जी ने उससे पूछा कि ये पेडू

क्यों काट रहैं हो तो उसने कहा कि ये दरखत फसल को नहीं होने देते। जमीन की सील को जजब कर लेते हैं। इस बात पर चौधरी देवी लाल जी ने वहां पर दूसरे पेड लगवाए है। इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि हमारे इलाके में आशाखेडा गांव के वाटर वर्कस की बहुत इम्पोर्टेस है। उस इलाके में खारा पानी है। वहां पर नहरें भी इतनी नहीं चलती हैं। आशाखेड़ा गांव के वाटर वर्कस की इम्पौटेंस इसलिए है कि एक बार चौधरी देवी लाल जी उस गांव के इलाके से गुजर रहैं थे तो रास्ते में भेड बकरी चराने वाले पाली बैठे थे और आधी चल रही थी, हमारी तरफ 10–10 घंटे तक लगातार आंधिया चलती थीं, उनसे चौधरी देवी लाल जी ने पीने के लिए पानी मांगा। उन गवालों के पास पानी की लोट थी, जिसे आप लोग सुराही कहते हैं। चौधरी देवी लाल जी ने वहां की समस्या को देखा और ध्यान में रखा। जब ये मुख्य मंत्री बने तो वहां पर वाटर वर्कस बनवा दिया। जब पहले इनकी सरकार बनी तो न तो हरिजनों ने चौपालों की मांग की थी और न ही किसानों ने अपनी तबाह हुई फसलों का मुआवजा चौधरी देवी लाल जी से मांगा था। चौधरी देवी लाल जी ने खुद लोगों की दिक्कत को ध्यान में रखते हुए हरिजनों के लिए गांव गांव में चौपालें बनवाई और किसानों को उनकी औला वृष्टि से नुकसान का मुआवजा देना आरम्भ किया। जब चौधरी देवी लाल जी के पास पैसा होता है तो वे दिल खोल कर पैसा देते है। लेकिन इन्होंने पैसे वाला महकमा श्री बी० डी० गुप्ता जी को दे रखा है। वे जात से बनिया है और बड़े होशियार

हैं। जब उनसे पैसे लेने की बात की जाती है तो कहते हैं कि मेरे पास पैसा नहीं है। इसलिए मेरी मांग है कि इस महकमे को चौधरी देवी लाल जी ने अपने पास रखना चाहिए ताकि ये दिल खोल कर पैसा दे सकें। इस बारे में मैं एक मिसाल सुनाना चाहता हूं। एक सेठ और एक चौधरी की आपस में बहुत दोस्ती थी। सेठ बहुत धनी था। एक दिन सेठ ने चौधरी से कहा कि क्या तुम कुछ सामान लेकर मेरी लड़की के यहां जा सकते हो तो चौधरी कहने लगा कि मैं चला जाऊंगा। लेकिन सेठ बहुत होशियार था। उसने एक कागज पर यह लिख दिया कि जाट जटन, छोला की रोटी०पर चटन धरती लिटन, एक दिन डटन। जब यह कागज चौधरी को दिया तो चौधरी भी बहुत होशियार था। उसने लड़के से पर्चा पढ़वाया जब उसने यह पढ़ा तो उसने लड़के को कहा कि इस कागज को फाड़ दो और दूसरे कागज पर यह लिख दे, जाट जटन, हलवा पुरी गिटन, पलंग पर लिटन, और एक महीना डटन। जब चौधरी वहां पर महीना भर रुका रहा तो उसकी लड़की परेशान होकर कहने लगी कि चौध री तू महीना भर से ठहरा हुआ है और खाये जा रहा है, अब तू जायेगा या नही। तो मेरे कहने का मतलब यह है कि बी० डी० गुप्ता पैसा नहीं दे पाते और चौधरी देवी लाल जी के पास महकमा हो तो वे काफी पैसा दिल खोल कर दे देते हैं। इसके बारे में भी मैं एक चौपाई कहना चाहता हूं।

सीखी कहां रहिमन, ऐसी०ंची देन,

ज्यों ज्यों कर०ंच्चे उठें, तां तां नीचे नैन :

इसी प्रकार एक और चौपाई कहना चाहूंगा –

देन हार कोई और है, देत रहत दिन रैन,

लोग भरम मुझ पे धरें, तां तां नीचे नैन।

मेरे कहने का मतलब सिर्फ यही है कि चौधरी देवी लाल जी के पास यदि वित्त विभाग हो तो वे पैसा देते रहैंगे। भगवान की भी पता नहीं क्या इनके०पर कृपा है कि इनके पास पैसे की कमी नही रहती। जब पहली बार ये मुख्य मन्त्री बने तो उस समय काफी बाढें आई थी और उस समय उन बाढ़ों का इन्होंने डटकर मुकबला किया था और लोगों को ट्रैक्टरों आदि के ऋण बांटे थे। यहां पर मैं यह भी कहना चाहूंगा कि चौधरी देवी लाल जी खुद बहुत होशियार है इसलिए इन्होंने यह मह कमा अपने पास न रख कर गुप्ता जी को दे रखा है। इसलिए मैं गुप्ता जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे दिल खोलकर विकास कार्यों के लिए लोगों को पैसा दें।

उपाध्यक्ष महोदय, महात्मा गांधी जी ने कहा था कि इस देश में हरिजन का बेटा राष्ट्रपति हो और किसान का बेटा प्रधान मन्त्री हो। चौधरी देवी लाल जी महात्मा गाँधी जी के सपने को साकार करने में लगे हुए हैं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान इनकी लम्बी आयु करे। अगर इनका सपना साकार हो गया और भारत सरकार की गद्दी इनके हाथों में आ गई तो फिर कही

पर ये किसी किस्म की कमी नहीं रहने देंगे फिर इस प्रान्त की और भारतवर्ष की दिन दुगनी और रात चौगुनी उन्नति होगी। उपाध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री रतन लाल कटारिया (रादौर–अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करने के लिए खडा हुआ हू। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल की सरकार ने पिछले 20 महीने के अर्से में बहुत उपलब्धियां प्राप्त की हैं। हमने बेरोजगार नवयुवकों को बेरोजगारी भत्ता देकर और को–आप्रेटिव तथा हरिजन कल्याण निगम के द्वारा लाखों हरिजनों के कर्जे माफ करके, इन्टरव्यू के लिए बेरोजगार नवयुवकों को आने–जाने के लिए मुफ्त परिवहन सुविधा प्रदान करके, औला वृष्टि के कारण हुए नुकसान का मुआवजा दे कर, बुढ़ापा पैंशन दे कर जिस तरह से कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं वही केन्द्र सरकार की यह हमेशा कोशिश रही है कि किस प्रकार हरियाणा की प्रगतिशील सरकार को बदनाम करे। अपनी इस बदनीयती के कारण ही केन्द्र सरकार ने जो कोच फैक्टरी हरियाणा प्रदेश के अन्दर लगनी थी, पंजाब के अन्दर ले गये तथा केन्द्र सरकार की बदनीयती के कारण ही तेल शोधक कारखाना जो कि करनाल में लगना था, वह डिले हो रहा है। (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार पंजाब में उग्रवादियों को काबू करने में असफल रही है। इसके परिणामस्वरूप ही हरियाणा के अन्दर भी उग्रवाद का प्रभाव

पड़ा। मेरे कुरुक्षेत्र जिले के अन्दर कैथल, पिहोवा, कुरुक्षेत्र तथा शाहबाद आदि स्थानों पर उग्रवाद की घटनाएं हुई हैं। मैं अपने गृह मन्त्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि कुरुक्षेत्र जिले के अन्दर जिस तरह से एस० पी० श्री रेशम सिंह ने उग्रवादियों को काबू किया वह सराहनीय है। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के बनने के बाद पहले भयंकर सूखा पड़ा, उसके बाद बाढ़ ने विनाश लीला की। खासकर मेरे हल्के रादौर के अन्दर यमुना नदी ने जबरदस्त कटाव किया है जिसके कारण करोडों रुपये का नुकसान हुआ है। मेरे हल्के रादौर में दादूपुर नलवी नहर बनने की योजना थी। पिछले सैशन के दौरान भी मैंने इस बारे एक प्रश्न पूछा था और मस्ती महोदय ने बताया था कि सैट्रल गर्वनमैंट के पास क्लीयरैसं के लिए कागज भेज रखें हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मन्त्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि केन्द्र सरकार की बदनीयती है इसलिए वे खुद दिलचस्पी लेकर इन कागजात को वहां से शीघ्र निकलवाने की कोशिश करें ताकि लाखों लोगों को, सूखे के कारण जो वाटर लेबल 70 फुट से नीचे चला गया है, उससे कुछ राहत मिले। इसके साथ ही साथ मैं कहना चाहूंगा कि जठलाना, गजलाना आदि गांवों में 33 के० वी० सबस्टेशन बनाए जाएं। उपाध्यक्ष महोदय, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत हरियाणा के अन्दर इस समय 6516 डिपो काम कर रहैं है और इनमें से बहुत ही कम डिपो अनुसूचित जाति के लोगों के पास हैं। मैं चाहूंगा कि हरियाणा में जिन गांवों में 50 प्रतिशत तक अनुसूचित जातियों की आबादी हो वहां के डिपो हरिजनों को सोंपे जाएं। डिप्टी स्पीकर

साहब, इस अभिभाषण में हरिजनों के उत्थान पर, गरीबी हटाने के लिए 7 करोड़ 12 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। यह बहुत ही सराहनीय है। लेकिन मैं इसको टैम्परेरी रिलीफ मानकर चलता हूं। मैं समझता हूं कि हरिजनों की अपनी बेसिक समस्याएं हैं। कांग्रेस ने हमेशा इसका इस्तेमाल अपनी पार्टी के फायदे के लिए किया है और हरिजनों का हमेशा शोष ण किया है और नारा लगाते रहैं कि हम हरिजनों का उत्थान करेंगे उनकी गरीबी दूर करेगे। 1927 में कांग्रेस का जो पहला अइत्ववेशन मद्रास में हुआ कांग्रेस के इतिहास में पहली बार इस अधिवेशन में फंडामैंटल राईट्स की बात उठाई गई। डिप्टी स्पीकर साहब, 1931 में कराची में कांग्रेस का दूसरा अधिवेशन हुआ उसमें हरिजनों के उत्थान की बात कही गई। इस अधिवेशन में बाबा साहब अम्बेदकर की अध्यक्षता में एक ड्राफटिंग कमेटी बनी जिसका उद्देश्य concept of equality in the Fundamental Rights and the Directive Principles of State Policy के बारे में विचार करना था। इस प्रकार से यह डिसिजन किया गया कि हिन्दुस्तान में जो गरीब और पिछड़ी क्लास है जिन्हैं हरिजन कहते हैं उन्हैं मेन स्ट्रीम के अन्दर लाया जाए। लेकिन मुझे खेद के साथ कहना पड़ता है कि कांग्रेस के शासन में हरिजनों का शोषण होता रहा। आज हरियाणा में शिक्षा विभाग के अन्दर लगभग 72 हजार टीचर्ज काम करते हैं जिसके अनुपात से हरियाणा में हरिजन टीचर्ज की संख्या 17 हजार के लगभग होनी चाहिए। इस समय हरियाणा में करीब 2½ हजार हरिजन टीचर्ज हैं और 15 हजार का बैकलाग है। मैं निवेदन

करूंगा कि हरिजनों को पूरा हक मिलना चाहिए। मैं जोर देकर यह कहना चाहूंगा कि भारतीय कान्स्टीच्यूशन की धारा 335 के तहत प्रजातन्त्र में हरिजनों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। यह आरक्षण हमारा हक है। हम कोई भीख नहीं मांग रहैं हैं, यह हमारा अधिकार है। इसके लिए हमें किसी के सामने झोली फैलाने की जरूरत नहीं है। हमारी यह आवाज है। महात्मा गांधी ने कहा था कि जब तक हरिजनों को इस देश की मेन स्ट्रीम में नहीं लाया जाएगा तब तक देश में वास्तविक लोकतन्त्र कायम नहीं होगा। अतः मैं पुरजोर अपील करता हूं कि इसको पूरी तरह से लागू किया जाए ताकि देश प्रगति की ओर अग्रसर हो सके। इसके बिना देश की तरक्की की उम्मीद नहीं की जा सकती। मैं इस महान सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज हरिजनों के उत्थान की जरूरत है। उसके लिए केन्द्रीय सरकार ने कानून पास कर दिया है कि जिन लोगों ने बेनामी भूमि हड़प की हुई है और हजारों एकड़ भूमि के जो सामन्त बने हुए हैं उन सामान्तों की जितनी भी सरप्लस भूमि है वह कमजोर वर्ग के लोगों में बांटी जाये ताकि वे सही रूप से अपने पैरो पर खड़े हो सकें।

12.00 बजे।

डिप्टी स्पीकर साहब, शिक्षा के क्षेत्र में मेरे हल्के में बहुत बुरी हालत बनी हुई है क्योंकि चालीस साल से रादौर हल्के में कांग्रेस के लोगों ने जम कर शासन किया है। वहां पर विपक्ष का एम०एल०ए० बनता रहा लेकिन बाद में कांग्रेस पाटीं में शामिल

होता रहा है। वहां जो भी स्कूल हैं उनमें अध्यापक नही है। वहां स्कूल में टाट हैं तो बच्चों के लिए चाक नहीं हैं। इसी तरह से वहां पर हस्पतालों की हालत है। वहां किसी भी हस्पताल में दवाइयां नहीं मिलती हैं और न ही हस्पताल की कोई बिल्डिग है। इस लोकप्रिय सरकार ने जो चौधरी देवी लाल की रहनुमायी में बनी है, बीस महीने में कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। उन कीर्तिमानों की रोशनी मेरे रादौर हल्के में भी आयेगी तभी जनता को पता लगेगा। डिप्टी स्पीकर साहब गवर्नर ऐडैरस में सन् दो हजार तक सभी गांवों में जनस्वास्थ्य सेवायें पहुंचाने की बात की है। मेरी प्रार्थना है कि मेरे हल्के में जठलाना, खुर्दबन, गजलाना और पारा गांवों में पी०एच०सी० या सी०एच०सी० की व्यवस्था की जाए। इन गांवों में कोई व्यवस्था होनी चाहिए चाहैं छोटी डिस्पेसंरी की हो या बड़ी की हो। हमारी सरकार पेय जल की व्यवस्था प्रदान करने जा रही है। मेरे बबैन हल्के में बाटर लैबल 70 फुट नीचे चला गया है, नलके बिल्कुल नाकारा हो गये हैं। मैं चाहूंगा कि भगवानपुर, बेरथला, कालवा, रामशरण माजरा, गुन्दियाना, झन्डौला, सिकन्दरा, गिल्लोर, बकाना, अलाहर, खेड़ी दलान, खुर्दबन, गुमथला व जठलाना आदि में पानी का प्रबन्ध किया जाए। दूसरे मेरे हल्के में परिवहन का भी ठीक प्रकार से प्रबन्ध नहीं है। मैं चाहूंगा कि रादौर को सब–डिपो बनाया जाये। मेरे से भूतपूर्व एम०एल०ए० ने ऐसा बस स्टैण्ड बनाया जिसका मुँह एक पूर्व की तरफ और दूसरा पश्चिम की तरफ है। आने जाने वाले यात्रियों को बड़ी परेशानी उठानी पड़ती है। इसके बारे में मैं

यही कहना चाहता हूं कि एक दिल के टुकड़े हजार हुए कोई यहां गिरा कोई वहां गिरा। मैं तो यह चाहूंगा कि रादौर और बबैन में दो आधुनिक बस स्टैन्ड बनाये जाये। मेरे हल्के में 165 गांव पड़ते हैं जिनको बडी भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। अगर वहां बस स्टैन्ड का प्रबन्ध हो जाता है तो उन्हैं वड़ी राहत मिल सकेगी। जहां तक सड्कों का सम्बन्ध है उनकी भी बड़ी भारी कमी है। यमुना नदी के पानी के कारण और वरसात अधिक होने के कारण सड्कों की हालत बहुत ही दयनीय हो गई है। मैं माननीय पी० डब्ल्यू० डी० मिनिस्टर साहब से कहना चाहूंगा कि बस स्टैन्ड लाडवा से रविदास नगर, लाडवा व बडाछ पुर तक, रामनगर से मन्डो खरा, बुहाई से बेरथली, छारपुरा से मुकरपुर, सलाहर से जयपुर, मन्धार से कन्डरोली, बोडला से बगड़ों, भरयेहड़ी से मोरथला, काजनु से अलाहर, अलाहर से जठलाना, हिरव छपर से बीड बडतौली, मुखडी से गुढ़ा, थमरोड़ी से बकाना, जठलाना से उन्हैंड़ी, गिलौर–छपरा, जाल खेड़ी से खेरीडवा और कान्गठ से खरींडवा तक सडकें बनायी जायें। अन्त में डिप्टी स्पीकर साहब मै यही कहना चाहता हूं कि चालीस सालों से मेरे इलाके का शोषण हो रहा है। मैंने जो मांगें हाउस के सामने रखी हैं, ये बहुत थोड़ी हैं। वहां से जो भी एम०एल०ए० बनता था वह दल बदल कर कांग्रेस में चला जाता था। डिप्टी स्पीकर साहब, इस अभिभाषण के पैरा दस में नेहरु जयन्ती के बारे में कहा गया है। हरियाणा सरकार भी नेहरु जयन्ती मना रही है। बाबा साहब डाक्टर अम्बेदकर की भी जयन्ती सन् 1991 में पड़ती है। 1991 में उन्हैं

सौ साल होने वाले हैं। मैं यह चाहुंगा कि डाक्टर अम्बेडकर की भी हरियाणा मे जयन्ती मनायी जाये। वे देश के महान भक्तों में थे। वे किसी से कम नहीं थे। मैं नही कहता कि कोई और मनु हुआ था लेकिन आज का आधुनिक मनु, बीसवी सदी का जो वास्तविक मनु हिन्दुस्तान के आम अवाम को देखने को मिला वे बावा साहब भीम राव अम्बेदकर थे। उनकी सैंटेनरी को हरियाणा सरकार द्वारा सरकारी स्तर पर मनाया जाना चाहिये। मैं इस फोरम के माध्यम से भारत के प्रधान मंत्री से भी यह मांग करता हूं कि वह भी आने वाली आठवीं पंच वर्षीय योजना में दलितों का सुधार करने के लिये इस पंच वर्षीय योजना का नाम बाबा साहब भीम राव अम्बेदकर के नाम पर रखा जाये और हिन्दुस्तान के कोने–कोने के अन्दर बाबा साहब भीम राव अम्बेदकर की सैटेनरी मनायी जाये। इसके साथ ही मैं इस अभिभाषण का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

श्री रणजीत सिंह (रोड़ी): डिप्टी स्पीकर सर, महामहिम गवर्नर महोदय ने 21 फरवरी को अपना अभिभाषण' इस गरिमामय सदन में दिया, मैं उसके लिये धन्यवाद प्रस्ताव का अनुमोदन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। मेरे से पहले बहुत सारे माननीय सदस्यों मे इस अभिभाषण पर बहुत सारी बातें कहीं हैं और सरकार ने जो कारगर कदम' उठाये हैं, उनका जिक्र भी किया। डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नर ऐडैरस और बजट किसी भी सरकार की छवि होती है कि सरकार कैसे चलेगी। माननीय सदस्यों'' ने उसकी बडी

तफसील के साथ चर्चा की। मैं यह. कहना चाहता हूं कि हमारे सदन के नेता को, उनके सारे 'सहयोगियों, मंत्रीगण और इस हाउस के सारे सदस्यों ने अभूतपूर्व समर्थन दिया है जिससे वे अपनी पौलिसी को इम्पलीमैंट करने में बड़ी कामयाबी से लगे हुए हैं। हैं आपके माध्यम से एक बात बताना चाहूंगा। जैसे कि मेरे से पहले बहुत सारे सदस्यों ने जिक्र किया, एस०वाई०एल० हरियाणा की सबसे बडी लाईफ लाईन है। हरियाणा के लिये सबसे बड़ा सवाल एस० बाई० एम० का है। इस बारे में अभिभाषण में भी चर्चा की गई है। दूसरों ने भी उस पर चर्चा की है। मैं मी अपने ढंग से चर्चा करूंगा कि एस० वाई० एल० के न बनने से हरियाणा को 100 करोड रुपये का घाटा हो रहा है। हरियाणा के डेढ़ करोड़ आदमियों से अगर यह कहा जाये कि आपको सबसे पहले क्या चाहिये तो वह सबसे पहले यह कहैंगे कि हरियाणा को एस० वाई० एल० मिलनी चाहिये। आपको पता ही है कि हरियाणा में जब विधान सभा के चुनाव हो रहैं थे तब हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री जी यहां आये थे। उन्होंने यहां आकर कुछ पैकेज डील अनाउन्स किये थे। उन्होंने यह कहा था कि एस० वाई० एल० जल्दी बनायेगे। उसके बाद एस० वाई० एल० का आपको पता है कि क्या हालत है। छिपकली की चाल से इसको चलाया जा रहा क्रश, यह सब को मालूम है। मैं यह कहना चाहूंगा कि हमें किसी दूसरे से कोई लेना देना नहीं है। हमारे पड़ौस में या किसी भी दूसरे प्रदेश में सरकार कुछ भी करे। वह भी हिन्दुस्तान का एक हिस्सा है। लेकिन हमारे हरियाणा के साथ बहुत ज्यादती इस एस० वाई०

एल० को न बनाकर की जा रही है। हमारे कांग्रेस के माननीय सदस्य चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंह जी यहां पर बैठे हैं। मैं इनसे यह कहूंगा कि यह भी कुछ सोचें। इनकी पार्टी के दूसरे मैम्बर्ज इनके साथ होंगे। यह भी अपनी आत्मा की आवाज को सुनें। बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात में इनकी पार्टी ने जो कुछ किया है, उसको ध्यान में रखते हुए यह भी अपनी कौन्शीयस की आवाज को सुनें। हमारे लोक सभा में जो कांग्रेस के सदस्य बैठे हैं, उन्हैं खुल कर बगावत करनी चाहिये। जहां तक हरियाणा की इज्जत का सवाल है, कोई भी सरकार इनकी केन्द्र सरकार का समर्थन नहीं करेगीं। इस ढंग से इन्हैं कहना चाहिये। मैं यह कहूंगा कि एस० वाई० एल० को न बनाने से कम से कम 100 करोड़ से भी ज्यादा का हमारा घाटा हो रहा है। मैं सदन के माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि एस० वाई० एल० के काम को जल्दी से जल्दी शुरू किया जाए और जो टाईम लिमिट प्रधान मन्त्री ने रखी है उसी समय में इसको पूरा किया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले साथियों ने पैन्शन के बारे में काफी कुछ कहा है और बहुत ही बढिया –शब्दों में इस सम्बन्ध में कहा जा चुका है। चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में इस सरकार ने पैन्शन देने के बारे में अभूतपूर्व कदम उठाया है। उपाध्यक्ष महोदय, जस्टिस तिवाना जो हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज हैं उनसे एक दिन मुलाकात हो गई। वे कनाडा गए थे। वहां पर उनके दामाद और लड़की रहते हैं। जब वे वहां गये तो वे डिजली लैंड देखने गए। बच्चे उनके साथ थे। वहां पर सोलह डालर पर–टिकट का रेट था। जब वे खिड़की पर टिकट

लेने गए तो हरेक आदमी से सोलह डालर के हिसाब से चार्ज किया जा रहा था लेकिन जब जस्टिस तिवाना की बारी आई तो उनसे दो डालर लिए गए। वे रिटायर्ड जज हैं और 70–72 साल के हैं। उन्होंने इसका कारण पूछा तो उनको जवाब मिला, "Your are the senior citizen of the State and that is why, you are being charged 2 dollars." इसके बाद तिवाना जी ने कहा, "I am not a Canadian. I am an Indian. Why are you charging 2 dollars?" कि कोई भी हो जो इस कनाडा की धरती पर है और जिसकी०मर सत्तर साल है वह यहां का सीनियर सिटिजन है। मैं समझता हूं कि चौधरी देवी माल ने पैन्शन देने का ऐसा कदम उठाया है कि आने वाले जमाने में जिस तरह से रेल का जिक्र आता है कि इसको किसने बनाया था उसी तरह से जब पैन्शन का जिक्र आएगा कि इसको किसने शुरू किया था तो चौधरी देवी लाल का नाम पैन्शन का रिवाज डालने के लिए आएगा। यह सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। अगले चुनाव तक हिन्दुस्तान में सब जगह यह लोगों को मिल जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने जो नौमेडिक लोग है जो खानाबदोश लोग हैं, के बारे में जिक्र किया। चौधरी देवी लाल की बहुत पैनी नजर है। उपाध्यक्ष महोदय, इन लोगों का पिछले पचास साल से कोर्र ठिकाना नहीं हैं। वे जगह–जगह घूमते रहते हैं। चौधरी देवी लाल ने देखा कि ये लोग जगह–जगह घूमते रहते हैं इस लिए इनको बसाया जाना चाहिए। चौधरी देवी लाल ने उनके बच्चों को शिक्षा देने के लिए एक रुपया रोज दिया है। यह भी

बड़ी भारी उपलब्धि है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं बेकारी भला के बारे में जिक्र करूंगा। इससे पहले कोई सरकार ऐसी नहीं है जिसने यह भत्ता दिया हो। यह सारे हिन्दुस्तान की प्रौब्लम है। उपाध्यक्ष महोदय, देश की सब से बड़ी प्रौब्लम अनएम्पलाएमैंट है। चौधरी देवी लाल ने अनएम्पलायड ग्रेजुएट्स को भत्ता देने का जो काम किया शै यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं ऐग्रीक्लचर एण्ड पावर सैक्टर का जिक्र करूंगा। दूसरे सदस्यों ने भी इसका जिक्र किया है। मैं चौधरी वीरेन्द्र सिंह को इसके लिए मुबारिकवाद देना चाहता हूं कि उनके नेतृत्व में बिजली की पैदावार काफी बढ़ी है और लोगों को पूरी बिजली दी जा रही है। अब मैं 1987 से लेकर आज तक ऐग्रीक्लचर सैक्टर को जितनी बिजली दी गई वे फिगर्ज देना चाहता हूं। 1987 में 112 लाख यूनिट थी, 1988 में 146 लाख यूनिट और 1989 में 178 लाख यूनिट दी गई। महैंन्द्र प्रताप सिंह जी आप सुन ले। मैं समझता हूं कि सरकार का यह बहुत ही सराहनीय काम है कि लोगों को चौबीस घण्टे बिजली दी जा रही है। सूखा होने के बावजूद चौबीस घण्टे बिजली देना बहुत बढ़िया काम है ओर इसके लिए मैं फिर एक बार चौधरी वीरेन्द्र सिंह को मुबारिकवाद देना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, ऐग्रीक्लचर सैक्टर के बारे में यहां पर कहा गया। मैं भी इस बारे में कुछ कहना चाहता हूं। चौधरी देवी लाल ने ऐग्रीक्लचर डिपार्टमेंट को बाइफरकेट करके हौर्टीक्लचर विभाग अलग से बनाया है। पंजाब में और महाराष्ट्र में कुछ ऐसे पौकिट्स हैं जहां पर बागवानी को प्रोत्साहित किया गया है।

परिणाम यह हुआ कि पहले जिस जमीन की कीमत तीस चालीस हजार एकड़ थी अब उसकी कीमत दो लाख रुपए एकड़ है। महाराष्ट्र में जहां अंगूर की खेती होती है वहां पर सत्तर हजार रुपए प्रति एकड़ जमीन का भाव हैं और जहां मालटा होता है वहां पहले पच्चीस हजार रुपए प्रति एकड़ का भाव था जब कि अब दो लाख रुपए प्रति एकड़ का भाव जा रहा है। ऐसा करके चौधरी देवी लाल ने किसानों की सब से ज्यादा सेवा की है क्योंकि इससे किसानों को बहुत ज्यादा लाभ हुआ है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद मैं इंडस्ट्रीलाइजेशन के बारे में चर्चा करूंगा। पुनिया साहब हमारे इंडस्ट्रीज मिनिस्टर हैं। इसका हमें उन पर पूरा कख है कि राजनीति में आने से पहले वे लेबर कमिशनर थे और डायरैक्टर ऐग्रीकल्चर थे। उन्हैं लेबर की प्रौबलम का भी पता है। उन्हैं पता है कि इंडस्ट्रयलिस्ट्स की क्या प्रोबलम्ज होती हैं। पुनिया साहब ने जिस ढंग से इंडस्ट्रीयल पोलिसी बनायी है उसके बारे में, मैं फख्र के साथ कह सकता हूं कि इस पौलिसी के तहत हरियाणा के अन्दर जिस तरह का इंडस्ट्रीज के लिए उन्होंने इंसैटिव दिया है वैसा इंसैंटिव न गुजरात ने और न ही दिल्ली राज्य में नोयडा में दिया गया है। मैं तो यहां तक भी कहना चाहता हूं कि इस तरह का इंसैंटिव शायद हिन्दुस्तान की किसी और स्टेट में भी न दिया गया होगा। जैनरेटिंग सैटों के लिए दी जाने वाली सहायता अनुदान की राशि पहले 50 हजार थी अब उस राशि को बढ़ाकर 15 लाख कर दिया

गया है और औद्योगिक तौर से पिछडे हुए इलाकों में नये उद्योग लगाने के लिए दी जाने वाली राशि बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दीखाई है। इंडस्ट्रीज सैट–अप करने के लिए रोजमर्रा हरियाणा फायमैन्शियल कारपोरेशन औंर एच० एस० आई० डी० सी० में इंडस्ट्रलिस्ट्स द्वारा पूछताछ चली रहती है कि यदि लोग हरियाणा के अन्दर कोई इंडस्ट्रीज सैट–अप करते हैं तो सरकार द्वारा क्या इसैंटिव दिया जाएगा। इसी तरह से लोगों को जानकारी प्राप्त होती रहती है। वर्ष 1989–90 के दौरान ग्रामीण उद्योग स्कीम के अन्तर्गत 2500 यूनिट स्थापित करने का सरकार का प्रस्ताव है। यह एक बहुत बड़ा कदम है।

इसके बाद मैं हरियाणा रोडवेज और हरियाणा टूरिज्म 'का जिक्र करना चाहता हू जिसके कारण से आज सारे हरियाणा का नाम हिन्दुस्तान में सब से०पर लिया जाता है। हरियाणा रोडवेज ने अपना उच्च स्तर निरन्तर बनाये रखा है। रोडवेज के मामले में आज हरियाणा सभी प्रान्तों से आगे है। हरियाणा राज्य ने टूरिज्म के मामले में इतनी तरक्की की है कि दूसरे राज्यों ने भी हरियाणा टूरिज्म की कसलटेशन सर्विस माँगी है जो हमारे लिए फख्र की बात है। इसका सारा श्रेय हमारी इस लोकप्रिय सरकार को जाता है। वर्ष 1988–89 के दौरान कई जगहों पर टूरिस्ट कौम्पलैक्स बनाये गये हैं जोकि पर्यटकों के लिए आकर्षण बने हुए हैं।

डिप्टी स्पीकर साहब, इससे आगे मैं जेल रिफार्म्ज के सम्बध मे भी कुछ कहना चाहूंगा। हमारी इस सरकार ने राज्य में जेलों की हालत सुधारने के लिये अनेक लाभकारी कदम उठाये हैं। जस्टिस टेकचन्द समिति की सिफारिशों की जांच के लिए श्री मूल चन्द जैन की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनायी गयी थी। उस में कैदियों की हालत सुधारने के लिए कई उचित कदम उठाए गए हैं। जेलों के अन्दर कैदियो के मनोरंजन की व्यवस्था भी की गई है। इसी तरह से कैदियों की समय से पूर्व रिहाई व सजा कम करने के बारे में जो सिफारिशें की गई हैं, वे काबिले तारीफ हैं। इसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है।

इससे अगली बात मैं पब्लिक ऐण्टरप्राइजिंज ब्यूरो के बारे में कहना चाहूंगा। यह हरियाणा के अन्दर पहली बार गुजरात पैटर्न पर बनाई गई है ताकि बोर्डो और कारपोरेशंज की वाकिंग और फायनैन्सिज की प्रौब्लम को सुचारू रूप से चौनलाईज करके चलाया जा सके। मुझे इस बात की खुशी है कि जब से यह ब्यूरो बना है तब से सभी बोर्डो और कारपोरेशंज का काम सुचारू रूप से चल रहा है। '

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं सरकार की बढ़िया ऐजूकेशन। पौलिसी का जिक्र करूंगा। पहले 70,000 टीचर्ज होते थे और उनके लिए एक ही डायरैक्टोरेट होता था लेकिन अब स्टूडैन्ट्स और टीचर्ज की डिफीकल्टीज को देखते हुए हरियाणा सरकार ने दो डायरैक्टोरेट्स बना दिए हैं। अलग से एक प्राइमरी

ऐजूकेशन डायरैक्टोरेट बना दिया गया है। अब दोनों डायरैक्टोरेट्स के पास 35–35 हजार टीचर्ज होंगे। इस के लिए सरकार को बधाई देनी चाहिए। हमारे ऐजूकेशन बोर्ड के चेयरमैन श्री राजाराम जी हैं। उन्होंने नकल। सिस्टम को काफी अच्छे तरीके से चौक किया है और उस पर रोकथाम लगाई है और आठवीं की परीक्षाओं को दोबारा इंट्रोड्यूस किया है जोकि एक बड़ा ही सराहनीय कदम है।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी इस सरकार के बनने के बाद जिस ढंग से चौधरी देवी लाल जी ने काम किया और हमारी इज्जत बढ़ाई है उसी कारण से आज हम इस सदन में बैठे हुए हैं। वह सचमुच में सराहनीय काम है। चौधरी देवीं लाल जी बाढ़ और सूखे दिनों में सदन को छोडकर लोगों की दुख–तकलीफ को सुनने के लिए स्वयं लोगों के पास जाते रहैं। ओलावृष्टि जिन दिनों में हुई, चौधरी देवी लाल जी स्वयं किसानों के पास चल कर गए और उनको फौरी तौर पर अपने पास से नकद सहायता दी। इससे, आजु हम सब्र की इज्जत बढ़ी है न जिन लोगों की चौधरी साहब ने दु:ख–तकलीफ में मदद की उन्हीं लोगों की बदौलत आज हम यहां पर विराजमान हैं। यह कितने फख की बात है।

मैं आखिर में एक बात और कहूंगा कि आज कल कुछ सम्मेलनों की चर्चा है। कहा जा रहा है कि पंजाबी इस सरकार से दूर हो रहैं हैं। भजन लाल के नाम से सम्मेलन किया जा रहा है।

क्योंकि यहां सारे सदस्य बैठे है मैं उन्हैं बताना चाहूंगा हालांकि यह चर्चा का विषय नहीं है। मैं बताना चाहता हूं कि इस सदन में भी पंजाबियों का उतना ही प्रतिनिधित्त है जितना पिछली सरकार मे हुआ करता था। जो हमारे पंजाबी एम० एल० ए० या मिनिस्टर हैं मैं उनके नाम पड़ कर सुनाता हूं। श्री हर मोहिन्द्र सिंह चटठु, आनरेबल स्पीकर जिला गुजरांवाला के हैं, श्री वलबीर पाल शाह, ननकाना साहब, श्री हरनाम सिंह जिला शेखूपुरा, श्री बूटा सिंह, सियालकोट, श्री सुरेन्द्र कुमार मदान, जिला मिटगुमरी डा० मंगल सैन, जिला सरगोधा, श्री देवी दास, जिला मुज्जफरगढ, श्री सरदूल सिंह, जिला गुजरांवाला, श्री कुन्दन लाल भाटिया, जिला बाबू, श्री हरपाल सिंह (टोहाना) जिला लाहौर मुल्तान, श्री आत्मा सिंह (रतिया) मिंटगुमरी, श्री बलबीर सिंह (फतेहाबाद) जिला मुलतान, श्री हजार चन्द कम्बोज, जिला साहीवाल, श्री लछमन दास बजाय, जिला मिटगुमरी, श्रीमती कमला वर्मा, जिला गुजरांवाला, श्री सुभाष कटियाल, जिला झंग और श्रीमती जसमा देवी जिला भावलपुर। तौ मेरे कहने का मतलब यह है कि इस सरकार मे हमारी सभी बिरादरियों को बराबर का प्रतिनिधित्व मिला है। यहां पर हमारे माननीय साथी महैंन्द्र प्रताप जी बैठे है इसलिए मैं उन्हैं कहना चाहूंगा कि चूंकि हमने आर्थिक मुद्दो पर सरकार बनाई है इसी वजह से आज इस हाउस में चारों तरफ हम है। मैं कहना चाहता हूं कि हमें अपने नेता के नेतृत्व में मंजिल मिले न मिले, मंजिल कीं जुस्त जू में हमारा कारवां है। (शोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। इनका संकल्प है कि ये दिल्ली जाएंगे और उनका यह है कि वे यहां से भी जाएगे। (हंसी)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट, आफ आर्डर है। ये तो ऐसे कह रहैं है जैसे भगवान से, सब कुछ इन्होंने ले लिया है। (शोर) अहंकार वाले को कुदरत ने कभी नही छोड़ा है। (शोर) यह तो समय ही बताएगा, हम भविष्यवाणी में विश्वास नहीं रखते। (शोर)

श्री रणजीत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कहना चाह रहा था कि बाकी तो सभी बाते हो ली (श्री महैंन्द्र प्रताप सिंह की ओर से विघन)

श्री उपाध्यक्षः महैंन्द्र प्रताप जी, आप बैठे, ऐसे बीच मैं बोलने का कोई तरीका नही है। (शोर) आपने अगर बोलना है तो चेयर की परमिशन लेकर बोलें। में इतनी तरक्की की है कि दूसरे राज्यो ने भी हरियाणा टूरिज्म की कंसलटेशन सर्विस माँगी है जो हमारे लिए फख्र की बात है। इसका सारा श्रेय हमारी इस लोकप्रिय सरकार को जाता है। वर्ष 1988–89 के दौरान कई जगहों पर टूरिस्ट कौम्पलैक्स बनाये गये हैं जोकि पर्यटकों के लिए आकर्षण बने हुए हैं।

डिप्टी स्पीकर साहब, इससे आगे मैं जेल रिफाम्जं के सम्बन्ध में भी कुछ कहना चाहूंगा। हमारी इस सरकार ने राज्य में

जेलों की हालत सुधारने के लिये अनेक लाभकारी कदम उठाये हैं। जस्टिस टेकचन्द समिति की सिफारिशों की जांच के लिए श्री मूल चन्द जैन की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनायी गयी थी। उस में कैदियों की हालत सुधारने के लिए कई उचित कदम उठाए गए हैं। जेलों के अन्दर कैदियौ के मनोरंजन की व्यवस्था भी की गई है। इसी तरह से कैदियों की समय से पूर्व रिहाई व सजा कम करने के बारे में जो सिफारिशें की गई हैं, वे काबिले तारीफ हैं। इसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। इससे अगली बात मैं पब्लिक ऐण्टरप्राइजिंज ब्यूरो के बारे में कहना चाहूंगा। यह हरियाणा के अन्दर पहली बार गुजरात पैटर्न पर बनाई गई है ताकि बोर्डो और कारपोरेशंज की वाकिंग और फायनैन्सिज की प्रौब्लम को सुचारू रूप से चौनलाईज करके चलाया जा सके। मुझे इस बात की खुशी है कि जब से यह ब्यूरो बना है तब से सभी बोर्डो और कारपोरेशंज का काम सुचारू रूप से चल रहा है।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं सरकार की बढ़िया ऐजूकेशन। पौलिसी का जिक्र करूंगा। पहले 70,000 टीचर्ज होते थे और उनके लिए एक ही डायरैक्टोरेट होता था लेकिन अब स्टूडैन्ट्स और टीचर्ज की डिफीकल्टीज को देखते हुए हरियाणा सरकार ने से डायरैक्टोरेट्स बना दिए हैं। अलग से एक प्राइमरी ऐजूकेशन डायरैक्टोरेट बना दिया गया है.। अब दोनों डायरैक्टोरेट्स के पास 35–35 हजार टीचर्ज होंगे। इस के लिए

सरकार को बधाई देनी चाहिए। हमारे ऐजूकेशन बोर्ड के चेयरमैन श्री राजाराम जी हैं। उन्होंने नकल सिस्टम को काफी अच्छे तरीके से चौक किया है और उस पर रोकथाम लगाई है और आठवीं की परीक्षाओं को दोबारा इंट्रोड्यूस किया है जोकि एक बड़ा ही सराहनीय कदम है।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी इस सरकार के बनने के बाद जिस ढंग से चौधरी देवी लाल जी ने काम किया और हमारी इज्जत बढ़ाई है उसी कारण से आज हम इस सदन में बैठे हुए हैं। वह सचमुच में सराहनीय काम हैं। चौधरी देवी लाल जी बाढ़ और सूखें के दिनों में सदन को छोड़कर लोगों की दुःख तकलीफ को सुनने के लिए स्वयं लोगों के पास जागे पे। ओलावृष्टि जिन दिनों में हुई, चौधरी देवी लाल जी स्वयं किसानों के पास चल कर गए और उनको फोरी तौर पर अपने पास से नकद सहायता दी। इससे आज हम सब्र की इज्जत बढ़ी है जिन लोगों की चौधरी साहब ने दुःख–तकलीफ में मदद की उन्हीं लोगों की बदौलत आज हम यहां पर बिराजमान हैं। यह कितने फख की बात है।

मैं आखिर में एक बात और कहूंगा कि आज कल कुछ सम्मेलनों की चर्चा है। कहा रचा रहा है कि पंजाबी इस सरकार से दूर हो रहैं हैं। भजन लाल के नाम से सम्मेलन किया जा रहा है। क्योंकि यहां सारे सदस्य बैठे है मैं उन्हैं बताना चाहूंगा हालांकि यह चर्चा का विषय नही है। मैं बताना चाहता हू कि इस सदन में भी पंजाबियों का उतना ही प्रतिनिधित्त है जितना पिछली सरकार

मे हुआ करता था। जो हमारे पंजाबी एम० एल० ए० या मिनिस्टर हैं मैं उनके नाम पढ़ कर सुनाता हूं। श्री हर मोहिन्द्र सिंह चट्ठा, आनरेबल स्पीकर जिला गुजरांवाला के हैं, श्री बलबीर पाल शाह, ननकाना साहब, श्री हरनाम सिंह जिला शेखूपुरा, श्री बूटा सिंह, सियालकोट, श्री सूरेन्द्र कुमार मदान, जिला मिटगुमरी डा० मंगल सैन, जिला सरगोधा, श्री देवी दास, जिला मुज्जफरगढ, श्री सरदूल सिंह, जिला गुजरांवाला, श्री कुन्दन लाल भाटिया, जिला बानू, श्री हरपाल सिंह (टोहाना) जिला लाहौर मुल्तान, श्री आत्मा सिंह (रतिया) मिटगुमरी, श्री बलबीर सिंह (फतेहाबाद) जिला मुलतान, श्री हजार चन्द कम्बोज, जिला साहीवाल, श्री लछमन दास बजाज, जिला मिंटगुमरी, श्रीमती कमला वर्मा, जिला गुजरांवाला, श्री सुभाष कटियाल, जिला झंग और श्रीमती जसमा देवी जिला भावलपुर। तौ मेरे कहने का मतलब यह है कि इस सरकार मे हमारी सभी बिरादरियों को बराबर का प्रतिनिधित्व मिला है। यहां पर हमारे माननीय साथी महैंन्द्र प्रताप जी बैठे है इसलिए मैं उन्हैं कहना चाहूंगा कि चूंकि हमने आर्थिक मुद्दो पर सरकार बनाई है इसी वजह से आज इस हाउस में चारों तरफ हम है। मैं कहना चाहता हूं कि हमें अपने नेता के नेतृत्व में मंजिल मिले न मिले, मंजिल कीं जुस्त जू में हमारा कारवां है। (शोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। इनका संकल्प है कि ये दिल्ली जाएगे और उनका यह है कि वे यहां से भी जाएंगे। (हंसी)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्यांवट, आफ आर्डर है। ये तो ऐसे कह रहैं है जैसे भगवान से सब कुछ इन्होंने ले लिया है।। (शोर) अहंकार वाले को कुदरत ने कभी नही छोड़ा है। (शोर) यह तो समय ही बताएगा, हम भविष्यवाणी में विश्वास नहीं रखते। (शोर)

श्री रणजीत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, –मैं कहना चाह रहा था कि बाकी तो सभी बाते हो ली (श्री महैंन्द्र प्रताप सिंह की ओर से विघन)

श्री उपाध्यक्षः महैंन्द्र प्रताप जी, आप बैठे, ऐसे बीच मैं बोलने का कोई तरीका नही है। (शोर) आपने अगर बोलना है तो चेयर, की परमिशन लेकर बोलें।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष सहोदय, उधर वाले बैठै बैठे बोल रहैं हैं आप उनको भी रोकिए। (शोर)

स्थानीय शासन राज्य मन्त्री (श्री ए० एस० भदाना): उपाध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि महैंन्द्र प्रताप जी रिजाइन करके दोबारा इलैक्शन लड़ कर देखें। (शोर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब यह तो बिना विधायक बने ही मन्त्री बने हैं जो कि वाहिद मिसाल है। ....(शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए। (शोर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, जब ये मेरे बारे में कह रहैं हैं तो आप मुझे भी अपनी बात कहने का मौका दें। (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौधरी महैंन्द्र प्रताप जी ने फरमाया कि यह पहली मिसाल है कि हमारी सरकार में बिना विधायक बने भदाना साहब मन्त्री हैं। मैं इनको याद दिलाना चाहता हू और मुझे याद है कि कुछ दिन पहले जम्मू एंड कश्मीर में जब शेख अब्दुला मुख्य मन्त्री थे उन्होंने एक और मिसाल कायम की थी। उन्होंने एक आदमी बिना विधायक बनाए वजीर बनाया ओर उसको 6 महीने वजीर बनाए रखा। फिर 6 महीने के बाद उन्होंने उसी आदमी को बिना विधायक बनाए वजीर बनाया और उसको 6 महीने तक वजीर बनाए रखा। इसी तरह से अभी पिछली बार चौधरी बंसी लाल जब हरियाणा के मुख्य मंत्री बने, उस समय ने विधायक नही थे और कई दिन तक मुख्य मंत्री रहैं। जब उनकी रिजीम में चुनाव हुए और उन्होने तोशाम हल्के से चुनाव लड़ा तो 82 हजार वोटों से जीत गए। उसके लिए उनका नाम गिनीज बुक में आएगा कि कैसे गिमिक करके चुनाव जीते। उसके 6 महीने बाद फिर चुनाव आए तो उनको हमारे माननीय मन्त्री श्री धर्मवीर सिंह ने चार हजार वोटों से हराया। (थम्पिंग) इसलिए मैं चौधरी महैंन्द्र प्रताप जी को कहना चाहता हूं कि आप भदाना साहब की प्रोवोकेशन में आकर इस्तीफा न देना क्योंकि आप चित्त जाओगे (शोर) चौधरी महैंन्द्र

प्रताप सिंह डिप्टी स्पीकर साहब, कई चार्जिज इन लोगों ने यहां बैठ कर लगाए हैं और उनका व्याख्यान भी कर दिया। (शोर) मुझे इस्तीफा 'देने की जरूरत नही है। मुझे जनता ने पांच साल के लिए चुना है। अगर आप चौलेजं करते हैं तो एक काम कर लो कि सारा हाउस इस्तीफा दे दे और सभी अपने अपने हल्कों से चुनाव लड़ लें। मैं यह चौलेंज करता हूं कि अगर मेरे हल्के से आपका कोई आदमी चुनाव जीत गया तो मैं हमेशा के लिए राजनीति से इस्तीफा दे दूंगा। आप यह भी करके देख लो। (शोर)

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी लीकर साहब, में चौधरी महैंन्द्र प्रताप जी को याद दिलाना चाहता हू कि ये तो वे लोग हैं, डिप्टी स्पीकर साहब आपके समेत जिन्होंने इस असैम्बली से अगस्त, 1985 में इस्तीफे दिये थे। महैंन्द्र प्रताप जी आप वह तजुर्बा भी करके देख लें। (शोर)

जेल राज्य मन्त्री (श्री नर सिंह ढांडा): डिप्टी स्पीकर साहब, यहां पर कांग्रेस पार्टी के चार मैम्बर बैठे हैं। ये चारों इस्तीफा दे दें और हम जनता दल वाले इन चारों के मुकाबले चार ही इस्तीफा देने को तैयार हैं, चुनाव दुबारा कराके देख लें (विघ्न)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः हमारे चारों के मुकाबले भी आप सब की कीमत नहीं है। (विघ्न)

श्री मंगल सैनः उपाध्यक्ष महोदय, आपकी अध्यक्षता में सदन चल रहा है और यहां पर कोई भी माननीय सदस्य खड़े हो कर यदि कोई बात कहना चाहें तो कह सकता है। (विघ्न) चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंह जी के लिए भी मुझे माननीय शब्द लगाना ही पड़ेगा क्योकि ये इस महान सदन के सदस्य हैं। इन्हैं रुल्ज को पढ़ कर ही आपसे कोई बात करनी चाहिए। इन्होंने अभी थोड़ी देर पहले कुछ ऐसे शब्द प्रयोग किये जो अन–पार्लियामेंटरी हैं। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस शब्द को अब ऐक्सकपंज करवा दिया जाये।

श्री उपाध्यक्षः मैंने उसको रिकार्ड पर न लाने के लिए उसी समय कह दिया था।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, फिर तो मुझे आप माफ करना, क्योंकि to ert is human. मानव गलती का पुतला है। लेकिन मैं रोज देखता हूं और हमने इन बैंचों पर जिन पर आज ये बैठे हैं 26–27 साल बिताए हैं। जब हम इन बैंचों पर बैठते थे तो घर से तैयार हो कर आते थे और अपनी आदत पर रोक रख कर और खाने–पीने का परहैंज करके अपनी बात कहते थे। हम देखते थे कि रूल्ज क्या हैं, बिजनैस बाई लाज क्या हैं, सिस्टम क्या है और प्रैक्टिस क्या हैं। इन सब चीजों को देख करके आया करते थे ये बगैर बात के बोलने के लिए खड़े हो गए और बोलना शुरु कर दिया। अगर ये अपनी कोई बात कहैं तो प्वायंट आफ आर्डर पर खड़े हो कर कहैं। पांच साल तो क्यको बर्दाश्त करना

पड़ेगा और कुछ दिनों के बाद सैन्टर वालों को भी ये दिन बर्दाश्त करने पड़ेगे। लोकतंत्र में तो यह सदमा सहना ही पड़ता है।

श्री उपाध्यक्षः डाक्टर साहव आप ही इन्हैं समझाइये क्योंकि आप इस हाऊस के सीनियर लैजिस्लेटर हैं।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है

श्री उपाध्यक्षः नो प्वायंट, आफ आर्डर। (शोर एवं विघ्न)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः आप मुझे प्वायंट आफ आर्डर पर क्यों नही बोलने देना चाहते? (शोर)

Mr. Deputy Speaker : No need to say anything. You do not know the rules. Please sit down. It is sad on your part.

श्री रणजीत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अपनी बात कह रहा था लेकिन बीच में कुछ और बात चल पड़ी और डाक्टर मंगल सैन जी, जो हमारे सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं, ने ठीक बात कही। मैं अपने साथियों को बताना चाहूंगा कि इसमें हमारे इन साथियों की कोई गलती नही हैं। जिस स्कूल मे ये पढ़े हैं उसमें इन्होंने ऐसा' ही पढ़ा है इनकी पार्टी के जो अध्यक्ष हैं और जो देश के प्रधान मन्त्री भी हैं, श्री राजीव गांधी जी, वे 15 अगस्त को दिल्ली में लाल किले पर बोलते हुए, जहां पर फौरैन डिगनिटरीज भी बैठे होते है, यह कहते हैं कि आज गणतंत्र दिवस है। यह इनके लिए कोई गलती नही है। जिस स्क्ल में ये पढ़े हैं वैसी ही

ये भाषा बोलते हैं। इसलिए इनकी बातों को छोड़िए। डिप्टी स्पीकर साहब मैं गवर्नर ऐडैरस पर चर्चा कर रहा था। कल हमारे एक माननीय सदस्य ने थोडी मी चर्चा को–आप्रेटिव डिपार्टमैंट के बारे में कर दी। उन बातों का जवाब चौधरी रघुबीर सिंह जी ने खासी बातों में दिया है लेकिन इस संबंध में मैं भी एक मिनट अपनी बात कहना चाहूंगा। चौधरी रघुबीर सिंह जी जो को–आप्रेटिव डिपार्टमैंट के इन्चार्ज हैं और जो मिनिस्टर आफ स्टेट हैं, उनके बारे में मैं यह तो नही कहूंगा कि वे हाउस के सबसे पढ़े–लिखे सदस्य हैं लेकिन फिर भी वे बैल रैड, वैल ऐज्केटिड एम० ए० एल० एल० बी०, पी० एच०डी० यानी डाक्टर है। उन्होंने जब से यह महकमा सम्भाला उसके बाद की सारी फिगर्ज देकर सारी चीज क्लीयर कर दी है। सारी बातें बहुत डिटेल में उन्होंने बताई है। सरकार का काम होता है ऐप्वायटमैंट्स देना, लगाना, हटाना, फिर लगाना और एडहौक ऐप्वायंटमैंट आदि देना। उन्होंने बहुत बढ़िया तरीके से अपने डिपार्टमैंट को डिफैण्ड किया। महकमे के वजीर को महकमें के आदमी को डिफैण्ड करना चाहिए। मैं मंत्री साहब की तारीफ करूंगा कि 'इनमें बहुत ही स्पोर्टसमैनशिप है। उन्होंने यहां इसी सदन में खडे होकर सारी बात मान ली। डिप्टी स्पीकर साहब, बहुत से माननीय सदस्य हैं जिन्होंने अभी इस अभिभाषण पर बोलना है। इसलिए मैं अधिक न कहते हुए गवर्नर साहब ने, राज्यपाल साहब ने, इस हाऊस में जो अभिभाषण दिया है, पूरी

तरह से उसका अनुमोदन करता हूं और इन शब्दों के साथ अपना स्थान ग्रहण करता हू। धन्यवाद।

श्री हजार चन्द (सिरसा): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। राज्यपाल का अभिभाष सरकार के किए हुए कामों और सरकार की नीतियों को स्पष्ट करने के लिए होता है और उन्होंने सरकार के किए हुए कामों को बड़े विस्तार से हाऊस के सामने रखा है। जहां तक लोकदल–भाजपा की मुश्तर्का सरकार की उपलब्धियों का सवाल है, हिन्दुस्तान भर में यह कम ही पाया जाएगा कि इतने मामूली से अर्से के अन्दर, डेढ़ साल के थोडे से समय के अन्दर इस सरकार ने जनता को इतनी उपलब्धियां दी हैं जितनी कि कोई सरकार 5 साल के अरसे के अन्दर भी नही दे सकती है। इलैक्शन के दौरान अपने किये हुए वायदे जिस ढंग से जिस तेजी से इस सरकार ने पूरे किये हैं, वह हिन्दुस्तान भर में एक रिकार्ड है। बुढ़ापा पैशन, पढ़े लिखे नौजवानों को इन्टरव्यू पर आने जाने के लिए सहूलियत, किसानों को दरखतों में हिस्सेदारी, बेरोजगारी भत्ता, विधवाओं की पेंशन में इजाफा, मुक्त द्वार प्रशासन शिविर, आदि कुछ ऐसे काम हैं जो कि सीधे जनता को प्रभावित करने वाले हैं। जनता की मुश्किलात और समस्याओं को हल करने वाले हैं। आज मुक्त द्वारा प्रशासन शिविर चल रहैं हैं, उनके बारे में मेरा अपना अनुभव है। मैं दो शिविरों में गया हूं। नि कामों के लिए आम किसान और गरीब लोग कई–कई दिनों तक दफ्तरों के

चक्कर काटते हैं, वे काम एक दिन में ही हुए और वह भी बिना कुछ खर्च किये। एक शिविर के अन्दर 11,000 केस सुने गये और उनका समाधान किया गया और दूसरे शिविर के अन्दर साढे दस हजार केस निपटाए गए। यह देन है चौधरी देवी लाल की। आम जनता की सहूलियत के लिये, आम जनता को परेशानी से बचाने के लिए उन्होंने यह काम किया है। सबसे बड़ी देन बै जो हमारी सरकार ने लोगों को दी है, वह है बिजली और पानी की। इलैक्शन के अन्दर नारा था, ''बिजली पानी का प्रबन्ध भ्रष्टाचार बन्द'' बिजली पानी का जो प्रबन्ध हुआ है उसे हमारे मुखालफीन भी मानते हैं। वे अपनी बैठकों में, अपनी मीटिंगों में कहते हैं कि यह जो काम उन्होंने कर दिया है, यह काम एक ऐसा काम है जिसे हम में से कोई नहीं कर सका। मुखालिफ पार्टी के एम० एल० ए० इस बात के लिए लड़ते हैं कि इस सरकार ने तो सब कुछ कर दिया लेकिन वे क्यों नहीं कर सकते थे। वे बहाना बनाते थे। इस बात के लिए मैं माननीय मंत्री श्री वीरेन्द्र सिंह जी को मुबारिकबाद दूंगा कि उन्होंने इस सरकार का नाम०ंचा किया है। उन्होने बिजली पानी की सप्लाई ठीक करके बहुत बड़ा काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, भ्रष्टाचार बन्द का जो नारा सरकार ने दिया है उसे हम सौ प्रतिशत तो पूरा नहीं कर सकते लेकिन आज हमारे प्रदेश में वह भ्रष्टाचार नहीं है जो कांग्रेस सरकार के टाईम में था। आज के दिन किसी अफसर की हिम्मत नहीं पड़ती है कि वह सीधी रिश्वत मांगे लेकिन मैं एक बात यहां अर्ज कर दू कि भ्रष्टाचार का जो कारण होता है वह पौलिटिशियन होते हैं। हम

यहां विधान सभा में जो एम० एल० ए० बैठे हैं उनके बारे में मैं दावे से कह सकता हूं उनके खिलाफ कोई भी आदमी उंगली खड़ी करके नहीं कह सकता है कि इन्होंने कोई करप्शन की है, पैसा लिया है। हमारी यही सबसे बडी ताकत है। माननीय सदस्यों ने अपना कैरेक्टर साबित करके दिखाया हैं। किसी भी सदस्य के बारे में कोई इस बात का सबूत नहीं है कि इसने करप्शन की हैं। अगर रिश्वत नहीं होगी तो जो यहां हरियाणा में मुलाजिम लगेगे वे भी ईमानदारी के साथ और देशभक्ति के साथ काम करेंगे। जो आदमी किसी को बीस या पच्चीस हजार रुपये रिश्वत देता है तो उसके सामने पहला निशाना यह होता शै कि दी हुई रिश्वत पहले वापस लूं। पहले जो करप्शन की मार थी, आज उस करप्शन के०पर पूरा कन्ट्रोल है। आहिस्ता–आहिस्ता करप्शन भी खत्म होगी। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों अगस्त और सितम्बर में हरियाणा में एक बाढ़ प्रकोप आया और उस बाढ़ और बारिश ने हरियाणा के आठ जिलों को प्रभावित किया। उन जिलों में मेरा एक सिरसा जिला भी है। सिरसा जिले में मेरे हल्के के गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। मेरे हल्के के करीब 60 गांव बाढ़ और बरसात से प्रभावित हुए। इनमें से 22 गांव ऐसे हैं जिनका 70 परसैन्ट नुक्सान हो गया यानि मकान और फसल का नुक्सान हुआ। दस गांव ऐसे हैं जहां शत–प्रतिशत मकान और फसल का नुक्सान हुआ। इन बाढ़ के दिनों में जिस फुर्ती से पोलिटिकल लोगों और अफसरों ने काम किया और लोगों को वक्त पर रिलीफ दिया वह सराहनीय है। उसके साथ ही हमारे मुख्य मन्त्री चौधरी देवी लाल

जी हर हफ्ते या दस दिन के बाद निगरानी के लिए वहां पहुंचते रहैं। वे यह देखने के लिए पहुंचते रहैं कि जो सरकार की नीति है यानी जो रिलीफ सरकार दे रही है वह मिल रही है या नहीं। जो रिलीफ सरकार ने दी उससे लोग अपने पैरों पर खड़े हो गये। लोगों को यह महसूस नहीं हुआ कि हमारी इतनी तबाही हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, बाढ़ के कारण कुछ समस्यायें भी पैदा हुई हैं। हमारे अपने जिले के अन्दर भारी तबाही हुई। कई लोगों के ट्यूबवैल डूब गये और वे अब तक डूबे हुए हैं। उनके लिए ऐलान किया गया था कि तीन महीने के बिजली के बिल माफ कर दिये जायें। लेकिन वह मुआफी अभी अमल में नहीं हो पाई क्योंकि वहां पर महकमे के जो अफसर हैं, वह इस ढंग से काम करते हैं कि कोई भी आदमी इस सहूलियत का फायदा नहीं उठा पा रहा है। कई तरह की इस बारे में दलीलें दी जा रही हैं। इसलिए मैं यह चाहूंगा कि जो भी बाढ़ पीड़ित इलाके हैं, जिनके वारे में डी०सी० की तरफ से रिपोर्ट आ गई हैं उनको पूरा रिलीफ देने के लिए उनकी बिला दरख्वास्त माफी होनी चाहिये। दूसरी बात यह है कि सारी फसल तबाह होने के बाद आबियाना मुलतवी किया गया हैं लेकिन जिनके पास कुछ बचा ही नहीं है, मकान भी नहीं बचे और फसल भी नहीं है अगली फसल पर वह आबियाना कहां से देंगे? इसलिए मैं यह गुजारिश करूंगा कि उनका आबियाना मुलतवी ही नहीं, मुआफ भी होना चाहिए। एक बात उनको दोबारा बसाने के लिए की गई है। उनको मकान बनाने के लिए लोन और सबसीडी दी गई है। उस लोन या कर्जे लेने के लिए कुछ शरायत ऐसी हैं,

जिससे हर आदमी फायदा नहीं उठा पा रहा है। सबकी फसल तबाह हुई है और घर तबाह हुए हैं। उसमें यह नहीं कहना चाहिए कि जो बेमालिक हैं, जिसके पास जमीन नहीं है, उसी को लोन दिया जाये। बल्कि जिनके पास 5 या 1० 15 एकड़ जमीन है, उसको भी लोन दिया जाए। जिसका भी घर तबाह हुआ है, चाहैं वह 2, 5,10 या 15 एकड़ का मालिक है, उसको फायदा मिलना चाहिए। इसी तरह से ट्यूबवैल्ज के लिए भी सबसिडी देने का फैसला किया गया है कि जिनकी अढ़ाई एकड़ तक जमीन है, केवल उन्ही को सबसिडी दी जाए। मैं आपके माध्यम से उपाध्यक्ष महोदय, यह बात सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा कि अढ़ाई एकड़ से कम का या अढ़ाई एकड़ का मालिक तो इस मंहगाई के दिनों में ट्यूबवैल लगा ही नहीं सकता है। इसलिए इसका कोई फायदा नहीं हो सकता। ट्यूबवैल के लिये जो इमदाद या लोन या सबसिडी दी जा रही है, यह कम से कम 5 एकड़ से 15 एकड़ तक के जो मालिक हैं, उनको जरूर मिलनी चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, कुछ बुनियादी समस्याएं हैं, जो हल करनी चाहियें। बाढ़ को रोकने के लिये सरकार के सामने एक तजवीज है। पता नहीं उसमें क्यों, डिले हो रही है, उसको क्यों लम्बा किया जा रहा है? जो हिस्सा हरियाणा के अन्दर घग्गर नदी के दोनों तरफ पड़ता है, उस पर 197 छ में बांध इसलिये नहीं बन सका था कि रेलवे की जो पुली थी, वह नीचे थी और उस पुली से पानी गुजर नहीं पाता था इसलिये उस हिस्से को छोड़ दिया गया, मुलतवी कर दिया गया। आज तक भी वहां पर कोई बांध नही बना है। इसी कारण से

सिरसा के अन्दर नुक्सान हुआ है। पानी ने वहां से बाहर निकलकर सारे सिरसा के एरिया को तबाह किया है। दें गुजारिश करूंगा कि उस बांध को, जो खरेका गांव से लेकर पंजाब तक एक तरफ तो 16 किलोमीटर तक का हिस्सा है और दूसरी तरफ 22 किलोमीटर का हिस्सा है, वहां जरूर जल्दी से जल्दी बांध बनाया जाये। नहीं तो कभी भी वहां के लोगों के लिये फिर से खतरा पैदा हो सकता है इसके साथ ही ओटू का हैड घग्गर नदी पर बहुत पुराना है। पता नहीं एक सदी या डेढ़ सदी या कितना पुराना है। उसके अन्दर से पानी का निकास पूरी तरह से नहीं हो पाता है। पिछली बार वहां पर 42,000 क्यूसिक्स पानी था जबकि उसकी कैपेसिटी 24,000 क्यूसिक्स की है। बाढ़ से हमेशा के लिये महफूज होने के लिये उस हैड को बड़ा करना, खुला करना या ंचा करना लाजमी है। उसको नये सिरे से बनाया जाये तभी वहां के लोग बाढ़ से महफूज हो सकते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज मेरे एक माननीय साथी ने भी जिक्र किया था। मैं भी कुछ इस बारे में कहना चाहता हूं। आज अचानक हमारे कांग्रेसियों को पंजाबियों से हमदर्दी हो गई क्योंकि पार्लियामैन्ट के इलैक्शंज नजदीक हैं। इसीलिए ये इस। तरह की बातें फैला रहैं हैं। कांग्रेस के सामने कोई चारा नहीं रह गया हैं इस लिए ये जातिवाद का प्रचार कर रहैं हैं। ये कहते हैं कि लोकदल की सरकार पंजाबियों को नुमाइंदगी नहीं देती और कांग्रेस पंजाबियों को पूरी नुमाइंदगी देती थी। मेरे माननीय साथी श्री रणजीत सिंह एम० एल० ए० ने लिस्ट पेश की थी कि कितने पंजाबी एम०एल०एज० हैं लेकिन वे एक बात छोड़

गए। वह मैं पूरी कर देता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, ऐडमिनिस्ट्रेशन के अन्दर पंजाबी कितने हैं यह मैं बता देता हूं। महैंन्द्र प्रताप सिंह जी आप चौधरी भजन लाल को बता देना कि ऐडमिनिस्ट्रेशन के अन्दर हरियाणा में पंजाबी कितने है। मैं उनके नाम गिना देता हूं। वे हैं:—

1. श्री हरबंस सिंह आजाद, चेयरमैन, हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज

2. श्री त्रिलोचन सिंह, चेयरमैंन, हरियाणा फाइनेंशियल कार्पोरेशन

3 श्री मोहिन्द्र कुमार, चेयरमैन, आयुर्वेदिक बोर्ड

4 श्री अमर नाथ शर्मा, चेयरमैन, हरियाणा साहित्य अकादमी

5. श्री कुलवन्त सिंह, चीफ सैक्रेटरी टू गवर्नमैंट हरियाणा

6 श्री बी०एस० ओझा, पी०एस० टू सी० एम०

7. श्री एस०एस० बरार, डी०जी०पी०, हरियाणा

8 श्री ए० डी० मलिक, डायरेक्टर, पब्लिक रिलेशज

9. श्री कृष्ण कुमार दीपक पोलिटीकल सेक्रेटरी टू आनरेबल सी०एम०

10. श्री वी०बी० अरोड़ा, सेक्रेटरी टू सी० एम०

11. अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)

इतने लोग पंजाबी हैं जो०ंची पोस्ट्स पर लगे हुए हैं। स्पीकर साहब, पता नहीं ये लोग क्यों गुमराह कर रहैं हैं। इस तरह का प्रचार करने से पार्लियामैंट के इलैक्शंज नहीं जीते जाएंगे।

स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहूंगा। माननीय राज्यपाल महोदय ने अपना भाषण हिन्दी में पढा। बड़ी खुशी की बात है। वे हिन्दी भाषी नहीं हैं लेकिन इसके बावजूद उन्होंने हिन्दी में अपना भाषण पढ़ा। हरियाणा हिन्दी भाषी प्रान्त है लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि चाहैं वह हाऊस की समिति हो अथवा डिस्ट्रिक्ट के अन्दर कोई कमेटी बनाई हुई हो उनमें हर कार्यवाही अंग्रेजी में होती है और हिन्दी को बिल्कुल नजरअन्दाज किया जाता है। ऐसा लगता है कि हम इंग्लैण्ड से आए हों और हम हिन्दी बिल्कुल न जानते हों। स्पीकर साहब, हमारे प्रदेश की भाषा हिन्दी है लेकिन हिन्दी को दूसरा नम्बर दिया हुआ है। ऐसा नहीं होना चाहिए। हम अंग्रेजी तभी इस्तेमाल करें जब कोई आदमी हिन्दी भाषी न हो और उसे हिन्दी न आती हो। उस हालत में उसे अगर कोई लैटर देना है तो वह अग्रेजी में

ट्रांसलेशन करके दिया जा सकता है। बाकी हर तरह का काम रिपोर्ट या ऐजैन्डा हिन्दी में ही होना चाहिए।

स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि जिम तरह से हमारे माननीय नेता चौधरी देवी लाल ने आम जनता से सम्पर्क बना रखा है वह सराहनीय हैं। जब वे गांव में जाते हैं तो तख्त पर बैठ जाते हैं और लोगों में घुलमिल कर उनकी समस्याएं सुनते हैं। गावों में उन्होंने देखा कि बुजुर्ग लोग जमीन पर बैठकर ताश वगैरह खेलते हैं या किसी और काम से जमीन पर बैठते हैं। उन्होंने यह महसूस किया कि ये लोग जमीन पर बैठकर खेलें यह अच्छा नहीं लगता। इसको देखकर कहोने हर पंचायत को दस–दस हजार रुपए कुर्सी और मूढ़े वगैरह रखने के लिए दिए हैं। स्पीकर साहब, और भी इस तरह की कई बातें हमारे मुख्य मन्त्री महोदय ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए की हैं क्योंकि किसानों से और गरीबों से उनका विशेष लगाव है। मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं कि जब कभी भी किसान लोग मुख्य मन्त्री महोदय को कोठी पर मिलने जाते तो उस वक्त कई बेचारे तो इधर–उधर बीड़ी–सिगरेट की तलाश में घूमते रहते लेकिन उनको बीड़ी– सिगरेट नहीं मिलती थी। इस बात को हमारे माननीय नेता ने महसूस करते हुए अपनी कोठी के एक कमरे में एक चिल्म हुक्का रखवा दिया ताकि यहां पर आने वाले बेचारे किसानों को इस के लिये इधर–उधर न भटकना पड़े और उस कमरे का नाम भी हुक्का कमरा रख दिया।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसी तरह से हमारी यह लोकदल और भाजपा की मिली–जुली सरकार ने हरियाणा के लोगों को०पर उठाने के लिये, लोगों का चरित्र०पर उठाने के लिये, लोगों को सम्मानित करने के लिये अनेक उचित कदम उठाये हैं ताकि लोगों का चरित्र०ंचा हो सके। इस तरह का काम आज से पहले कमी भी किसी दूसरी सरकार ने नहीं किया था। इन शब्दों के साथ मैं माननीय मुख्य मन्त्री महोदय व अपनी सरकार को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव यहां पर पेश किया गया है, उसका में अनुमोदन करता हुआ व आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

13.00 बजे।

श्री टेक चन्द (नरवाना): स्पीकर साहब, मेरे से पहले काफी सदस्यों ने गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर काफी विस्तार से चर्चा की है। सरकार की क्या उपलब्धियां हैं, जो सरकार ने सफलताएं प्राप्त की हैं और आगे के लिए सरकार के क्या–क्या प्रोग्राम हैं, इन सब बातों के सम्बन्ध में भी हमारे बहुत से साथियों ने काफी विस्तार से अपने विचार यहा हाऊस के सम्मुख रखे है। मैं भी गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर अपने विचार रखने के लिए और उसका अनुमोदन व धन्यवाद करने के लिए खड़ा हुआ हूं और आपकी इजाजत से मैं कुछ कहना चाहूंगा। स्पीकर साहब, पिछले वर्ष हरियाणा में सूखे की मार से काफी नुकसान हुआ। हमारे

मुख्य मन्त्री महोदय ने इसके लिए केन्द्र सरकार से इमदाद मांगी लेकिन वह इमदाद नाममात्र थी। उसके बावजूद भी हरियाणा के अन्दर अनाज की पैदावार रिकार्ड तोड़ रही जिस वजह से हरियाणा की इन्कम बढ़ी। स्पीकर साहब, फल्ड के कारण हरियाणा के अन्दर जो नुकसान हुआ उसकी पूर्ति नही हो सकती। सिरसा, हिसार, जींद जिलों मे काफी नुकसान हुआ कई जगहो पर तो सैन्ट परसैन्ट क्षति हुई। मेरे हल्का नरवाना में भी कई गांवों के अन्दर सैन्ट परसैन्ट नुकसान हु आ लोगों के मकान गिर गए और सारी फसलें बुरी तरह से बरबाद हो गई। कई जगहों पर सड़कें भी टूटी। कई जगहों पर मुख्य मन्त्री महोदय व आई० पी० एम० साहब ने दौरा भी किया। सरकार ने ज्यादा से ज्यादा इमदाद करने की कोशिश की लेकिन जो इमदाद की गई वह टैम्पोरेरी इमदाद थी जिस से हालात सुधरने वाले नहीं हैं। मैं चाहता हूं कि फल्ड का जब तक सरकार कोई परमानैन्ट सोल्यूशन नहीं ढूंढती तब तक हम बरबाद होते रहैंगे। जब तक मुकम्मल डेरन्ज नहीं बनाई जातीं और फल्ड के पानी को सही जगह पर निकालने का सही प्रबन्ध नहीं किया जाता तब तक किसान की हालत यू ही खस्ता रहैंगी और किसान बुरी तरह पिसता रहैंगा। स्पीकर साहब, सड़कें टूट जातीं हैं फिर उनको०पर उठा दिया जाता है। यह कोई सड्कों के लिए परमानैन्ट हल नही होगा। सरकार को फल्ड ऐरियाज का पूरी तरह से सर्वे करवाना चाहिए और इस बात का भी प्रवन्ध करना चाहिए कि फल्ड के पानी का निकास कहां पर हो सकेगा जिससे लोगों को दुबारा परेशानी न होने पाए। इस तरह

का परमानैन्ट हल सरकार को किसानों की बहबूदी के लिए उठाना चाहिये। अलग अलग तरह की योजनाएं बनानी चाहिएं। घग्गर, टांगरी व मारकन्डा नदियों से जो बरबादी होती हैं उसका परमानैन्ट हल सरकार को ढूंढना चाहिए। मेरे विचार में हम इन नदियों के पानी को खेती के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री महोदय से यह कहूंगा कि चण्डी–मन्दिर के पास पहले एक डैम बनाने की योजना बनी थी लेकिन इस बारे में कांग्रेस सरकार ने बिल्कुल नही सोचा। अब हमारी सरकार है। इसलिए इस सरकार को किसानों के मुफाद के लिए, देश के मुफाद के लिए सोचना चाहिए। ताकि घग्गर का पानी बाद मे खेती के लिए इस्तेमाल किया जा सके। इसलिए डैम के बारे में हमारी सरकार को गम्भीरता से सोचना चाहिए। बिजली के बारे में हमारे कई साथियों ने बातें कहीं। हमारे आई० पी० एम० साहब बड़े लायक आदमी हैं। इन्होंने हरियाणा के किसानों और इंडस्ट्रियलिस्टस को जो बिजली दी वह एक रिकार्ड की बात हैं। मैं उनसे एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि 1987 में जो टयूबवैल्ज के डिमांड नोटिस निकले थे उनको अभी तक कनैक्शन नहीं मिला है। एक तरफ तो बिजली के उत्पादन को बढ़ाया गया है जिसकी वजह से काफी तरक्की हई लेकिन उसके बावजूद भी किसानों को कनैक्शन न मिले यह खेद जनक बात है। इसलिए है कहना चाहूंगा कि दिसम्बर, 1987 के बाद जो कनैक्शन नही दिए गए हैं वह जल्द दिए जाएं। नरवाना सब–डिवीजन में एक दुबल ड्रेन है। उसमें इतना पानी आ जाता है कि वह आस पास के

गांवों को डुबो देता है। मैं चाहता हूं कि उस ड्रेन को चौडा किया जाए तथा उसके बैकंस को मजबूत किया जाए। इसके साथ साथ गांव उझाना की आबादी अधिक वर्षा के कारण खतरे में पड़ जाती है। सारे खेतों का पानी गाँव में आ जाता है। वहां पर या तो पैंरलल डेरन बना कर बरवाला लिंक में पानी डाला जाए या पम्पिंग सैटस की कपेसिटी 40 से बढा कर दो सौ क्यूसिक की जाए। ऐसा करने से उस गांव को बर्बादी से बचाया जा सकता है। इसके साथ साथ कलायत से ढाकल व झील तक सडक के साथ साथ ड्रेन बनाई जाए ताकि हर बार की बाढ़ की समस्या का हल हो सके। इसके अलावा झील–मंगलपुर पम्प हाउस की कैपेसिटी भी बढ़ाई जाए इसके अलावा मैं एस० वाइ० एल० कैनाल के बारे में कहना चाहता हूं। जैसे कि मेरे साथियों ने कहा कि जब तक यह नहर कम्पलीट नही होती तब तक हमें बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। केन्द्र ने इसको जून, 1989 तक पूरा करने का वायदा किया है। अगर यह नहर जुन, 89 तक पूरी नही होती तो मेरी अपने साथियों से एक तरह से प्रार्थना है, जैसे चौधरी देवी लाल ने एलान किया है, कि हमें केन्द्र के खिलाफ प्रोटैस्ट करना चाहिए। मैं चाहूंगा कि हमारे साथी चौधरी महैंन्द्र प्रताप भी हमारे साथ मिल कर अपने किसान भाईयों के लिए लड़ाई लड़े'। जहां तक पिछड़े वर्ग तथा हरिजनों की बात है, इनकी भलाई के लिए भी हमारी सरकार ने अनेक कार्य किए हैं। आठवीं क्लास तक के विद्यार्थियों को पहले जहां 15 रुपए स्कौलरशिप मिलता था उसे बढ़ा कर हमारी सरकार ने 30 रुपए कर दिया है। नवीं और दसवीं

के विद्यार्थियों का स्कौलरशिप बीस रुपए से बढ़ा कर पचास रुपए कर दिया है। यह एक सराहनीय कदम है। इसके अलावा हमारी हरिजन कल्याण निगम तथा बैकवर्ड कलासिज निगम ने जो साढ़े आठ करोड रुपए के हरिजन तथा बैकवर्ड क्लास के भाईयों के कर्जे माफ किए हैं। यह भी एक सराहनीय कदम है। यह जो कर्जा माफ किया है यह हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों ने कोआप्रेटिव बैकों से जो लोन लिया हुआ है उससे अलग है। स्पीकर साहब, इसके अलाबा मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि हरियाणा हाउसिंग बोर्ड ने मकान बनाने के लिए हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को 2 हजार से 5 हजार रुपए तक की सबसिडी दी है। यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है। इसके अलावा मै बुढ़ापा पैंशन के बारे में कहना चाहूंगा। मेरे कांग्रेसी भाई अगर गांवों में जाएं तो इनको पता लगे कि बुजूर्गों को पैंशन मिलती है या नही। मैंने अपने हल्के के 46 गांवों का दौरा किया था। मुझे पता लगा कि उन सभी गांवों में बुजुर्ग पैंशन प्राप्त कर रहैं हैं और वे यह कहते हैं कि चौधरी साहब की मेहरबानी से घरों में हमारा मान सम्मान बढ़ गया है। हमें हमारे बेटा बेटी सुबह शाम चाय के लिए पूछते हैं और हमारी सेवा करते हैं। मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं कि उसने बुजुर्गों को इतना मान सम्मान दिया है। स्पीकर साहब, मैं चौधरी महैंन्द्र प्रताप जी को बताना चाहता हूं कि जब मैं अपने हल्के में गांवों के अन्दर दौरे पर गया तो लोगों ने मुझे 61 हजार रुपए के हार पहनाए लेकिन मैंने वह सारा पैसा उनको वापिस कर दिया। मेरे कांग्रेसी भाई जब गांवों

में जाते हैं और इनको लोगों की तरफ से जितना पैसा मिलता है वह अपनी जेबों में डाल कर ले आते हैं उनको वापिस नहीं देते। मैं इनको कहना चाहूंगा कि यदि आप वह पैसा डबल करके वापिस नहीं कर सकते तो कम से कम वही पैसा उनको वापिस दे दिया करें।

स्पीकर साहब, अब मैं ऐजूकेशन के बारे में कहना चाहूंगा। हमारी सरकार लड़कियों को शिक्षित करने के लिए बहुत सीरियस है, बहुत चिन्तित है। इस साल हमारी सरकार 50 प्राइमरी स्कूल अपग्रेड करके मिडल स्कूल बनाने जा रही है, और 25 किडल स्कूल अपग्रेड करके हाई स्कूल बनाने 'जा रही है और 200 प्राइमरी स्कूल खोलने जा रही है। इस मामले में जींद जिले की तरफ विशेष ध्यान दिया गया हैं। इसके लिए मैं ऐजूकेशन मिनिस्टर का धन्यवाद करता हूं। लेकिन इसके साथ साथ मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि मेरे जिला जींद में कोई पोलिटैक्नीक, या इंजीनियरिंग कालेज या मैडीकल कालेज खोलने की सरकार की कोई योजना नहीं है। इस जिले के अलावा आप चाहैं हिसार, रोहतक, फरीदाबाद या दूसरे जिलों को ही ले लें किसी जिले में इंजीनियरिंग कालेज खोलने की योजना है, किसी जिले मे मैडीकल कालेज खोलने की योजना है और किसी जिले में पोलिटैक्नीक खोलने की योजना है लेकिन जींद जिले के साथ दूसरे नम्बर के नागरिक जैसा व्यवहार किया जा रहा है। मेरी

सरकार से प्रार्थना है कि जींद जिले मे भी इस तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए।

इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि जींद में जो टैनरीज है उसको बंद किया जा रहा है और उसके स्थान पर एक लैदर इंस्टीच्यूशन खोलने की सरकार की योजना है। मैं कहता हूं कि अगर सरकार टैनरीज को बंद कर रही हैं तो वहां पर लैदर इंस्टीच्यूशन खोलने की क्या जरूरत है? इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहूंगा। हमारे जो सरकारी कर्मचारी है जिन्होंने इस सरकार को बनाने में अपना काफी योगदान दिया है, वे 21 तारीख को जिस दिन सैशन की औपनिग थी, अपनी मांग ले कर आए थे। उनकी मांग बहुत जरूरी है। उनको जो कैजुअल लीव मैडीकल लीव और अरंड लीव लेनी पडती है उसके बारे में उनकी मांग है। इन छुट्टियों के बारे में पहले उनको कोई एतराज नहीं था लेकिन हमारे आई० ए० एस० औफिसर्ज ने अब यह आर्डर कर दिए है कि अरंड लीव और मैडीकल लीव 10 दिन से कम नहीं दी जाएगी। ऐसा करके कर्मचारियों के लिए खामखां की समस्या पैदा कर दी है। अरंड लीव और मैडीकल लीव जैसे पहले दी जाती थी उसी तरह से दी जानी चाहिए और कर्मचारी जब भी अरंड लीव या मैडीकल लीव लेना चाहैं उनको दी जाएं। जैसे पहले इन छुट्टियों को देने का हिसाब किताब था वही रखा जाए। जो कैजुअल लीव है वह आकस्मिक काम होने के कारण ली जाती है यदि इकटठी लें तो

उनका काम कैसे चलेगा। कैजुअल लीव तो जब कर्मचारी को कोई आकस्मिक काम होता है तभी लेता है वरना कोई छुट्टी नहीं लेता। ऐसी छोटी छोटी बातें करके कर्मचारियों को नाराज नहीं करना चाहिए। इन शब्दों के साथ मैं गवर्नर साहब के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री भगवान सहाय रावत (हथीन): अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर डाक्टर महा सिंह जी ने जो धन्यवाद प्रस्ताव रखा है उसका अनुमोदन करते हुए मैं उसके विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार ज्यक करूंगा। मैं यह समझता हूं कि वर्तमान सरकार की नीतियों का और भविष्य के कार्यक्रमों का जो प्रतिकात्मक रूप गवर्नर साहब के अभिभाषण में होता है उससे एक झलक मिलती है इस बात को देखने की कि हरियाणा प्रान्त सारे देश में एक अग्रणीय प्रान्त है। वह सारे देश का मार्ग दर्शन कर जा है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि फूल तो अनेक हैं लेकिन कमल के फूल की अपनी प्रतिभा होती है। मनुष्य तो बहुत हैं, मुख्य मन्त्री हर प्रदेश में हैं लेकिन मुझे यह बात कहते हुए गर्व अनुभव हो रहा है कि मुख्य मंत्री–पद की शोभा जो हमारे आदरणीय चौधरी देवी लाल जी ने बढ़ाई है और हरियाणा सरकार ने प्रान्तीय सरकार का जो कर्तव्य जनता के प्रति निभाया है उसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है ओर इसकी अद्वितीय मिसाल हमारे देश में दूसरी नहीं मिल सकती। जितनी भी हमारे समस्त देश में दूसरी विरोधी दलों की सरकारें हैं चाहें वे

सी०पी०आई० की हैं या सी०पी०एम० की हैं वे सभी लोगों को एक साथ लेकर आगे बढ़ी हैं और सभी मजदूरों को साथ लेकर आगे बढ़ी हैं। उन्होंने आगे बढ़ने के लिए बड़े कष्ट उठाये हैं। लेकिन इन सबसे आगे बढ़ी है चौधरी देवी लाल जी की सरकार। 'चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने कुछ ऐसे ऐतिहासिक कदम उठाये हैं जिनकी पुनरावृत्ति बार–बार की जाये तो मैं उसे अनावश्यक नहीं समझता। चौधरी देवी लाल जी ने 4–5 बातें ऐसी की हैं जिन्हैं इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा और जिससे भावी पीढी को प्रेरणा मिलेगी और हौंसला मिलेगा। सर्व– प्रथम तो एक बात हमारे मुख्य मन्त्री जी ने जो सामाजिक समस्या वृद्धों की थी उसको पैशन देकर समाप्त किया है। बृद्धावस्था पैशन देते समय चौधरी देवी लाल जी ने न तो किसी वर्ग विशेष को ध्यान में रखा और न ही किसी भाति को ध्यान में रखा। केवल एक ही चीज ध्यान में रखी कि जो व्यक्ति या औरत 65 साल से अधिक आयु का हो गया है उसे यह वृद्धाबस्था पैशन मिलेगी। यह एक ऐसी मिसाल कायम की है जो इतिहास में कहीं पर भी नहीं देखने को मिलती और न ही यह पैशन आज तक किसी दूसरी सरकार ने किसी को दी है। हमें 40–42 साल की आयु में तो अनुभव नहीं होता लेकिन जब हमारी आयु 65 साल से, 70 साल से या 80 साल से अधिक की हो जाती है और बुढ़ापा नजर आता हैं तो उस समय महसूस होता है कि उस आयु में हमें पूरा सम्मान मिलना चाहिए। चौधरी देवी लाल जी ने इन सभी वृद्धों को 100 रुपया प्रतिमास पैशन देकर एक बहुत अच्छा काम किया है। लोग

इसे अब पैशन न कह कर तनख्वाह संबोधित करने लगे हैं। इतने पैसे तो कई दूसरे राज्यों में मजदूरों को मजदूरी के भी नहीं मिल पाते। यह सम्मान आज तक किसी राजा ने या किसी मुख्य मन्त्री ने देश में नहीं दिया और न ही पूर्व इतिहास में ऐसी कोई बात सुनने में आई है। जब हम कई बार चौपालों में लोगों की चर्चाएं सुन रहैं होते हैं तो वे यह शब्द इस्तेमाल करते हैं कि ऐसी पैशन आज तक किसी राजा ने नहीं दी और न ही आज तक ऐसा कोई राजा हुआ है। यह अपने आप में एक बेमिसाल बात है पिछले 40 साल में कांग्रेस पार्टी का ही शासन रहा है बल्कि मैं यह कहूं एक परिबार का ही शासन रख है तो कोई गलत बात नहीं है। बीच में जरूर कुछ समय के लिए इस पार्टी से शासन छिन गया था। इसलिए सारा दायित्व केवल उस परिबार के कन्धे पर ही आता है जिसने 40 साल तक इस देश में शासन किया है। इन 40 सालों में देश में कुशासन बढ़ा है, बेरोजगारों की फौज बढ़ा है और लोगों को नौकरी नहीं मिली। यहां तक की जब लोग इन्टरव्यू पर जाते थे तो उनकी जेब में इन्टरव्यू अटैण्ड करने के लिए पैसे तक नहीं होते थे और वे अपनी आर्थिक मजबूरी के कारण मजबूर थे। इस मजबूरी के कारण वे लोग नौकरी लेने से भी रह जाते थे। यह कोई छोटी बात नहीं है कि चौधरी देवी लाल जी ने सभी लोगों को इन्टरव्यू परे जाने–आने कें लिंए बसों में बगैर किराये के इन्टरव्यू अटैण्ड करने की सुविधा उपलब्ध करवाई है। अब कोई भी व्यक्ति अपना इन्टरव्यू कार्ड दिखा कर इन्टरव्यू देने के लिए या अटैण्ड करने के लिए जा सकता है और जिनका भाग्य तेज होता

है उन्हैं नौकरी मिल जाती है। अब लोग अपना भाग्य अजमाने के लिए जा सकते हैं उन पर कोई पाबंदी नहीं है। नौकरी तो उतने लोगों को ही मिलेगी जितनी पोस्टें होंगी लेकिन वे अपना भाग्य अजमा सकते हैं। यह सुविधा भी प्रदान करके चौधरी देवी लाल जी ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह भी 40 साल के इतिहास में कहीं पर मिसाल नहीं मिलेगी कि कहीं पर लोगों को इन्टरव्यू पर आने–जाने के लिए निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाई गई हो।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं एक बात बिजली के बारे में कहना चाहता हूं। आज के दिन चाहैं औद्योगिक क्षेत्र हो या कृषि क्षेत्र हो सभी को 24 घन्टे बिजली उपलब्ध हो रही है। इसके लिए हमारे चौधरी वीरेन्द्र सिंह विशेष प्रशंसा के पात्र हैं साथ ही साथ चौधरी देवी लाल जी भी इस के लिए बधाई के पात हैं। इसमें कोई शक नहीं कि इसमें पहले काफी खामी रही है। इसके लिए मैं अपने आई० पी० एम० साहब से प्रार्थना करूंगा कि वे आने वाले 10– 20–30 या 4० सालों की आवश्यकताओं को म्यान में रख कर ही नई योजनाएं न बनाये बल्कि अपने शासन काल में ऐसी योजनाए बना जाएं कि आने वाली जनरेशन तक बिजली की समस्या न रहैं और यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहैं। काँग्रेस शासन 40 साल से गरीबी हटाओ का नारा लगाते हुए शासन करती रही है। यदि सारी बातों को ध्यान से देखें और इतनी शिक्षा व्यवस्था लागू होने के बाद उनका रिजल्ट देखें 'तो जितनी समस्याएं

आबादी के साथ कांग्रेस सरकार ने खड़ी करं दी हैं उनका कोई समाधान नजर नहीं आता। अतः आवश्यक हो जाता है कि भविष्य को ध्यान में रखकर हम दूरगामी योजना बनाएं। चाहैं बिजली की, चाहैं शिक्षा की, चाहैं बेरोजगारी दूर करने की बात हो, हमें दूरगामी योजनाएं बनानी चाहिए। इसके अतिरिक्त चौथी बात यइ है कि चौधरी देवी लाल, पीढ़ियों से टूटे हुए, ऋण के कारण जिनके कन्धे कमजोर हो चुके थे, जब एक बार ऋण ले लिया उसे उतार नहीं पाए, उनके लिए मसीहा बनकर उभरे। एक बार का ऋण चुका नहीं पाए और दूसरी बार ऋण लेने की जरूरत पड़ गई और वह ऋण लेने को मजबूर हो जाते थे जिनमें किसान, दूकानदार और छोटे और गरीब वर्गों के लोग, जिनकी आर्थिक दृष्टि से रीढ़ की हड्डी कमजोर थी और वे ऋण वापिस करने की स्थिति में नहीं थे, उनके कर्जे माफ कर दिए गए'। इस तरीके से जितने हमारे अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग, किसान, मजदूर के ऋण थे खेतीहर, छोटे दुकानदारों के कर्जे थे वे बगैर किसी भेदभाव के माफ करने की जो नीति अपनाई गई है वह इतिहास में प्रेरणा दायक योजना होगी। हमारे राज्य की आय सीमित है और भूगोलिक क्षेत्र भी हमारा सीमित है लेकिन हमारी आकांक्षाएं असीमित हैं। इतने कम. समय में और सीमित और साधनो से जो कुछ इस सरकार ने किया है वह हमारे सामने है। कांग्रेस शासन ने शौषण करके रख दिया था। इसके बाबजूद इस डेढ़ वर्ष की अवधि में चौधरी देवी लाल की सरकार ने दूरगामी और क्रान्तिकारी कदम उठाकर एक मिसाल कायम की है। जहां तक अपने क्षेत्र की समस्याओं, जिले

की समस्याओं और राज्य की समस्याओं का सम्बन्ध है, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में अपनी सरकार की भविष्य की नीतियों की ओर, कार्यक्रमों की ओर इंगित किया है, संकेत किया है। मैं उसकी संक्षेप में चर्चा करना चाहूंगा। सारे देश में कानून और व्यवस्था की जो स्थिति है उसकी प्रशंसा की गई है इसमें कोई दो राय नहीं है और यह भी अपने आप में एक मिसाल है। पिछले दिनों से सीमान्त राज्य पंजाब में आतंकवाद की आधी चल रही है और. रोज कत्लेआम हो रहैं हैं। पड़ौसी राज्य हरियाणा में भी इसकी प्रतिछाया में कुछ हो जाना स्वाभाविक है। आज हमारी हरियाणा पुलिस को, हमारी हरियाणा सरकार को यह श्रेय जाता है कि जितनी भी उग्रवाद की घटनाएं हुई हैं चाहैं वह दरियापुर रहा हो, कैथल कुरुक्षेत्र, पिहोवा या शाहबाद रहा हो, अपराधी वृत्ति के जो लोग थे वे या तो पकड़ लिए गए हैं या उनको मौत के घाट उतार दिया गया है। 103 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया हैं और 10 आतंकवादियों को गोली से उड़ा दिया गया। कानून व्यवस्था की जैसी स्थिति हरियाणा प्रदेश में है वैसी सारे देश में किसी भी प्रदेश की नही है चाहैं यहां कोई भी पार्टी सत्तारूढ़ है।

हमारी सरकार के सत्ता सम्भालने के बाद ही इसे प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा। पहले तो यह राज्य सूखे की मार से पीड़ित रहा तदोपरान्त भीष्ण बाढ़ का सामना करना पड़ा। अध्यक्ष महोदय, इसके बावजूद भी सीमित साधनों के होते हुए भी, चौधरी देवी लाल ने स्वयं खेतों में जाकर दुखी किसानों

को अपने साथ लेकर उपयुक्त और जिला के अधिकारियों को साथ लेकर मौके पर बाढ सहायता तथा राहत कार्य को करवाया। यह बात हरियाणा की जनता में विश्वास उत्पन्न करती है। इसके साथ मैं एक और बात कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारी राज्य सरकार ने 192.10 करोड़ रुपए की मांग केन्द्र सरकार से की थी और केन्द्र ने 31.14 करोड़ रुपए की सहायता राशि ही अनुमोदित की है। इसमें जैसे प्रश्नोत्तरकाल में बताया जा रहा था कि राशि विभिन्न मदों में दी जाएगी और राशि हमें पू री तरह से नहीं दी गई। निश्चित रूप से जो केन्द्र की सरकार हैं, वह नहीं चाहती कि यह छोटी सी प्रगतिशील स्टेट देश का मार्ग दर्शन करे और उसके कदमों के नीचे से जमीन न खिसका दे इसलिए निरन्तर इस राज्य से भेदभाव करते जा रहैं हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसे कि हमारे सभी साथियों को मालूम है कि हरियाणा एक छोटा सा प्रदेश है। इसके लिए 678 करोड़ रुपए का परिव्यय सामने रखा है, बजट की राशि यहां पर रखी गई है, जिसको अगामी साल में हमारी विभिन्न योजनाओं में, कल्याणकारी कार्यक्रमों तथा स्कीमों पर खर्च किया जाएगा। हमारी लोकप्रिय सरकार ने सर्वप्रथम बिजली और कृषि को प्राथमिकता के आधार पर सबसे ज्यादा राशि अलौट की है 202 करोड़ रुपए, सिंचाई के लिए 93.95 करोड़ और उद्योग के लिए 14 करोड़ रुपए। इसी तरह से स्वास्थ्य शिक्षा के लिए 238.18 करोड़ रुपए, समाज कल्याण पर 15 करोड़ रुपए। इस सब का श्रेय जाता है चौधरी देवी लाल की सरकार को जिसने अन्तोदय योजना के अन्तर्गत जैसे विनोबा भावे की योजना थी, महात्मा गांधी की

योजना थी, प्रान्त में योजन एं लागू की हैं। सालों से, पीढ़िशें से हमारे देश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां की 80 प्रतिशत जनता गांवों में रहती है और 20 प्रतिशत लोग शहरों में रहते हैं।

श्री अध्यक्षः आप प्लीज वाईंड अप करें।

श्री भगवान सहाय रावतः इसके अतिरिक्त तीन चार मुद्दे और भी उल्लेखनीय हैं। उन मुद्दों में से एक शिक्षा का विषय भी बहुत महत्वपूर्ण है। हमारी लोकप्रिय सरकार ने वर्ष 1989–90 के दौरान विद्यालय शिक्षा के लिए 3,669 लाख रुपये का प्रावधान किया है, 1988– 89 के दौरान लड़कियों की शिक्षा के लिए 200 प्राथमिक विद्यालय खोले जा रहैं हैं और वर्ष 198 9– 9० के दौरान लड़कियों के लिए 100 और प्राथमिक विद्यालय शुरू करने का भी प्रस्ताव है।. इसी प्रकार से वर्ष 1988– 89 के दौरान 50 प्राथमिक और 25 मिडल विद्यालयों का दर्जा बढ़ाया जा रहा है, वर्ष 1989– 90 के दौरान सौ प्राथमिक विद्यालय, 50 मिडल और 25 उच्च विद्यालयों का दर्जा बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। इन सब बातों से साफ जाहिर है कि शिक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। हमारी सरकार का उस तरफ पूरा ध्यान है लेकिन मैं एक अध्यापक रहा हूं और अध्यापक होने के कारण अपनी कर्त्तव्य परायणता का ध्यान रखते हुए कुछ बातें अर्ज करना चाहता हूं। मैं राजनैतिक जीवन में आने से पहले दिल्ली में अध्यापक के रूप में काम करता रहा हूं। मैं निश्चित रूप से दो सुझाव आपके नोटिस में लाना चाहता हूं। सर्वप्रथम तो यह है कि जो ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां पर शिक्षा का पूरा

प्रबन्ध नहीं है वहां पर प्रबन्ध होना चाहिए। हमारे विपक्ष के साथी बैठे हुए हैं, अगर सारा दोष हम उनके०पर डालें तो यह बात ठीक नहीं है। हमारे विद्यालयों की स्थिति यह है कि वहां भवन और स्टाफ की कमी है। कल मेरे प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री महोदया ने बताया था कि आर्थिक सीमाओं के कारण नये विद्यालय खोलने में असमर्थ हैं लेकिन मैं स्वयं दिल्ली में अध्यापक रहा हू, मैं जानता हूं कि पब्लिक की मांग को देखते हुए, हमारे मुख्य मन्त्री ने उनकी आकाक्षाओं को ध्यान में रखते हुए लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा दिया है। हमारे सीमित साधनों के बावजूद लड़कियों के स्कूल बोले जा रहैं है। चौधरी देवी लाल एक वोट और एक नोट के साथ बिडला, टाटा और डालमिया का मुकाबला कर सकते हैं तो जिन गांवों में स्कूल की बिल्डिग नहीं हैं वहां पर टैन्ट लगा कर लड़कियों के स्कूल खोले जा सकते हैं, कालेज खोले जा सकते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अब आप कृपया बैठें। श्री कैलाश चन्द शर्मा।

श्री भगवान सहाय रावतः केवल दो मिनट में ही खत्म कर देता हूं।

Mr. Speaker : Please take your seat. This is not the way. अब मैं दूसरे मैम्बर को बोलने के लिए कह चुका हूं।

श्री भगवान सहाय रावतः केवल एक ही बात कह कर कंक्लूड कर देता हूं।

Mr. Speaker : No please, it is concluded now. I have already called upon the other member. Please take your seat.

श्री कलास चन्द शर्मा (नारनौल): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है। मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। वास्तव में सब से पहले राज्यपाल महोदय को बधाई देना चाहता हूं। क्यों कि उन्होने हरियाणा की जनता का ध्यान रखते हुए अपनी कठिनाई के बावजूद अपना अभिभाषण हिन्दी में पढ़ा है। जैसे मेरे से पूर्व वक्ता श्री कम्बोज ने यह बात कही कि राज्यपाल महोदय ने जब हिन्दी भाषा का और हमारे लोगों का इतना ख्याल रखा वैसे ही मैं ससंदीय कार्य मंत्री महोदय से रिक्वैस्ट करूंगा कि नन्हैं भी हिन्दी भाषा का विशेष ध्यान रखना चाहिए और अधिक से अधिक काम हिन्दी में करना चाहिए। यह मेरा सुझाव है।

अध्यक्ष महोदय राज्यपाल का अभिभाषण सरकार की नीतियों का वक्तव्य हुआ करता है, सरकार की उपलब्धियों का ऐजन्डा हुआ करता है।। पिछले डेढ़ साल में सरकार ने जो कार्य किये हैं उन कार्यों की सराहना कितने ही शब्दों में की जाये वह थोड़ी है। जहां तक एस० वाई० एल० का सवाल है, उसके बारे में भी राज्यपाल महोदय ने चर्चा की है लेकिन बड़े खेद की बात है कि एस० वाई० एल० को राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा होते हुए भी

राजनीति के साथ जोड़ा हुआ है। हमारे कांग्रेस के साथी इसे चुनाव का मुद्दा बनाऐ हुए हैं। जब भी कोई चुनाव का अवसर आता है तो यह एस० वाई० एल० के मुद्दे को खोल देते हैं। जब 1987 में चुनाव होने थे, तो भी हरियाणा के सारे जिलों के पंचों और सरपंचों को गाड़ियों में बिठाकर मौका दिखाया गया कि देवो बड़ी तीव्र गति से निर्माण हो रहा है। परन्तु अध्यक्ष महोदय, जब इसको बनाने का समय आता है, वास्तव में कुछ काम करने का समय आता है, तो केन्द्र सरकार रक्षकी ओर ध्यान नहीं देती। आज से ठीक एक साल पहले यानी 22–2– 1988 को इंडियन एक्सप्रैस में एक समाचार छपा कि केन्द्रीय सरकार ने 40 करोड़ रुपया अपने बजट में रखा है। उस समय तो उन्होंने कई बार समय भी निश्चित– किया। पहले यह माना था कि मार्च, 1988 तक यह मुकम्मल हो जायेगी फिर, अक्तूबर, 1988 तक कहा यह बनकर तैयार हो जायेगी परन्तु खेद की बात है कि उस पर अभी तक भी काम समाप्त नहीं हुआ है। कितना समय और लगेगा, इंजीनियरों की समय अवधि क्या है, वह कितना समय मांग करते हैं कभी इस बारे में कोई बात नहीं की गयी। हमें लगता है कि आने वाले लोक सभा के चुनाव में इस मुद्दे को सामने रखकर फिर से शायद कोई ड्रामा किया जाये। यह एस० वाई० एल० वास्तव में हरियाणा के लिये जीवन और मरण का सवाल है। हमारे आदरणीय नेता चौधरी देवी लाल जी ने और डा० मंगल सैन जी ने हरियाणा में इस मुद्दे को लेकर इलैक्शन लड़ा। उन्होंने हरियाणा की जनता को साथ लेकर इसके लिये आन्दोलन भी शुरू किया था। परन्तु डेढ़

साल के बाद भी हमारी सरकार के बार–बार आग्रह करने के बाबजूद कि इसको जल्दी से जल्दी बनाया जाये, केन्द्रीय सरकार इसकी उलझाये रखना चाहती है। हमारा जिला हरियाणा का सबसे आखिरी जिला पड़ता है। हरियाणा में जब भी एस०वाई०एल० का पानी आयेगा, हमें भी उससे कुछ पानी मिलना है। महैंन्द्रगढ़ को भी उसमें से पानी मिलना है। लोग बड़ी तत्परता से इन्तजार कर रहैं हैं कि कब वह पानी आयेगा और कब हमें मिलेगा। मैं चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं कि उन्होने पिछले साल अपनी नहरों का कुछ पानी वहां पर पहुंचाया है। मैं भाई महैंन्द्र प्रताप सिंह जी से कहूंगा कि वह इस विषय में राजनीति को न आने दें। इस विषय को राजनीति का विषय न बनाएं। यह हरियाणा की जनता के जीवन और मरण का सवाल है। आपको भी उस जनता से काम पड़ना है। आने वाले समय में आपको भी उसके सामने जाना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार सब सरकारों से अलग सरकार हैं। बाकी सरकारें तो ऐसी होती हैं कि जब कोई मांग लेकर जाता है, तभी उस की मांग पर विचार किया जाता है कि उसैकी मांग उचित है या नहीं है। आपको ऐसी सरकार कहीं नहीं मिलेगी जो यह देखती हो कि किस आदमी को किसे चीज की जरूरत है। मेरे से पहले बोलने वालों ने कई ऐसी चीजों का जिक्र किया है जिनकी तरफ हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी की दृष्टि बड़ी तेजी से जाती हैं। इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ है कि ओलावृष्टि या सूखे की वजह से हुए नुक्सान में खेत पर काम करने वाले गरीब मजदूर

का नाम भी शामिल किया गया और उसको भी मुआवजा दिया गया। पहली बार ऐसा किया गया कि किसान के खेत के साथ लगते पेड जो थे उनमें उसको भी हिस्सा दिया गया। मैं समझता हू कि यह बहुत बड़ी महत्वपूर्ण उपलब्धि इस सरकार की है। मैं आदरणीय चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी से एक प्रार्थना करूंगा। आज क्योंकि स्वास्थ्य मन्त्री मौजूद नहीं है इसलिए वह उनका भार संभाले हुए हैं। मैं उनकी सेवा में यह कहना चाहूंगा कि हरियाणा में एक बड़ी मोटी समस्या है। आयुर्वैदिक और यूनानी चिकित्सा बोर्ड हरियाणा में बना हुआ है। पिछले कुछ सालों से यह बोर्ड केवल मात्र नाम मास का बोर्ड बनकर रह गया है। सारे हरियाणा में लगभग 30,000 ऐसे लोग हैं जो आर० एम० पी० हैं और प्रैक्टिस कर रहैं हैं। उनके०पर एक कानून की तलवार लटकती रहती है। बार–बार उन्हैं यह कहा जाता है कि आपकी इल्लीगल प्रैक्टिस है। वास्तव में यह प्रैक्टिस तो इल्लीगल है क्योंकि यह लोग हरियाणा की बजाए बिहार राज्य यूनानी चिकित्सा बोर्ड, पटना से या भोपाल से या भारतीय चिकित्सा बोर्ड जयपुर से आर०एम०पी० करके आते हैं। हरियाणा में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। 1963 का जो पंजाब आयुर्वेदिक एवं यूनानी प्रैक्टिशनर्ज ऐक्ट था, उसको अमैंड कर दिया गया था। उसके सैक्शन 34 दी के तहत पहले सरकार ऐसे लोगों को रजिस्टर या पंजीकृत कर सकती थी लेकिन 1963 में इस सैक्शन 34 बी को हटा दिया गया।

श्री अध्यक्षः अब आप कृपया बैठें। आप कल कंटिंन्यू करेंगे। अब हाउस कल सुबह साढे नौ बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है।

13.30 बजे।

(तत्पश्चात सदन शुक्रवार, 24 फरवरी, 1989 को सुबह 9.30 बजे तक स्थगित हुआ।)